



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 26] नई दिल्ली, शनिवार, जुलाई 3, 1971 (आषाढ़ 12, 1893)
No. 26] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 3, 1971 (ASADHA 12, 1893)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

नोटिस

(NOTICE)

नीचे लिखे भारत के असाधारण राजपत्र 8 फरवरी 1971 तक प्रकाशित किये गये हैं :—

The undermentioned Gazettes of India Extraordinary were published up to 8th February 1971 :—

अंक (Issue No.)	संख्या और तिथि (No. and date)	द्वारा जारी किया गया (Issued by)	विषय (Subject)
1	2	3	4

शून्य
—NIL—

ऊपर लिखे असाधारण राजपत्रों की प्रतियां प्रकाशन प्रबन्धक, सिविल लाइन्स, दिल्ली के नाम मांग-पत्र भेजने पर भेज दी जाएंगी।
मांग-पत्र प्रबन्धक के पास इन राजपत्रों के जारी होने की तिथि से दस दिन के भीतर पहुंच जाने चाहिए।

Copies of the Gazette Extraordinary mentioned above will be supplied on indent to the Manager of Publications, Civil Lines, Delhi. Indents should be submitted so as to reach the Manager within ten days of the date of issue of these Gazettes.

विषय-सूची

भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	पृष्ठ 557	भाग II—खंड 3—उप-खंड (ii)—रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं	पृष्ठ 3307
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	921	भाग II—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा अधिसूचित विधिक नियम और आदेश	397
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	—	भाग III—खंड 1—महालेखा परीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा संलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं	821
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं	749	भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिसें	237
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम	—	भाग III—खंड 3—मुख्य आयुक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं	89
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयकों संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें	—	भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, आदेश, विज्ञापन और नोटिसें शामिल हैं	1805
भाग II—खंड 3—उप-खंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	2435	भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिसें	127
		पूरक संख्या 26—	
		19 जून 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह की महामारी सम्बन्धी साप्ताहिक रिपोर्ट	1001
		29 मई 1971 को समाप्त होने वाले सप्ताह के दौरान भारत में 30,000 तथा उससे अधिक आबादी के शहरों में जन्म तथा बड़ी बीमारियों से हुई मृत्यु सम्बन्धी आंकड़े	1011

CONTENTS

PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	557	PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (ii)—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	3307
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court	921	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence	397
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministry of Defence	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India	821
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence	749	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Offices, Calcutta	237
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners	89
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies	1805
PART II—SECTION 3.—SUB-SEC. (i)—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)	2435	PART IV—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies	127
		SUPPLEMENT No. 26	
		Weekly Epidemiological Reports for weeks ending 19th June 1971	1001
		Births and Deaths from Principal diseases in towns with a population of 30,000 and over in India during week ending 29th May 1971	101

भाग I—खण्ड 1
(PART I—SECTION 1)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

राष्ट्रपति सचिवालय

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1971

सं० 31—प्रेज०/71—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को उत्कृष्ट वीरता के लिए “कीर्ति चक्र” प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. 2949472 नायक जगवीर सिंह,

राजपूत ।

(मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—15 मार्च, 1970)

नायक जगवीर सिंह उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले के औरंध गांव में अपनी वार्षिक छुट्टी बिताने गये हुए थे। 15 और 16 मार्च, 1970 के बीच की रात्रि को लगभग 11 बजे कोई 15-16 सशस्त्र डाकुओं के एक गिरोह ने उनके पड़ोस में एक घर पर आक्रमण किया। गोली चलने की आवाज सुनते ही नायक जगवीर सिंह ने जिनके पास 12 वीर की बन्दूक थी तुरन्त कुछ ग्रामवासियों का एक दल गठित कर डाकुओं को पकड़ने की योजना बनाई। इस ध्येय की पूर्ति के लिए तीन दल बनाये गये। मुख्य दल का नेतृत्व स्वयं नायक जगवीर सिंह ने संभाला। एन० सी० ओ० के नेतृत्व में इस रक्षा और डाकुओं के दरमियान बन्दूकों से जबरदस्त लड़ाई हुई। नायक जगवीर सिंह ने बचकर भागते हुए डाकुओं पर हमला किया और उन में से एक को पकड़ लिया। डाकुओं ने जब देखा कि उनका एक साथी पकड़ा गया है तो वह तुरन्त भाग निकले परन्तु उनमें से एक ने नायक जगवीर सिंह पर बिल्कुल निकट से गोली चलाई जिससे उनकी वहीं मृत्यु होगई।

इस कार्यवाही में नायक जगवीर सिंह ने बड़ी उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

2. श्री विला परेली अंगामी,

एस० सी० ।

(मरणोपरान्त)

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—13 मई, 1970)

13 मई 1970 को एक भूतपूर्व ग्राम-गार्ड श्री विला परेली अंगामी ने कोहिमा जिले के एक गांव में गैर कानूनी क्रियाएं करने के संदेश में दो व्यक्तियों को पकड़ने और उनकी पूछताछ करने में सहायता की। तत्पश्चात् नियम विरुद्ध रखे हुए हथियारों को छुड़ने के कार्य में उन्होंने सुरक्षा दल की एक टुकड़ी का साथ दिया। तलाशी के दौरान एक सड़प में चार विरोधी मारे गये और तीन राइफलें तथा भारी

मात्रा में गोला-बारूद पकड़ा गया। 25 जून 1970 को उन्होंने फिर गैर कानूनी क्रियाएं करने के शक में एक अन्य गांव के दो व्यक्तियों को पकड़ने और उनकी पूछताछ करने में सहायता दी। पूछताछ के बाद सुरक्षा दल की एक टुकड़ी के साथ वे उस कैम्प की तलास में गये जहां नियम विरुद्ध रखे गये हथियार जमा किये जाने की सूचना मिली थी। मुठभेड़ में चार व्यक्ति मारे गये और तीन राइफलें और भारी मात्रा में गोला-बारूद पकड़ा गया। 29 जून 1970 को फिर वे सुरक्षा दल की एक टुकड़ी के साथ एक निभूत स्थान को गये। तलाशी के दौरान कुछ हथियार और गोला-बारूद हाथ लगा और एक विरोधी घायल हुआ। 2 सितम्बर 1970 को कोहिमा में श्री विला परेली अंगामी एक विरोधी की गोली में बुरी तरह घायल हुए और 3 सितम्बर 1970 को उनकी मृत्यु हो गई।

श्री विला परेली अंगामी बराबर उच्च कोटि की वीरता का परिचय देने रहे।

(प० ना० कृष्ण मणि)

राष्ट्रपति के सयुक्त सचिव

नई दिल्ली, दिनांक 26 जनवरी 1971

सं० 32—प्रेज०/71—राष्ट्रपति निम्नांकित व्यक्तियों को वीरता के लिए शौर्य चक्र प्रदान करने का अनुमोदन करते हैं :—

1. श्री चेलिया रामामूर्ति,

ए० ई० ई० (सी०), जी० ओ०—583

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—16 अगस्त, 1966)

श्री चेलिया रामामूर्ति, सहायक कार्यपालक इन्जीनियर को 1964 में मिजो हिल्स में तैनात किया गया था। उन्हें ऐजल-लुंगलेह मार्ग के एक भाग का सर्वेक्षण करने तथा नई मार्ग रेखा निर्धारित करने का कार्य सौंपा गया था। उन्होंने इस कार्य को बड़े परिश्रम एवं दृढ़ संकल्प से पूरा किया। मार्च 1966 में इस जिले में कुछ लड़ाई-झगड़े छिड़ गये। इस क्षेत्र में सीमा सड़क निर्माण में लगे हुए कई कर्मचारी हताहत हुए। सड़क निर्माण कार्य में लगे हुए मजदूर अपना कार्य छोड़ कर भाग गये और सब काम तकरीबन ठप्प हो गया। इस मार्ग को सक्रियतात्मक महत्ता के कारण यह आवश्यक था कि सड़क यातायात के लिए खुली रहे। इस खंड से होकर कार्यपाल इन्जीनियर इन्चार्ज होने के नाते उन्होंने गांव से श्रमिक एकत्रित किए और अपनी चतुराई तथा स्वतः प्रेरणा के बल पर तथा अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा को खतरे में डाल कर सड़क निर्माण

कार्य को फिर से चालू करवाया। 16 अगस्त 1966 को जब दो राज और कुछ श्रमिक मजदूर एक पुलिया पर काम कर रहे थे तो कुछ सशस्त्र विरोधी वहां आ पहुंचे और सड़क निर्माण कार्य में बाधा डालने के उद्देश्य से उन्होंने काम में लगे व्यक्तियों को भयभीत किया। एक राज पर गोली चला कर उसे मार दिया और बाकी लोग डर कर भाग गये। गोली चलने की आवाज सुनते श्री रामामूर्ति जो निःशस्त्र थे और जिनके पास अपनी सुरक्षा के कोई साधन नहीं थे घटना स्थल की ओर चल दिये। उन्होंने श्रमिकों का पुनर्गठन किया और काम को फिर से चालू करके स्वयं तब तक उसी स्थान पर डटे रहे जब तक लोगों में फिर से पूरा विश्वास स्थापित न हो गया।

इस कार्यवाही में श्री चेलिया राममूर्ति ने उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

2. श्री भोगीराम बोरा, सर्कल आर्गनाइज़र,
एस० एस० बी०, सुरक्षा महानिदेशालय।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—14 मार्च, 1969)

14 मार्च 1969 को भोगीराम बोरा जो ड्यूटी पर सफर कर रहे थे और लखीमपुर के लिए गाड़ी पकड़ने हेतु रंगीय रेलवे स्टेशन पर प्रतीक्षा कर रहे थे। एकाएक एक यात्री पागल होकर अन्य यात्रियों को छुरा मारने लगा। लगभग 21 यात्रियों को छुरा भोंकने के बाद वह महिला समूह की ओर दौड़ा और उनमें से दो को छुरा मारा। इस आतंक में लोग इधर-उधर भागने लगे और कई एक रेल के डिब्बों में घुस गये। लेकिन कुछ महिला यात्री जो न भाग सकी और न ही रेल के डिब्बों में शरण ले सकी, इस आक्रमणकारी का शिकार बन गयी। जब वह एक महिला यात्री को छुरा मारने ही वाला था कि श्री बोरा पीछे से आक्रमणकारी पर आ झपटे और आक्रमणकारी का दायां हाथ पकड़ लिया जिसमें कि वह छुरा पकड़े हुए था और उसके साथ गुत्थमगुत्था हो गये। श्री बोरा ने आक्रमणकारी को बड़ी मजबूती से पकड़ रखा था और काफी देर तक हाथापाई के बाद उसे दबा लेने में सफल हुए। तब एक ग्रामवासी ने आक्रमणकारी को निहत्था कर दिया। श्री भोगीराम बोरा ने इस वीरतापूर्ण कार्य द्वारा अपनी जान को विकट संकट में डालते हुए न केवल एक स्त्री की ही जान बचाई बल्कि अन्य यात्रियों की भी सुरक्षा की जिन पर आक्रमणकारी द्वारा छुरा घोंपने का बड़ा खतरा था।

इस कार्यवाही में श्री भोगीराम बोरा ने उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

3. 6355031 हवलदार क्लर्क रुद्र नारायण दुबे
आर्मी सर्विस कोर।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—4 मार्च, 1970)

हवलदार क्लर्क रुद्र नारायण दुबे उत्तर प्रदेश में अपने गांव परसाहवा में अपनी सालाना छुट्टी बिताने गये हुए थे। 4 और 5 मार्च के बीच की रात्रि को डाकुओं के एक गिरोह ने उनके पड़ोसी श्री सुखदेव दुबे के घर पर हमला कर दिया। अपनी सुरक्षा की परवाह न करते हुए हवलदार दुबे अपने पड़ोसी को बचाने पहुंचे और डाकुओं को ललकारा। यद्यपि डाकुओं से मुकाबला करते हुए उनकी दोनों टांगों पर गोलियों से बहुत चोटें आयीं तथापि वे उन्हें

डाका डालने से रोकने में सफल हुए। ठीक समय पर कार्यवाही करके और स्वतः प्रेरणा के बल पर उन्होंने अपने पड़ोसी के जान व माल को बचा लिया।

इस कार्यवाही में हवलदार क्लर्क रुद्र नारायण दुबे ने उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

4. श्री रंगास्वामी सुभाराया रंगास्वामी,
एक्जीक्यूटिव इंजीनियर,
जी० ओ०-339।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—20 जलाई, 1970)

20, 21 जुलाई, 1970 को अलकनन्दा में एक अभूतपूर्व भयंकर बाढ़ आई। अलकनन्दा और उसकी सहायक नदियों के चढ़ते पानी ने अनेक पुलों को बहा दिया और ऋषिकेश-जोशीमठ-माण्डा और जोशीमठ-मलारी-सुमना मार्ग को भारी नुकसान पहुंचाया। इस महत्वपूर्ण सड़क की मरम्मत का काम श्री रंगास्वामी को सौंपा गया। अलकनन्दा की बाढ़ के पानी में चमोली के पास सड़क पर 150 मीटर लम्बी दरार पड़ गई थी। पानी के तेज बहाव के कारण दरार भरने के लिए किये गये कई प्रयास सफल न होने पर श्री रंगास्वामी ने अलकनन्दा नदी के बहाव को मोड़ने का निश्चय किया। अपनी कमर से रस्सी बांध कर श्रमिकों ने इस अधिकारी के नेतृत्व में इस कार्य को पूरा किया। गोहना झील में दरार डाल देने के बाद बिरही गंगा ने पुल के नीचे बहुत गाद जमा कर दिया था और वहां से दूर जाकर बहने लगी। कार्य के महत्व को देखते हुए इस अधिकारी ने अपने आदमियों तथा सामान को नदी के पार ले जाने के लिए एक रज्जुमार्ग और पैदल चलने के लिए एक पुल के निर्माण का आदेश दिया। जोखिमों की परवाह न करते हुए श्री रंगास्वामी अपने आदमियों से धीरे धीरे एक के बाद दूसरा कार्य पूरा कराते रहे जब तक कि उनकी समस्त योजना सफल न हो गयी। इसके बाद फिर यह खबर मिलते ही कि 12, 13 अगस्त 1970 को बाढ़ के कारण भू-स्खलन में 700 फुट सड़क टूट गयी है वे रात्रि के समय तीस किलोमीटर पैदल सफर तय करके उस स्थान पर पहुंचे। इस सड़क के बन्द हो जाने से सैन्य तन्त्र की समस्याएं और विकट हो गयी। इस गम्भीर स्थिति को देखते हुए उन्होंने विद्यमान खचकर सड़क को हल्की गाड़ियों के यातायात के लिए खोल दिया। इसके साथ साथ लगातार चट्टान फिसलन क्षेत्र में एक नई सड़क बनाने की योजना को नया रूप दिया।

श्री रंगास्वामी सुभाराया रंगास्वामी ने बराबर उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

5. श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी, सब-ओवरसीयर,
जी/100128।

(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—20 जलाई, 1970)

20, 21 जुलाई 1970 को अलकनन्दा नदी में आयी अभूतपूर्व बाढ़ ने ऋषिकेश-जोशीमठ-माण्डा और जोशीमठ-मलारी मार्गों पर संचार व्यवस्था को बिल्कुल अस्तव्यस्त कर दिया। ऋषिकेश से कोई 228 किलोमीटर की दूरी पर सड़क के टूट जाने की पहली गम्भीर घटना हुई। टूटी हुई सड़क के उस पार एक सम्पर्क मार्ग बनाने के लिए यह आवश्यक था कि नदी और फिसलन क्षेत्र से होकर एक डोजर वहां पहुंचाया जाय। यह

जोखिम भरा कार्य श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी को सौंपा गया। अपने श्रमिकों एवं डोजर की सुरक्षा के लिए आवश्यक सावधानी बरतने के पश्चात् उन्होंने डोजर परिचालक को टूटी हुई सड़क पर से डोजर निकाल ले जाने का आदेश दिया। डोजर दलदल के बीच धंस गया और आगे न बढ़ सका। डोजर को बाहर निकालने के लिए श्री नेगी दस आदमियों के साथ सबले लेकर घंटनों गहरे पानी में गये। जैसे ही यह काम पूरा हुआ और डोजर ने आगे चलना शुरू किया तो अवैक्षण पार्टी ने चेतावनी दी कि डोजर की सीध में लगभग 100 फुट ऊपर से भूखण्ड गिरने वाला है। इसके पहले कि आदमी डोजर को लेकर सुरक्षित स्थान पर पहुंच पाते उन पर मलवा ऊपर से आकर गिरा। श्री नेगी तथा डोजर परिचालक सहित बहुत से आदमी घायल हो गये। घायल होने की स्थिति में भी अपनी सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए श्री नेगी मूर्छित होकर गिरने तक बराबर घायलों की सहायता में डटे रहे।

इस कार्यवाही में श्री सुरेन्द्र सिंह नेगी ने उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

6. श्री भगवान सिंह ओ० ई० एम० जी०/593201
(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—20 जुलाई 1970)

20/21 जुलाई 1970 और 12/13 अगस्त 1970 को गढ़वाल की पहाड़ियों में आई अभूतपूर्व बाढ़ के फलस्वरूप ऋषि-केश-जोशीमठ मार्ग पर 147 किलोमीटर के पास कोई 700 फुट की दूरी तक भारी भू-स्खलन हो गया था। भू-फिसलन लगातार होती रही और पत्थर और मलवा लगातार गिरने रहने से वहां कुछ करना असंभव हो गया था। श्री भगवान सिंह ने अपने डोजर से उसे साफ करने के लिए स्वेच्छा से अपनी सेवाएं अर्पित की। पत्थरों के तेजी से गिरते रहने के बावजूद भारी खतरा उठाते हुए दूसरे छोर से फिर से सम्पर्क स्थापित करने के लिए धीरे-धीरे कटाई करके उन्होंने एक नया रास्ता बनाया। पूरे दिन काम करते रहने के बाद भी उन्होंने दूसरे परिचालक को काम में हाथ न बटाने दिया और इस काम को स्वयं ही पूरा करने के लिए आज्ञा मांगी। कोई 10 दिन तक बड़ी खतरनाक स्थिति में काम करते हुए और अपनी व्यक्तिगत सुरक्षा की तनिक भी परवाह न करते हुए वह उस सड़क पर यातायात कायम करने में सफल हुए।

इस कार्यवाही में श्री भगवान सिंह ने उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

7. श्री गुरदयाल सिंह, ओ० ई० एम० जी०/257431
(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—20 जुलाई 1970)

20 और 21 जुलाई 1970 को भारी वर्षा से अलक-नन्दा और उसकी सहायक नदियों में आई अभूतपूर्व बाढ़ से ऋषि-केश जोशीमठ बद्रोनाथ और जोशीमठ मालारी मार्गों को बहुत क्षति पहुंची। जोशीमठ-मालारी मार्ग पर रेनी पुल के पास ऋषि गंगा के बाये किनारे का सम्पर्क बिल्कुल टूट गया था और नदी तल में कोई 60/70 फुट की गहराई तक गाद भर गया जिससे नदी मुड़ कर बाये किनारे की ओर बहने लगी। चूंकि बाये किनारे से जाकर

काम करने से ही नदी के बहाव को मोड़ कर पुल के नीचे से ले जाया जा सकता था और उस ओर कोई भी मशीन पहले से मौजूद न थी, अतः यह अत्यावश्यक था कि कम से कम एक डोजर ऋषि गंगा के पार पहुंचाया जाये। श्री गुरदयाल सिंह ने ब्राह्मन् नदी में से डोजर को पार ले जाने के लिए स्वेच्छा से अपनी सेवाएं अर्पित की। 25 जुलाई, 1970 को रात भर वे जल-मार्ग खोदते रहे और जब वह पूरी तरह खुल गया तो पानी एकाएक तेज गति से बहने लगा और एक बार तो ऐसी स्थिति पैदा हो गई कि डोजर बीच नदी में ही फंस गया। श्री गुरदयाल सिंह अपनी कमर के गिरद रस्सी बांध कर डोजर को सुरक्षित स्थान पर लाने में सफल हो गए। फिर 26 जुलाई 1970 को एक बजे अपराह्न जब कि डोजर उस जगह काम कर रहा था जहां दो धाराएं मिल रही थी, अपनी जान का खतरा होते हुए भी श्री गुरदयाल सिंह मशीन पर ही काम करते रहे भारी खतरे में काम करते हुए 3 बजे अपराह्न तक नदी पार निकल जाने में वे सफल हुए।

इस कार्यवाही में श्री गुरदयाल सिंह ने उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

8. श्री साधु राम नारंग, सी० ओ० ग्रेड-III, जी० ओ०-8331
(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—20 जुलाई 1970)

20/21 जुलाई 1970 को गढ़वाल की पहाड़ियों में आई अभूतपूर्व बाढ़ से जान-माल की भारी क्षति हुई। अधिकतर पुल नष्ट हो जाने तथा सड़क के कई जगह से बिल्कुल टूट जाने के कारण मार्ग संचार व्यवस्था बिम्बुल अन्त-व्यस्त हो गई थी। मुख्य स्थान से तीव्र गति के साथ संचार व्यवस्था के पुनर्स्थापन के लिए आवश्यक था कि मालारी-सुमना क्षेत्र से उपलब्ध सभी साधनों को ऋषि-केश जोशीमठ-बद्रोनाथ सैक्टर में लाया जाए। इस ध्येय की पूर्ति के लिए श्री साधु राम नारंग को यह काम सौंपा गया कि वे अपनी पायनीर कम्पनी को मालारी-सुमना सैक्टर से हटाकर ऋषि-केश-जोशीमठ बद्रोनाथ सैक्टर में लगा दें। इस अधिकारी ने साधनों को वहां तक पहुंचाने का कार्य सांघात्मिक आधार पर आयोजित किया और अपने कठिन परिश्रम, कर्तव्यपरायणता तथा नेतृत्व से अपने साथ काम करने वालों को प्रेरित किया, जो कमर में रस्सियां बांधे काम कर रहे थे और तूफान से उमड़ती हुई नदी में धीरे-धीरे आगे बढ़ रहे थे और श्री नारंग सौंके पर मार्ग दर्शन कर रहे थे जब तक सब काम करने वाले नदी को पार करके सुरक्षित स्थान तक नहीं पहुंच गये तब तक वे वही डटे रहे। फिर उन्होंने इसी विधि से अपने साथियों को गहरी तग घाटियों और मार्ग अवरोधों के पार कराया और एक सप्ताह से भी कम समय में अपने ध्येय की प्राप्ति में सफल हुए।

इस कार्यवाही में श्री साधु राम नारंग ने उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

9. श्री प्रेम सिंह, पायनीर, जी०/725481
(पुरस्कार की प्रभावी तिथि—20 जुलाई 1970)

20 जुलाई 1970 की अपराह्न को बिराही-बेलाकूची-जोशीमठ क्षेत्र में अभूतपूर्व बाढ़ आई। वायरलेस सहित सारी संचार व्यवस्था अस्त-व्यस्त हो गई, सड़क टूट-फूट गई और

सभी मुख्य पुल बह गए। संदेश वाहक द्वारा ही इस दुर्घटना की सूचना भेजी जा सकती थी। 21 जुलाई 1970 को डेढ़ बजे अपराह्न श्री प्रेम सिंह को इस जख्मी संवेण को भारवाड़ी में टास्क फॉर्म हेडक्वार्टर पहुंचाने का कार्य सौंपा गया। श्री प्रेम सिंह ने दिन-रात पैदल चल कर और अपनी सुरक्षा की तनिक परवाह न कर यह फासला तय किया। अधिकतर पुल बह गये थे और कोई सों से ऊपर स्थानों पर भारी भू-स्खलन हो रहा था और बाढ़ से उमड़ते हुए नालों, कीचड़ वाली सीधी ढलानों और गहरी तंग घाटियों में से गुजरना था। यदि इस कार्य को वह पूर्ण संकल्प हो कर बड़े साहस से न करते तो सूचना को वहां तक पहुंचाना सम्भव न था।

इस कार्यवाही में श्री प्रेम सिंह ने उच्च कोटि की वीरता का परिचय दिया।

पे० ना० कृष्णमणि
राष्ट्रपति के संयुक्त
सचिव

22. श्री सोमचंद सोलंकी
23. श्री सी० एम० स्टीफन
24. श्री कुमारेंडी सूर्यनारायण
25. श्री चैकटराव नारीडकर
26. श्री के० एन० निवारी
27. श्री कृष्णराय शर्कर
28. श्री एन० तोम्बा सिंह
29. श्री नानजीभाई रावजीभाई शेकारिया
30. श्री नगेन्द्र प्रसाद यादव

एम० एम० मुन्देशन,
उप-सचिव

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली-1, दिनांक 3 जुलाई 1971

नियम

सं० 32/7/71-स्थापना (ड०)---निम्नलिखित सेवाओं में ग्रेड-1 की रिक्तियों को भरने के लिये 1972 में संघ लोक सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली प्रतियोगिता परीक्षा के नियम आम जानकारी के लिये प्रकाशित किये जा रहे हैं:—

- (1) भारतीय आर्थिक सेवा, और
- (2) भारतीय मांख्यकीय सेवा

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती की जाने वाली रिक्तियों की संख्या का उल्लेख आयोग के द्वारा निकाली गई सूचना में किया जायेगा। अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिये आरक्षण भारत सरकार द्वारा निश्चित संख्या के अनुसार किया जायेगा।

अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों से अभिप्राय निम्नांकित में उल्लिखित जातियों/आदिम जातियों से किसी एक से है, अर्थात् संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जातियां) (भाग ग राज्य) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (भाग ग राज्य) आदेश, 1951, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960 के साथ पठित अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों (सूचियों का संशोधन) आदेश 1956 द्वारा यथा संशोधित और पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966; संविधान (जम्मू और काश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956 संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1959, संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962 संविधान (दादरा और नगर हवेली) अनुसूचित आदिम जातियां आदेश, 1962 और संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964 संविधान (अनुसूचित आदिम जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967, संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968.

लोक-सभा सचिवालय

(प्राक्कलन समिति शाखा-बो)

नई दिल्ली, दिनांक 19 जून 1971

सं० 3/1/ई० सी० बी०/71---लोक-सभा के निम्नलिखित सदस्य, 30 अप्रैल, 1972 को समाप्त होने वाली कार्यवाही के लिए, प्राक्कलन समिति के सदस्य निर्वाचित किये गये हैं:—

1. श्री मगन्ति अकिनीडु
2. श्री अमर हसन
3. श्री अजीज इमाम
4. श्री हेमेश्वर सिंह बनेरा
5. श्री नरेन्द्र सिंह बिष्ट
6. श्री ए० दुराईराय
7. श्री कृष्ण चन्द्र हल्दर
8. श्री ए० के० एम० इसहाक
9. श्री था० किरतिनन
10. श्री लालाधर कटकी
11. श्री के० लक्ष्मी
12. श्री जी० एस० मिश्र
13. श्री पीलू मोदी
14. श्री मोहन स्वरूप
15. श्री डी० के० पंडा
16. श्री एस० बी० पाटिल
17. श्री टी० ए० पाटिल
18. श्री शिवन लाल सक्सेना
19. डा० हरिप्रसाद शर्मा
20. श्री राम रतन शर्मा
21. श्री शिव कुमार शाली

संविधान (गोवा, दमन और दीव) अनुसूचित आदिम जातियों आदेश, 1968 और संविधान (नागालैण्ड) अनुसूचित आदिम जातियों, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग यह परीक्षा नियमों के परिशिष्ट II में विहित रीति से लेगा।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा नियत किये जायेंगे।

4. उम्मीदवार को या तो :—

- (क) भारत का नागरिक होना चाहिये, या
- (ख) सिक्किम की प्रजा, या
- (ग) नेपाल की प्रजा, या
- (घ) भूटान की प्रजा, या
- (ङ) ऐसा निम्नलिखित शरणार्थी जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से 26 जनवरी 1950 से पहले भारत आ गया हो, या
- (च) मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, जो भारत में स्थायी रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, लंका और पूर्वी अफ्रीका के कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टैजानिया (भूतपूर्व टैजानिया और जंजीबार) देशों से आया हो।

परन्तु ऊपर की (ग), (घ) और (च) कोटियों के अंतर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा दिया गया पत्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण-पत्र होना चाहिए।

परीक्षा में उस उम्मीदवार को भी बैठने दिया जा सकता है जिसके लिए पत्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हों और उसे सरकार द्वारा आवश्यक प्रमाण-पत्र दिये जाने की शर्त के साथ, अंतिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है।

5. (क) इस परीक्षा में बैठने वाले उम्मीदवार के लिये आवश्यक है कि उसकी आयु 1 जनवरी 1972 को 21 वर्ष की पूरी हो गई हो किन्तु 26 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 जनवरी 1946 से पहले और 1 जनवरी 1951 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपर निर्धारित ऊपरी आयु-सीमा में छूट दी जा सकती है :—

- (1) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक-से-अधिक पांच वर्ष;
- (2) यदि उम्मीदवार पूर्वी पाकिस्तान से 2 जनवरी 1964 को या उसके बाद भारत में आया वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष;
- (3) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और वह 1 जनवरी 1964 को या उसके बाद पूर्वी पाकिस्तान से आया वास्तविक

विस्थापित व्यक्ति हो तो तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष;

- (4) यदि उम्मीदवार संघ राज्य क्षेत्र पांडिचेरी का निवासी हो तथा उसने कभी फ्रांसीसी या माध्यम से शिक्षा प्राप्त की हो तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष;
- (5) यदि उम्मीदवार अक्टूबर, 1964 के भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद, श्रीलंका से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष;
- (6) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही अक्टूबर 1964 से भारत-श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर 1964 को या उसके बाद श्रीलंका से वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित होकर भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति भी हो तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष;
- (7) यदि उम्मीदवार गोवा, दमन और दीव के संघ राज्य क्षेत्र का निवासी हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष;
- (8) यदि उम्मीदवार कीनिया, उगांडा, तथा संयुक्त गणराज्य टैजानिया (भूतपूर्व टैजानिया तथा जंजीबार) से आया मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष;
- (9) यदि उम्मीदवार 1 जून 1963 को या उसके बाद, बर्मा से वास्तव में प्रत्यावर्तित होकर, भारत में आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक तीन वर्ष;
- (10) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित आदिम जाति का हो और साथ ही 1 जून 1963 को या उसके बाद, बर्मा से प्रत्यावर्तित होकर, भारत आया हुआ मूल रूप से भारतीय व्यक्ति हो, तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष;
- (11) यदि उम्मीदवार रक्षा सेवाओं में किसी बाह्य देश के साथ संघर्ष में या विशुद्ध क्षेत्र में सैनिक कार्रवाई के समय विप्लव होकर नियुक्त हुआ सैनिक हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष; और
- (12) यदि उम्मीदवार रक्षा सेवाओं में किसी बाह्य देश के साथ संघर्ष में या विशुद्ध क्षेत्र में सैनिक कार्रवाई के समय विप्लव

होकर निर्युक्त हुआ सैनिक हो और अनुसूचित जाति/अनुसूचित आदिम जाति का हो तो अधिक-से-अधिक आठ वर्ष।

उपर्युक्त परिस्थितियों को छोड़कर निर्धारित आयु सीमा में किसी में छूट नहीं दी जायेगी।

6. (क) भारतीय आर्थिक सेवा के लिये उम्मीदवार के पास परिशिष्ट-I में उल्लिखित किसी विश्वविद्यालय की अर्थ-शास्त्र या सांख्यिकी विषय सहित उपाधि होनी चाहिए।

(ख) भारतीय सांख्यिकीय सेवा के लिए उम्मीदवार के पास परिशिष्ट-I में उल्लिखित किसी विश्वविद्यालय की सांख्यिकी या गणित या अर्थ-शास्त्र विषय सहित उपाधि होनी चाहिए, अथवा उसके पास परिशिष्ट-I में उल्लिखित अर्हताओं में से कोई एक अर्हता होनी चाहिए।

टिप्पणी (1) यदि कोई उम्मीदवार किसी ऐसी परीक्षा में बैठ चुका हो जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर वह इस परीक्षा में बैठ सकता है पर अभी उसे परीक्षा परिणाम की सूचना न मिली हो तो ऐसी स्थिति में वह उस परीक्षा में बैठने के लिए आवेदन कर सकता है। जो अभ्यार्थी इस प्रकार की अर्हता परीक्षा (क्वालीफाइंग एक्जामीनेशन) में बैठना चाहता हो, वह भी आवेदन कर सकता है बशर्ते कि वह अर्हता परीक्षा इस परीक्षा के आरम्भ होने से पहले समाप्त हो जाये, ऐसे उम्मीदवारों को यदि वे अन्य शर्तें पूरी करते हों तो इस परीक्षा में बैठने दिया जायेगा। परन्तु परीक्षा में बैठने की अनुमति अन्तिम मानी जायेगी और यदि वे अर्हता परीक्षा में उत्तीर्ण होने का प्रमाण जल्दी से जल्दी और हर हालत में इस परीक्षा के आरम्भ होने की तारीख से अधिक-से-अधिक 2 महीने के भीतर प्रस्तुत नहीं करते, तो यह अनुमति रद्द की जा सकती है।

टिप्पणी (2) विशेष परिस्थितियों में, संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश का पात्र माना जा सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई भी अर्हता न हो बशर्ते कि इस अभ्यार्थी के अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित कोई ऐसी परीक्षाएं पास की हो जिनके स्तर को देखते हुए आयोग उसको परीक्षा में प्रवेश देना उचित समझे।

टिप्पणी (3) यदि कोई उम्मीदवार अन्यथा परीक्षा में प्रवेश का पात्र हो किन्तु उसने ऐसे विदेशी विश्वविद्यालय से उपाधि ली हो जो परिशिष्ट-I में सम्मिलित न हो तो वह भी आयोग को आवेदन कर सकता है और आयोग यदि उचित समझे तो उसे परीक्षा में प्रवेश दे सकता है।

7. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के परिशिष्ट-I में निर्धारित शुल्क अवश्य देना होगा।

8. जो उम्मीदवार स्थायी या अस्थायी रूप में पहले से ही सरकारी सेवा करता हो, उसे इस परीक्षा में बैठने से

पहले अपने विभाग के अध्यक्ष की अनुमति अवश्य लेनी होगी।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

10. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जायेगा, जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टीफिकेट आफ एडमिशन) नहीं होगा।

11. यदि कोई उम्मीदवार किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिये पैरवी करेगा तो उसे परीक्षा में बैठने के लिये अयोग्य घोषित कर दिया जायेगा।

12. यदि किसी उम्मीदवार को आयोग ने किसी दूसरे व्यक्ति के परीक्षा दिलवाने अथवा जाली या फेर-बदल किये हुए प्रमाण-पत्र पेश करने अथवा गलत या झूठा तथ्य प्रस्तुत करने अथवा किसी तथ्य को छिपाने या परीक्षा में सम्मिलित होने के लिये कोई अन्य अनियमित या अनुचित उपाय अपनाने या अपनाने की चेष्टा करने अथवा परीक्षा भवन में किसी तरह का अनुचित आचरण करने के फलस्वरूप अपराधी घोषित किया है तो उसके विरुद्ध दण्डिक अभियोजन के अतिरिक्त निम्नलिखित कार्रवाई की जा सकती है:—

(क) सदा के लिये अथवा किसी विशेष अवधि के लिये परीक्षा से वरित किया जाना:—

(1) आयोग द्वारा उम्मीदवारों के लिये आयोजित किसी परीक्षा में सम्मिलित होने अथवा किसी साक्षात्कार में उपस्थित होने से, और

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा सरकार के अन्तर्गत नौकरियों के लिए।

(ख) यदि वह पहले से ही सरकार की सेवा में हो तो उचित नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्रवाई की जा सकती है।

13. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अर्हता अंक (क्वालीफाइंग मार्क्स) प्राप्त कर लेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करे, तो उसे आयोग मौखिक परीक्षा के लिए बुलायेगा।

14. परीक्षा के बाद आयोग उम्मीदवारों को द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा उनकी इन रिक्तियों पर नियुक्तियों करने के लिए सिफारिश की जायेगी। वह भर्ती आरक्षित रूप से न होकर उस परीक्षा के परिणाम के आधार पर होगी।

लेकिन शर्त यह है कि यदि स्तर के आधार पर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के लिए आरक्षित पद नहीं भरे जा सकता है तो आरक्षित कोटे को पूरा करने के लिए, स्तर में छूट देकर अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों को नियुक्त करने के लिए, सेवा के लिए योग्य होने पर, परीक्षा की योग्यता-सूची में उनकी श्रेणी को ध्यान में रखे बिना ही आयोग द्वारा सिफारिश की जा सकती है।

15. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षा-फल की सूचना किसी रूप में और किस प्रकार दी जाय, उसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षा-फल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पत्राचार नहीं करेगा।

16. यदि कोई उम्मीदवार दोनों सेवाओं के लिए प्रति-योगिता परीक्षा में बैठ रहा हो, तो उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन पत्र देने समय व्यक्त अधिमान-क्रम (प्रेफरेंस) के अनुसार उस पर उचित रूप से विचार किया जायेगा।

17. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति का अधिकार तब तक नहीं मिलेगा जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाये कि उम्मीदवार सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

18. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वास्थ्य होना चाहिये, और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिससे वह सम्बंधित सेवा में अधिकारों के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलता पूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्धारित शारीरिक परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह ज्ञात हो कि वह इन आवश्यकताओं को पूरा नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जायेगी। आयोग द्वारा मौखिक परीक्षा के लिए बुलाया गया कोई उम्मीदवार शारीरिक परीक्षा की जांच करवाने के लिए अपेक्षित होगा।

नोट:—बाद में निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिये आवेदन पत्र भेजने से पहले सिविल-सर्जन के स्तर के सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों की किस प्रकार की डाक्टर की जांच होगी उसके लिये स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिये, इसके ब्योरे इन नियमों के परिशिष्ट में दिये गये हैं। रक्षा सेवाओं में विकलांग हुए भूतपूर्व सैनिकों के लिए स्वास्थ्य-स्तर में सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुसार छूट दी जायेगी।

19. (क) जिसने ऐसी महिला/ऐसे पुरुष से विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो जिसका पति/जिसकी पत्नी जीवित हो अथवा

(ख) जिसने जीवित पत्नी/पति के होते हुए किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो वह उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा/होगी।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसा विवाह उस व्यक्ति पर अथवा जिसमें विवाह किया गया हो उस पर लागू होने वाले वैयक्तिक कानून के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के अन्य कारण हैं तो ऐसे व्यक्ति को ऐसे कानून से छूट दे सकती है।

20. इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं के लिये भर्ती की जा रही है उनका संक्षिप्त व्यौरा परिशिष्ट-3 में दिया गया है।

के० वी० महर्बिगम, अवर सचिव

परिशिष्ट—1

भारत सरकार द्वारा अनुमोदित विश्वविद्यालयों की सूची
(नियम 6 के अनुसार)

भारतीय विश्वविद्यालय

कोई भी ऐसा विश्वविद्यालय जो भारत के केन्द्रीय या राज्य विधान मण्डल के अधीन नियम से नियमित किया गया हो अथवा विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम 1956 की धारा 3 के अन्तर्गत विश्वविद्यालय मान लिये जाने की घोषणा की जा चुकी है।

बर्मा के विश्वविद्यालय

रंगून विश्वविद्यालय

मांडले विश्वविद्यालय

इंग्लैंड और वेल्स के विश्वविद्यालय

बर्मिंघम, ब्रिस्टल, कैम्ब्रिज, उड्में, लीड्स, लिबरपूल, लंदन, मंचेस्टर, ऑक्सफोर्ड, रीडिंग, शफील्ड और ब्रैक्स के विश्वविद्यालय।

स्काटलैंड के विश्वविद्यालय

एवरडीन, एडिनबरा, ग्लारगो और सेंट एन्ड्रूगंज विश्व-विद्यालय।

आयरलैंड के विश्वविद्यालय

डब्लिन विश्वविद्यालय (ट्रिनिटी कालेज) आयरलैंड नेशनल विश्वविद्यालय क्वीन्स विश्वविद्यालय, बेलफास्ट।

पाकिस्तान विश्वविद्यालय

पंजाब विश्वविद्यालय

ढाका विश्वविद्यालय

सिंध विश्वविद्यालय

राजशाही विश्वविद्यालय

नेपाल के विश्वविद्यालय

त्रिभुवन विश्वविद्यालय, काठमाण्डू।

केवल भारतीय सांख्यिकीय सेवा की परीक्षा में बैठने के लिये मान्यता प्राप्त अर्हताओं की सूची [नियम 6 (ब) के अनुसार]

(1) भारतीय सांख्यिकी संस्थान,

कलकत्ता का संख्याविद-डिप्लोमा

(स्टेटिस्टीशियन डिप्लोमा) और

(2) भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली के

भारतीय कृषि अनुसंधान सांख्यिकीय संख्या का

व्यावसायिक संख्याविद प्रमाण-पत्र

(प्रोफेशनल स्टेटिस्टीशियन सर्टिफिकेट)

परिशिष्ट—2

खण्ड—1

लिखित परीक्षा की रूपरेखा

भारतीय अर्थ सेवा और भारतीय सांख्यिकीय सेवा की परीक्षा के विषय:—

(क) लिखित परीक्षा :—

(1) निम्नलिखित खण्ड-2 के उप-खण्ड क्रमशः (क),

(ख) और (ख) (ब) में दिये गये अनिवार्य विषय जिनके अधिकतम अंक 700 होंगे।

- (2) निम्नलिखित खण्ड-2 उप-खण्ड क्रमशः (क) (ख) और (ख) (ब) में दिये गये ऐच्छिक विषयों में से चुने गये विषय। प्रत्येक सेवा के उम्मीदवार उन उप-खण्डों के उपबन्ध के अधीन 400 अंक तक के ऐच्छिक विषय ले सकते हैं।

(ख) मौखिक-परीक्षा:—[इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग (ख) को देखिये] उन उम्मीदवारों की जिनको आयोग बुलाये, के लिये अधिकतम 250 अंक होंगे।

खण्ड—2

परीक्षा के विषय

(क) भारतीय अर्थ सेवा :

(अ) अनिवार्य विषय देखिये [ऊपर खण्ड I का उप-खण्ड (क) का खण्ड (1) को]

(1) सामान्य अंग्रेजी	150
(2) सामान्य ज्ञान	150
(3) अर्थशास्त्र-1	200
(4) अर्थशास्त्र-2	200

(अ) ऐच्छिक विषय देखिये [ऊपर खण्ड के उपखण्ड (क) (2) को]

(1) तुलनात्मक आर्थिक विकास	200
(2) द्रव्य तथा लोक-वित्त	200
(3) ग्राम अर्थशास्त्र तथा सहकारिता	200
(4) अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र	200
(5) सांख्यिकी-1	200
(6) सांख्यिकी-2	200
(7) गणितीय अर्थ-शास्त्र तथा अर्थमिति	200
(8) नमूना सर्वेक्षण	200
(9) औद्योगिक अर्थशास्त्र	200
(10) व्यापार के सिद्धांत	200
(11) व्यवसाय वित्त तथा अभ्यास	200
(12) व्यवसायिक प्रबन्ध तथा वाणिज्य नियम	200

शर्त यह है कि किसी उम्मीदवार को 'अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र' (4) और व्यापार के सिद्धांत तथा अभ्यास (10) दोनों विषय चुनने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

इस विषय में निम्नलिखित पांच शाखाओं में से प्रत्येक पर भिन्न-भिन्न प्रश्न-पत्र होंगे, अर्थात्:—(1) औद्योगिक सांख्यिकी, सांख्यिकीय गुण नियंत्रण सहित, (2) आर्थिक सांख्यिकी, (3) शैक्षिक सांख्यिकी, (4) जनन सांख्यिकी, तथा (5) जन्म-मरण और जन्म-मरण सांख्यिकी। इन में उम्मीदवार को किन्हीं दो का चुनाव करना है। प्रत्येक प्रश्न पत्र के लिये अधिकतम अंक 100 होंगे।

(ख) भारतीय सांख्यिकीय सेवा

(ख) अनिवार्य विषय [ऊपर खण्ड-1 के उप-खण्ड 1 के उप-खण्ड (क) (1) को देखिये]।

पूर्णांक

(1) सामान्य अंग्रेजी	150
(2) सामान्य ज्ञान	150
(3) सांख्यिकी-1	200
(4) सांख्यिकी-2	200
(क) ऐच्छिक विषय [ऊपर खण्ड 1 के उप-खण्ड (क) (2) को देखिए]।	
(1) अग्रवती संभावितता तथा यादृच्छिक प्रक्रिया	200
(2) सांख्यिकीय अनुमिति	200
(3) प्रयोगात्मक आयेकलप	200
(4) नमूना सर्वेक्षण	200
(5) अर्थ शास्त्र-1	200
(6) अर्थ-शास्त्र-2	200
(7) गणितीय अर्थशास्त्र तथा अर्थमिति	200
(8) तुलनात्मक आर्थिक विकास	200
(9) शुद्ध गणित-1	200
(10) शुद्ध गणित-2	200
(11) शुद्ध गणित-3	200
(12) अनुप्रयुक्त गणित	200

इस विषय में निम्नलिखित पांच शाखाओं में से प्रत्येक पर भिन्न-भिन्न प्रश्न-पत्र होंगे, अर्थात् (1) आद्योगिक सांख्यिकी (2) आर्थिक सांख्यिकी (3) शैक्षिक सांख्यिकी (4) जनन सांख्यिकी तथा (5) जन्म-मरण और जन्म-मरण सांख्यिकी। इनमें से उम्मीदवार को किन्हीं दो का चुनाव करना है। प्रत्येक प्रश्न-पत्र के लिये अधिकतम 100 अंक होंगे।

नोट:—इस खण्ड में दिये हुए विषयों का पाठ्य विवरण और स्तर इस परिशिष्ट अनुसूची के भाग (क) में किया गया है।

खंड (3)

- सभी प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में ही लिखने होंगे।
- सांख्यिकी-2 को छोड़ कर उपर्युक्त खंड 2 में दिये गये प्रत्येक विषय प्रश्न-पत्र के लिये 3 घण्टे का समय दिया जायेगा। सांख्यिकी-2 में इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग (क) की मद (आइटम) 6 पर इस विषय के नीचे दिये गये नोट के अनुसार डेढ़-डेढ़ घण्टे के पांच प्रश्न-पत्र होंगे।
- उम्मीदवारों को प्रश्नों का उत्तर अपने हाथ से लिखना होगा। उन्हें किसी भी हालत में सख्की ओर से उत्तर लिखाने के लिये किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जायेगी।
- आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है।

5. भारतीय आर्थिक सेवा के लिये केवल उन्हीं उम्मीदवारों के दो ऐच्छिक प्रश्न-पत्रों तथा निम्नलिखित अनिवार्य विषयों, अर्थात् सामान्य अंग्रेजी तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों को जांचा और अंकित किया जायेगा जो लिखित परीक्षा के अर्थशास्त्र-1 और अर्थशास्त्र-2 विषयों में एक निश्चित न्यूनतम स्तर प्राप्त करेंगे, जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय से निर्धारित किया जायेगा।

भारतीय सांख्यिकीय सेवा के लिये केवल उन्हीं उम्मीदवारों के दो ऐच्छिक प्रश्न-पत्रों तथा निम्नलिखित अनिवार्य विषयों, अर्थात् सामान्य अंग्रेजी तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों को जांचा और अंकित किया जायेगा जो लिखित परीक्षा के सांख्यिकीय-1 और सांख्यिकीय-2 विषयों में एक निश्चित न्यूनतम स्तर प्राप्त करेंगे जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय से निर्धारित किया जायेगा।

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल नम्बरों में से कुछ नम्बर काट लिये जायेंगे।

7. अनावश्यक ज्ञान के लिये नम्बर नहीं दिये जायेंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जायेगा कि अभिव्यक्ति कम-से-कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग और ठीक ठीक की गई हो

9. उम्मीदवारों से तोल और माप की मीट्रिक प्रणाली की जानकारी की आशा की जाती है। प्रश्नों के उत्तर जहाँ कहीं ऐसा आवश्यक हो, तोल और माप की मीट्रिक का ही उपयोग किया जाये।

अनुसूची

(भाग-क)

अंग्रेजी भाषा तथा सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्रों का स्तर वही होगा जिसकी भारतीय विश्वविद्यालय के स्नातक से अपेक्षा की जा सकती है।

अन्य विषयों के प्रश्न पत्र किसी भारतीय विश्वविद्यालय के संबद्ध व्यवस्थाओं के अंतर्गत 'मास्टर' डिग्री परीक्षा स्तर के होंगे। उम्मीदवारों से तथ्यों द्वारा सिद्धांत की व्याख्या करने और सिद्धांतों द्वारा समस्याओं का विश्लेषण करने की अपेक्षा की जाएगी उनसे अर्थशास्त्र सांख्यिकी के क्षेत्र (क्षेत्रों) में भारतीय समस्याओं से संबंधित विशेष रूप से निपुणता की अपेक्षा की जाएगी।

1. सामान्य अंग्रेजी

उम्मीदवारों को अंग्रेजी भाषा में एक निबंध लिखना होगा। अन्य प्रश्न उम्मीदवारों की अंग्रेजी संबंधी योग्यता एवं अंग्रेजी शब्दों के सामान्य प्रयोग की जांच करने के लिए रखे जाएंगे। साधारणतया सारांश अथवा सारलेखा के लिए गद्यांश रखे जायेंगे।

2. सामान्य ज्ञान

इस प्रश्न-पत्र के दो भाग होंगे:—

पहले भाग में उम्मीदवारों से ये प्र० प० पूछे जाएंगे, जिनमें समय कि घटनाओं का और दिन-प्रतिदिन

देखी और अनुभव की जाने वाली बातों के वैज्ञानिक पक्ष का ऐसा ज्ञान सम्मिलित है जिसकी किसी ऐसे शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है जिसने वैज्ञानिक विषयों का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न-पत्र में भारतीय इतिहास और भूगोल के ऐ-प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही आना चाहिए।

दूसरे भाग में ऐसे प्रश्न पूछे जाएंगे जिनके द्वारा उम्मीदवारों की तथ्यों और आंकड़ों का प्रयोग करने तथा उनके तर्क संगत निष्कर्ष निकालने, जटिलताओं को प्रत्यक्ष जान लेने की योग्यता एवं महत्वपूर्ण और कम महत्वपूर्ण के बीच अंतर करने की योग्यता की जांच की जा सके।

3. अर्थ-शास्त्र

क्षेत्र तथा वित्तियां

सामान्य विश्लेषण

उपभोक्ता की मांग का सिद्धांत। तटस्थ वक्र रेखाओं का विश्लेषण। अधिमान संबंधी विचार धाराएं। उपभोक्ता की बचत। उत्पत्ति के सिद्धांत। उत्पत्ति के कारक। उत्पत्ति-फलन। उत्पत्ति के नियम। फर्म तथा उद्योग के अंतर्गत सामय।

विभिन्न प्रकार के बाजार संगठनों में मूल्य निर्धारण। समाजवादी अर्थ व्यवस्था में मूल्य निर्धारण। मिश्रित अर्थव्यवस्था में मूल निर्धारण।

लोकोपयोगी सेवाएं:—लोकोपयोगिताओं की आर्थिक विशेषताएं लोकोपयोगिताओं में मूल्य निर्धारण, लोकोपयोगिताओं का नियमन।

वितरण का सिद्धांत। उत्पत्ति कारकों का मूल्य निर्धारण, लगान, मजदूर, व्याज तथा लाभ के सिद्धांत। समष्टि-वितरण सिद्धांत। राष्ट्रीय आय में मजदूरी का भाग। लाभ और आर्थिक प्राप्ति। आय वितरण में असमानताएं।

रोजगार और उत्पादन का सिद्धांत:—बलास्किल तथा नव-बलास्किल विचार धाराएं। कीन्स का रोजगार सिद्धांत। कीन्स के बाद के सिद्धांत।

आर्थिक उतार-चढ़ाव। व्यापार चक्रों के सिद्धांत। व्यापार चक्रों को नियंत्रित करने के लिए वित्तीय तथा मीट्रिक नीतियां। कल्याणकारी अर्थशास्त्र—कल्याणकारी अर्थशास्त्र का क्षेत्र, बलास्कि-कल तथा नव-बलास्किल विचार धाराएं; नवीन कल्याणकारी अर्थशास्त्र तथा क्षतिपूर्ति के सिद्धांत; अनुमूल्यम दशाएं, नीति संबंधी बाधाएं।

4. अर्थ-शास्त्र-II

आर्थिक विकास की संकल्पना तथा उसका माप दंड। सामाजिक लेखे: राष्ट्रीय आय के लेखे। निधि-प्रवाह का लेखा, विविष्ट-निपज का लेखा। सामाजिक विचार-धाराएं तथा आर्थिक विकास।

विकासोन्मुखी अर्थव्यवस्थाओं की विशेषताएं तथा समस्याएं। जनसंख्या की वृद्धि तथा आर्थिक विकास।

आर्थिक विकास के सिद्धांत। विकास के प्रतिमान :

आयोजन—संकल्पना तथा विधियां। समाजवादी तथा पूंजीवादी आर्थिक संगठन के आयोजन। मिश्रित अर्थव्यवस्था में आयोजन। ठोस आयोजन। क्षेत्री आयोजन। विनियोग के सिद्धांत तथा पद्धतियों का चयन; लागत लाग विश्लेषण। योजना माडल।

भारत में आयोजन। आयोजन को प्रारंभ। पंचवर्षीय योजनाएं। उद्देश्य तथा पद्धतियां। संस्थापनों की गतिशीलता, प्रशासन तथा जन-सहयोग। मौद्रिक और वित्तीय नीतियों का योगदान; मुख्य नीति, नियंत्रण तथा बाजार-विन्यास। व्यापार नीति तथा भुगतान संतुलन। सार्वजनिक उद्यमों का योगदान।

5. सांख्यिकी

विभिन्न प्रकार के सांख्यिकीय सन्निकटन, परिमित अंतर, प्रमान अंतर्वेशन-सूत्र तथा परिशुद्धताएं, प्रतिलोभ अंतर्वेशन। अवकलन और समाकलन की सांख्यिकीय विधियां।

समाविता की परिभाषा-ब्रालांसिकल मत, स्वयं-सिद्ध मत। प्रतिचयन अवकाश। पूर्ण एवं मिश्रित समाविता का सिद्धांत। प्रतिबंधी समाविता। स्वतंत्र घटनाएं। बार्ड का सूत्र। यादृच्छिक चर, संभावितता अंश; मणितीय प्रत्याशा। घूर्णजनक फलन तथा लक्षण फलन: प्रतिलचम प्रमेय। टेवीक्रेव की असमता। प्रतिबंधित बंटन। बृहत् संस्थाओं के नियम तथा केन्द्रीय सीमिति प्रमेय।

प्रमाप बंटन: द्विपद, प्यासे, प्रसामान्य, आयताकार, पातीय, विलोम द्विपद, अतिगुणोत्तर, कोणी, लाप्लास, बीटा तथा नामा बंटन। द्विचर तथा बहुचर प्रसामान्य बंटन।

बृहत् और सूक्ष्म प्रतिचयन सिद्धांत:—अनंत स्पर्शीय प्रतिचयन बंटन तथा बृहत् प्रतिचयन परीक्षण। प्रमाप प्रतिचयन बंटन जैसे टी, एक्स-2, एफ० तथा उन पर आधारित सार्थकता-परीक्षण। सहाचर्य तथा आसंग सारिणियों का विश्लेषण।

सह-संवन्ध गुणांक तथा उसका बंटन; फिशर का 'जेड' स्पांतरण गुणांक।

समाव्रयण: आसंजन रेला बहुपद; अनेकवा सामाव्रयण तथा अनेकवा सह-संबंध गुणांक-रिक्करणीय मामलों में सनका बंटन। अन्तर्वर्गीय सह-संबंध। वर्स आसंजन तथा लम्ब कोणीय बहुपद।

प्रसरण विश्लेषण। एक घातीय प्रावकलन का सिद्धांत। अंतर्क्रिया प्रभाग सहित दिक् वर्गीकरण। सहप्रसरण विश्लेषण। प्रयोग अभिकल्पना के मूल सिद्धांत। सामान्य अभिकल्पनाओं का अभिन्यास तथा विश्लेषण जैसे यादविकीकृत खंड तथा लेटिन वर्ग-चित। उपादानाय प्रयोग तथा संकरण लुप्त क्षेत्र संख विभि।

प्रतिचयन विधियां:—प्रतिस्थापन युक्त तथा प्रतिस्थापन रहित सरल यादृच्छ प्रतिचयन। समाव्रयण तथा अनुपात प्रावकलन सामूहिक प्रतिचयन, बहुक्रम प्रतिचयन तथा व्यवस्थित प्रतिचयन त्रुटियां।

प्रावकलन:—मूल संक: भनाएं। एक अच्छे प्रावकलन की विशेषताएं। बिन्दु प्रावकलन तथा अंतराल प्रावकलन अधिकतम संभावित प्रावकलन तथा उनके गुणधर्म।

परिकल्पनाओं के परीक्षण। सांख्यिकीय परिकल्पनाएं:—सरल तथा संयुक्त परिकल्पना। सांख्यिकीय परीक्षण की संकल्पना। त्रुटियों के दो प्रकार। धात फलन। संभावितता अनुपात परीक्षण। विश्वास अंतराल प्रावकलन। अनुकूलतम विश्वास परिबंध।

असमष्टीय परीक्षण जैसे संबंध परीक्षण, माध्यिका परीक्षण तथा चाल परीक्षण। सरल विकल्पना के विपरित सरल परिकल्पना परीक्षण के लिए बाल्डका अनुक्रमिक संभावित अनुपात परीक्षण। 'ओपी' तथा 'ए० एस० एन०' फलन तथा उनके सन्निकटन।

6. सांख्यिकी II

नोट:—इस विषय में निम्नलिखित पांच शाखाओं में से प्रत्येक पर भिन्न भिन्न प्रश्न पत्र होंगे, अर्थात् (I) औद्योगिक सांख्यिकी, सांख्यिकीय गुण नियंत्रण सहित (II) आर्थिक सांख्यिकी (III) शैक्षिक सांख्यिकी (I) जनन सांख्यिकी तथा () जन्मविद्या और जन्म-मरण सांख्यिकी।

जो उम्मीदवार इस विषय को अनिवार्य या ऐच्छिक विषय के रूप लेंगे उन्हें उपर्युक्त किन्हीं दो का चुनाव करना होगा, जिसको उन्हें अपने प्रार्थना पत्र में बताना होगा। एक बार प्रश्न पत्र चुनने के बाद परिवर्तन की अनुमति प्रदान नहीं की जायेगी।

(I) सांख्यिकी प्रकार नियंत्रण सहित औद्योगिक आंकड़े—

उद्योग के अंतर्गत प्रकार नियंत्रण का सैधांतिक आधार। सहन-सीमाएं। विभिन्न प्रकार के नियंत्रण चार्ट 'एक्स' 'आर' चार्ट, 'पी' और 'सी' चार्ट, वर्ग नियंत्रण चार्ट।

सकार प्रतिचयन। एक पक्षीय, द्विपक्षीय, बहुपक्षीय तथा अनुक्रमिक प्रतिचयन योजना। 'ओ० सी०' तथा 'ए० एस० एन०' फलन। गुणों () तथा चरों ()

() द्वारा प्रतिचयन। डोज-रोपिंग तथा अन्य सारिणियां।

औद्योगिक सम्परीक्षण डिजाइन। उद्योगों में समाव्रयण विधियों का प्रयोग तथा प्रसरण विधियों का विश्लेषण।

उद्योग में एकयातीय कार्यक्रम सहित संक्रियात्मक अनुसंधान विधियों का प्रयोग।

(II) अर्थ-सांख्यिकी

मूल्य और परिमाण के सूचकांक। सूचकांकों के विभिन्न प्रकार, जैसे:—थोक मूल्यों के सूचकांक तथा जीवन निर्वाह से सूचकांक। सूचकांकों का सिद्धांत।

आय-वितरण। पेरैटी वक्र तथा अन्य वक्र। एक केन्द्रीय वक्र तथा उनके लाभ।

राष्ट्रीय आय। राष्ट्रीय आय के विभिन्न क्षेत्र। राष्ट्रीय आय के प्रावकलन की विधियां। अंतर्क्षेत्रीय आगम। क्षेत्रीय आय प्रावकलन वर्ग समस्याएं। अन्तर्उद्योग सारिणी। निविष्ट-निष्ट विश्लेषण तथा एकघातीय कार्यक्रम का प्रयोग।

आर्थिक काल-श्रेणियों का विश्लेषण तथा विचर्चन। आर्थिक काल-श्रेणियों के चार संघटक। गुणात्मक तथा संयोज्यात्मक

माडल । वक्र आसंजन तथा चल माध्यविधि उपनति निर्धारण । स्थित तथा चल सामयिक सूचकांकों का निर्धारण । स्वसहसंबंध । आर्वाततावर्क विश्लेषण । युद्धचिह्न का परीक्षण ।

उपभाग और मांग का सिद्धांत, मांग के कार्य, मांग की लोच, काल श्रेणी तथा पारिवारिक बजट आंकड़ों द्वारा मांग का सांख्यिकीय विश्लेषण ।

(III) शैक्षिक आंकड़े मनोनीत सहित :—

परीक्षण पदों का मापन । सिंगक, प्रमाप विशंक, सामान्य विशंक 'टी' तथा 'सी' माप. स्टेटीन मान शततमक माप ।

मानसिक परीक्षण, परीक्षणों की विश्वसनीयता और संसंगित । विश्वसनीयता की संगणना की विभिन्न विधियाँ । विश्वसनीयता का सूचक । मुसंगति निर्धारण की प्रक्रियाएं । परीक्षण बैटरी के घेयता । चाल बनाम घात परीक्षण ।

उपादना विश्लेष । मद विश्लेषण । अभिरुचि परीक्षणों में सह-संबंध विधियों का उपयोग ।

स्मरण तथा विस्मरण का माप, स्मरण माडल । अभिवृत्ति तथा मत का माप । समूहगत व्यवहार के माप ।

(1) जनन आंकड़े :

आनुवंशिकता का भौतिक आधार । मैन्डल के नियम । लिकेज । पृथक्करण का विश्लेषण । लिकेज की पहिचान तथा प्राक्कलन ।

बहुजनन आनुवंशिकी । दृश्यरूप विचलन के संघटक । अनु-वंशिकता का प्राक्कलन, चयन । चयन का आधार । प्रजनन परीक्षण । चरित्र समिश्रण के लिए चयन ।

जनसंख्याजनन । जनन द्वारवारता । अंतः प्रजनन । यादृच्छिक उभागम । लिकेज का विसाम्य ।

मावन जनन के तत्व । रक्त वर्गों का अध्ययन । रोग विशेषताएं तथा विघन ।

(2) जनांकिकी तथा जन्म-मरण संबंधी आंकड़े :—

जीवन सारिणी; उसका निर्माण तथा गुण । मेकेहम तथा भोगपत्वं वक्र, मृत्यु संख्या की वार्षिक तथा केन्द्रीय दरों की व्युत्पत्ति । राष्ट्रीय जीवन सारिण्यां । यू०एन० आदर्श जीवन सारिण्यां । संक्षिप्त जीवन सारिण्यां । स्थिर जनसंख्या । स्थावर जनसंख्या ।

अशोधित प्रजनन दरें, विशिष्ट प्रजनन दरें, कुल और शुद्ध जन्म दरें; परिवार का आकार; अशोधित मृत्यु दरें, बाल-मृत्यु दरें । सकारण मृत्यु संख्या; प्रमाणीकृत दरें ।

आंतरिक तथा अंतर्राष्ट्रीय प्रत्यावर्तन; विशुद्ध प्रत्यावर्तन, पिछली तथा उन्नत अतिजीविता अनुपात सिद्धांत ।

जनांकिकीय संक्रमण; जनसंख्या निर्धारण के सामाजिक तथा आर्थिक निर्धारण ।

जनसंख्या प्रक्षेप । गणितीय तथा सघटक विधियां वृद्धिघात-वक्र आसंजन ।

7—तुलनात्मक आर्थिक विकास:—

विभिन्न सामाजिक व्यवस्थाओं के अंतर्गत विशेष रूप से, भारत, जापान, फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन, संयुक्त राज्य अमेरिका तथा सोवियत

रूस के संदर्भ में आधुनिक आर्थिक विकास का तुलनात्मक तथा ऐतिहासिक अध्ययन । उम्मीदारों से विभिन्न प्रकार की अर्थ-व्यवस्थाओं, जैसे-क्रमव-विक्रय प्रधान स्वतंत्र उद्यम अर्थ व्यवस्था, केन्द्रीय योजना-बद्ध अर्थ व्यवस्था तथा उनमें हुए परिवर्तन, विशेष रूप से विकाश-शील अर्थ-व्यवस्थाओं की प्रदान करने योग्य शिक्षाओं की दृष्टि से, के ऐतिहासिक उद्भव तथा क्रियात्मक लक्षणों आलोचनात्मक मूल्यांकन करने की अपेक्षा की जायेगी ।

8—मुद्रा तथा सार्वजनिक वित्त

मुद्रा तथा सार्वजनिक वित्त

मुद्रा का स्वरूप तथा कार्य । मुद्रा का मूल्य । मुद्रा, उत्पत्ति और मूल्य । गुणक तथा आय उत्पादन की प्रक्रिया । व्यापारचक्र और मूल्य-व्यापार । मुद्रा स्फीति ।

मोट्रिक नीति के उद्देश्य तथा रचना । कैक-दर तथा खुले बाजार की कार्यवाई । केन्द्रीय बैंक पद्धति । सामान्य तथा सुविशिष्ट साख नियंत्रण विकासशील अर्थव्यवस्था के अंतर्गत अपनाई जाने वाली मीट्रिक नीति । विकसित तथा विकासशील अर्थव्यवस्था में मुद्रा तथा पूंजी बाजार । भारतीय मुद्रा बाजार का संगठन ।

सार्वजनिक वित्त : स्वरूप, क्षेत्र, महत्व और उद्देश्य ।

करारोपण के सिद्धांत :—कराघात तथा महत्व । पूर्ण रोजगार और आर्थिक विकास की वित्तीय नीति । घाटे की वित्त व्यवस्था । सार्वजनिक उद्यमों से प्राप्त आय ।

सार्वजनिक ऋण के सिद्धांत : आन्तरिक और विदेशी ऋण; ऋण व्यवस्था । संघीय वित्त-व्यवस्था के सिद्धांत ।

9—ग्रामीण अर्थशास्त्र तथा सहकारिता ।

आर्थिक विकास में कृषि का योगदान ।

कृषि उत्पादन तथा संसाधनों का उपयोग, उत्पादन पलन, उत्पादन माप, लागत और प्रोत्तिचक्र, अनिश्चितता की स्थिति में उत्पादन कारकों का संयोजन तथा उत्पादन विधियों का चयन । फसल आयोजन ।

उत्पादन कारकों का क्रय-विक्रय :—भूमि का क्रय-विक्रय, भूमि का मूल्य और लगान । श्रम का क्रय-विक्रय; मजदूरी और रोजगार, बेरोजगार तथा अल्प-रोजगार । पूंजी बाजार, बचत और पूंजी का निर्माण ।

वस्तुओं की मांगें । खाद्यान्न की मांग ।

कृषि अन्य पदार्थों का अंतर्राष्ट्रीय व्यापार—मूल्य, टेरिफ वस्तु संबंधी समस्याएँ । कृषि-विकास संबंधी अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्रम । भारतीय ग्राम्य-अर्थव्यवस्था की समस्याएं ।

कृषि-जोत । भूमि का अधिग्रहण । फसल पद्धति । कृषि-निपज की समस्याएं । भूमिधारी सुधार । सामुदायिक विकास और पंचायती राज्य । कृषि संबंधी धंधे और ग्रामीण उद्योग । ग्रामीण ऋण प्रस्तुता कृषि साख कृषि विपणन और मूल्य प्रसार । वस्तुओं की मांग और खाद्यान्नों की मांग । मूल्य अवलंब और स्थिरता । कृषि भूमि तथा कृषि आय कर करारोपण । आयोजन के अंतर्गत भारतीय कृषि की विकास दर ।

पंचवर्षीय योजनाओं में कृषि का स्थान । कृषि-विकास के मुख्य कार्यक्रम ।

सहकारिता : सिद्धांत, उद्गम तथा विकास । भारत तथा दूसरे देशों के सहकारिता आंदोलन का तुलनात्मक अध्ययन । भारत में विभिन्न प्रकार की सहकारी संस्थाओं का रूप, संगठन तथा कार्य-प्रणाली । ग्रामीण अर्थव्यवस्था में इन संस्थाओं का महत्व । राज्य सहकारी आंदोलन । रिजर्व बैंक आफ इंडिया का योगदान ।

10. अन्तर्राष्ट्रीय अर्थशास्त्र :

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार । अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के सिद्धांत । व्यापार से लाभ । व्यापार की शर्तें । व्यापार नीति । अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक विकास : ट्रेफिक का सिद्धांत । परिणामस्वरूप व्यापार नियंत्रण । सीमाशुल्क संघ । मुख्य व्यापार क्षेत्र । यूरोपीय साम्राज्य बाजार ।

भुगतान शेष । भुगतान शेष के असंतुलन । समायोजन की प्रक्रिया । विदेशी व्यापारगुणक । विनियम-दर । आयात और निर्यात नियंत्रण । व्यापार समझौते । प्रमुख करेंसी प्रमाप । बाह्य और आंतरिक संतुलन ।

अंतर्राष्ट्रीय संस्थाएं । अंतर्राष्ट्रीय वृणनिस्तारण और अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष । अंतर्राष्ट्रीय मीट्रिक सुधार । विकासशील देशों के संबंध में भेदभाव रहित प्रवृत्तियां । निर्यात अस्थिरता और वस्तुओं के बाजार भाव की स्थिरता । अंतर्राष्ट्रीय निजी और सार्वजनिक पूंजी से संबंधित जी०ए०टी०टी० का योगदान आर्थिक विकास के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सहायता । अंतर्राष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक एवं तत्सम्बन्धी संस्थाएं । एशियाई विकास बैंक ।

11. गणितीय अर्थशास्त्र और अर्थोमित-

अर्थशास्त्र में गणित और सांख्यिकी का महत्व : अर्थशास्त्र में मापों का प्रयोग । अर्थशास्त्र में गणित का महत्व । आर्थिक सहयोग के मापन में सांख्यिकीय अनुमति की विधियों और पद्धतियों का प्रयोग ।

मांग विश्लेषण : मांग का सामान्य सिद्धांत और मांग की मान । गत्यात्मक और स्थैतिक मांग पलन । आयोजन की स्थिति में अर्थ : संबंधित मांग और पूर्तिफलन । मांग और पूर्ति प्रावकलन की विधियां । मांग प्रक्षेप तथा मांग और मूल्य के प्रति अल्पकालीन दृष्टिकोण ।

उत्पत्ति-फलन : उत्पादन और उत्पादन संभावना फलन की संकल्पना, उत्पादन-फलन लागू करने की विधियां । उत्पादन आयोजन और उत्पादन नियंत्रण की गणितीय विधियां ।

एकघातीय कार्यक्रम : क्रिया-विश्लेषण; एकघातीय कार्यक्रम और उसका उपयोग । निविष्ट-निपज विश्लेषण; युग्म सिद्धांत के तत्व-आर्थिक आयोजन में उनका प्रयोग ।

कीमती अर्थशास्त्र और प्लासिकल अर्थशास्त्र के गणितीय माडल

गुणक संकल्पना; त्वरक सिद्धांत । साम्य विश्लेषण; उपभोक्ता साम्य, स्थिर दशाएं, आय और मूल्य वृद्धि की मांग पर प्रभाव, पूरक और स्थानापन्न वस्तुएं

बाजार मांग : विनियम संतुलन, व्यवसाय संतुलन । अर्थव्यवस्था के अंतर्गत उत्पादन और विनियम का साम्य, मांग और पूर्ति का सामान्यीकृत नियम ।

निमित्त () और माडल की संकल्पना :

निमित्त की विभिन्न संकल्पनाएं-निमित्त और माडल में भेद । स्वतंत्र समीकरण और सम्मिलित समीकरण माडलों में समष्टि प्रावकलन ।

आयोजन माडल : विभिन्न प्रकार के विकास माडल, पूंजी-निपज अनुपात और आर्थिक आयोजन में उनका उपयोग । आयोजन माडल । दीर्घकालीन प्रक्षेप और संदर्श; अल्पकालीन आर्थिक पूर्वानुमान ।

12. प्रतिचयन सर्वेक्षण

जनगणना और सर्वेक्षण में प्रतिचयन का स्थान । ढांचे और प्रतिचयन ईकाई की संकल्पना ।

प्रतिचयन की विधियां : यादृच्छिक प्रतिचयन, स्तरित प्रतिचयन, स्तरण का चयन, बहुखण्डीय प्रतिचयन, सामूहिक प्रतिचयन, क्रमबद्ध प्रतिचयन, दुहरा प्रतिचयन, चर-प्रतिचयन भिन्न आकार के अनुपात में संभावितता के साथ प्रतिचयन बहुपदीय प्रतिचयन, प्रति लोभ प्रतिचयन ।

प्रावकलन की प्रक्रिया : कुल और औसत जनसंख्या का प्रावकलन; प्रावकलन में अभिनीत; प्रावकलन की मानक त्रुटि । अनुपात । समावयण और गुणन प्रतिचयन ।

अनुमूलनतम अभिकल्पनाएं : लागत और प्रसरण फलन, पथप्रदर्शी सर्वेक्षण का उपयोग । प्रतिचयन इकाइयों का अनुमूलनतम आकार और गठन । स्तरित, बहुमदीय, और बहुखण्डीय अभिकल्पनाओं में अनुकूलतम विनिर्वाण । आवृत्ति सर्वेक्षण में अनुकूलतम प्रतिस्थापन भिन्न ।

गैर-प्रतिचयन त्रुटियां और उनका नियंत्रण, अनुक्रिया-अभाव का सिद्धांत, अन्देशी प्रतिचयन ।

अभिकल्पना और पथप्रदर्शी तथा बड़े पैमाने के यादृच्छिक प्रतिचयन का संगठन । प्रतिचयन के रेखांकन की परिचालन प्रक्रियाएं यादृच्छिक प्रतिचयन संख्याओं का उपयोग । 'पी०पी०एस०' प्रतिचयनों के रेखांकन की विभिन्न विधियां । आंकड़ों के संग्रहण और सारणीयमान की प्रक्रियाएं । सर्वेक्षण आंकड़ों का विश्लेषण और प्रतिवेदनों का निर्माण ।

13. औद्योगिक अर्थशास्त्र :

उद्योग-प्रतिस्पर्धी उद्योगों का गठन । औद्योगिक इकाई के आकार का सिद्धांत । औद्योगिक स्थान का निर्धारण । क्षेत्रीय औद्योगिक विकास । औद्योगिक समाकलन । संघ और एकाधिकार ।

औद्योगिक उत्पादन की समस्याएं । उत्पादकता—संकल्पना और मापन । उत्पादकतावृद्धि की विधियां । लागत रचना और मूल्य-निर्धारण की नीतियां ।

भारतीय उद्योगों का गठन—आकार, स्थिति, एकीकरण और क्षेत्रीय संतुलन ।

भारतीय उद्योगों की समस्याएं—वित्त, विविष्टियां, क्षमता का उपयोग । औद्योगिक नीति । सरकारी और गैर-सरकारी क्षेत्र । औद्योगिक लाइसेंस की नीति । विदेशी पूंजी और तकनीकी सहयोग । सार्वजनिक उद्यम की समस्याएं—संगठन, प्रबंध, नियंत्रण और उनका लेखा-जोखा ।

छोटे पैमाने के उद्योगों की समस्याएं और औद्योगिक समपति ।

श्रम और आर्थिक विकास । श्रम उत्पादकता और प्रेरणा स्रोत । भारत औद्योगिक संबंध । मजदूर संघों का गठन और संगठन । मजदूर संघ और राज्य औद्योगिक झंझों का निपटारा । न्यूनतम और उचित मजदूरी । मजदूरी और कार्य करने की दशाओं का राज्य द्वारा निर्धारण । श्रम कल्याण ।

14. व्यापारिक सिद्धांत और व्यापार कार्य :

क्रय विक्रय । क्रय-विक्रय की संकल्पना; बाजार की विशेषताएं । विपणन कार्य : विपणन क्रिया, केन्द्रीकरण और विस्तार, क्रय, विक्रय माल-यातायात भंडारण, कोटिक्रम और वित्त । ग्राहक का स्वभाव और निर्णय । बाजार संबंधी जानकारी और अनुसंधान । वितरण के स्रोत । बाजार लागत और बाजार क्षमता, बिक्री पूर्वा-नुमान और आयोजन । बिक्री प्रोत्साहन : विज्ञापन और विक्रेता के गुण । राज्य नियंत्रित बाजार ।

भारतीय बाजार । कृषि उपज और औद्योगिक वस्तुओं का बाजार । भारत में संयुक्त बाजार : स्टॉक एक्सचेंज और उपज एक्सचेंज, उनके कार्य और क्रियाविधि । सरकारी नीति; सरकारी विपणन संगठन और राजकीय व्यापार ।

विदेशी व्यापार—अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की विशेषताएं । घरेलू व्यापार के भिन्न व्यापार की विशेष समस्याएं; यातायात, वित्त और बीमा, साखा से संबंधित जोखिम, विनियम दर में उतार-चढ़ाव और भुगतान स्थान । विदेशी व्यापार में प्रयुक्त अभिलेख । आयात और निर्यात केन्द्रों का गठन और संगठन । निर्यात और आयात नियंत्रण के तरीके ।

भारत के विदेशी व्यापार की मुख्य विशेषताएं—वस्तु-समपत्ता, मुख्य, दिशाएं । गत दशक में निर्यात और आयात नियंत्रण की क्रियाएं । लाइसेंस प्रक्रियाएं और उसका आधार । विदेशी व्यापार वित्त । निर्यात जोखिम गारंटी पद्धति । हाल ही के वर्षों में निर्यात वृद्धि के लिए अपनाई गई विधियां, भारत के व्यापार समझौते । राज्य व्यापार नियम के कार्य ।

15. व्यवसाय वित्त और लेखे

आधुनिक उद्योग की वित्तीय आवश्यकताएं—भारत में औद्योगिक वित्त के साधन । भारतीय पूंजी बाजार । संस्थाओं द्वारा वित्त प्रबंध । विदेशी पूंजी, स्रोत, ब्याज की दरें और भुगतान की शर्तें । किसी एक फर्म की बजट पूंजी संबंधी आवश्यकताएं । उत्तम पूंजी की रूपरेखा । किसी फर्म में अंतर्गत निधियों के स्रोत और उपयोग । निजी वित्त । मूल्य ह्रास की नीति । संचित कोष और लाभांश । करारोपण और वित्तीय नीति ।

पूँजी की बजट व्यवस्था । वित्तीय विवरण की तैयारी, विश्लेषण और निर्वचन । साख और शेषों का मूल्यांकन । पुनर्निर्माण, एकी-

करण और विलयन योजनाओं का निर्माण; लेखा-बही में अनाहत हंडियों का हन्दराज ।

लागत विवरणों का निर्माण; खर्च की व्यवस्था और नियंत्रण । बजटीय नियंत्रण के सिद्धांत । प्रामाणिक लागत । वित्तीय और लागत लेखों का मिलान ।

16. व्यवसाय प्रबंध और वाणिज्य-विधि

प्रबंध पद्धति और प्रबंधीय कार्य । नीति निर्धारण और व्यवसाय के उद्देश्य । नेतृत्व और साहस, नियंत्रण और निर्णय की शक्ति । प्राधिकार संबंध, प्राधिकार शिष्टमंडल, प्राधिकार के स्तर और उत्तरदायित्व, नियंत्रण का विस्तार, पर्यवेक्षक की भूमिका ।

संचार और प्रेरणास्रोत की समस्याएं ।

उत्पादन और वस्तु-सूचीनियंत्रण । प्रकार नियंत्रण । समय और गति का अध्ययन । संयम की स्थापना और कार्य की ताप-जोखा ।

17. उच्च संभाविता और यादृच्छिक कार्यविधियां

(क) उच्च संभाविता : संभाविता माप, यादृच्छ पद, बंटन पञ्चन का विघटन, यादृच्छ पदों की प्रत्याशी / प्रतिबंधी संभाविता और प्रतिबंधी प्रत्याशाएं, अनुक्रम का एकीकरण और स्वतंत्र यादृच्छ पदों का योग कालघों गांव की विषमता, वृहत् संख्याओं का कठोर और कमजोर नियम, बंटन में एकीकरण, रूपांतरण और स्तततला के सिद्धांत, गुणनफल, अद्वितीय सिद्धांत, प्रतिव्योम सूत्र, केन्द्रीय सीमा सिद्धांत, पूर्ण की समस्याएं ।

(ख) यादृच्छिक क्रियाविधियां :

यादृच्छिक क्रियाविधियों की परिभाषा और वर्गीकरण

अनुक्रम (वास्तविक समय का इंटरवल का विविक्त) से इंडेक्स की हुई वास्तविक यादृच्छ पद के समूह के रूप में यादृच्छिक क्रियाविधियां । सीमित आयाम वितरण कार्यों की श्रेणी और उससे संबंधित कोल मोर्गो रोब का सापेक्षता संबंधी विवरण ।

यादृच्छ पदों में निर्भरता के विभिन्न प्रकार, स्वतन्त्रता स्वतन्त्र विकास मार्टिंगेव । मार्कोव-निर्भरता, विस्तृत और संकुचित प्रकार की अचलता ।

मार्कोवियाविधियां : डिस्क्रीट पैरोमीटर सहित और सीमित व डीन्यूमिरेबल स्टेट स्पेसिस सहित पूर्णतः अचल मार्कोव कार्य-विधि (मार्कोव चेंस के नाम से भी विख्यात) संक्रमण सम्भावना मैट्रिस : स्थितियों का वर्गीकरण और स्थितियों की श्रेणियां ;

लगातार पैरोमीटर सहित मार्कोव कार्यविधि डिस्क्रीट स्टेट स्पेस; कोलमोगोरोव का फौरवर्ड और बैकवर्ड समीकरण;

जनसंख्या की वृद्धि से संबंधित साधारण समयापेक्षी यादृच्छिक कार्यविधियां; मृत्यु कार्यविधि; वियुद्ध जन्म कार्य विधियां जन्म-मृत्यु कार्यविधियां; जन्म मृत्यु कार्यविधि (बाद के दो प्रकार की लाइनियर प्रोसेस के मामले में पूर्ण हल) ।

विस्तृत कार्यों में अचल कार्यविधि और डिस्क्रीट पैरोमीटर :

सहविभेदीकरण कार्य; सहविभेदीकरण कार्य और कार्यविधि कासेक्ट्रेल रिप्रेजेंटेशन; अचल कार्य विधियों के पारस्परिक निष्पादन के उदाहरण सामान्य राशनल स्पेक्ट्रेल डैसीटी के उदाहरण ।

बाजार क्रियाओं के अन्तर्गत पंचयकीय समस्याएं। वितरण के स्रोतों का चयन और नियंत्रण। उत्पादन-क्रम, मूल्य निर्धारण और वित्तीय वृद्धि की नीति। मांग विश्लेषण और विज्ञापन।

कर्मचारी वर्ग का प्रबंध—चयन, प्रतिस्थापन, तरक्की, स्थानांतरण और सेवा-मुक्त करने की समस्याएं। सेवा-मूल्यांकन और योग्यता-निर्धारण। संघीय-प्रबंध संबंध।

भारत में व्यावसायिक कार्यों का विधि-सम्मत गठन—अनुसंधान और कम्पनियों से संबंधित कानून।

18. सांख्यिकी अनुमान

नोट—उम्मीदवार को खंड 'क' और 'ख' अथवा खंड 'क' और 'ग' प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

(क) (1) प्राक्कलन

प्राक्कलन की विभिन्न विधियां : अधिकतम संभावितता की विधि, न्यूनतम वर्ग विधि पूर्ण की विधि, लघुतम वर्गों की विधि, अधिकतम संभावितता आगणक के अनंतस्पर्शीय गुण धर्म।

फैमर-राय असमता और बहु-समष्टिक मामलों में उसका सामान्यीकरण। भट्टाचार्य, परिबंध। पर्याप्त सांख्यिकी गुण-खंडन प्रमेय, पिटमेन-कूपमेन-डरमोह्स प्रकार के बंटन, पयवित सांख्यिकी के न्यूनतम सेट, राय तूलेक बेटा का प्रमेय। संभावित बंटन का पूर्ण परिवार, पूर्ण सांख्यिकी। न्यूनतम प्रसरण प्राक्कलन पर लेमे-शेफे का सिद्धांत।

(ii) परिकल्पनाओं का परीक्षण

परिकल्पना-परीक्षण का नेमेन पिर्यसन सिद्धांत। यादृच्छिक अयादृच्छिक परीक्षण।

अति राशक और सामान्यतः अधिसशक्त परीक्षण। नेमेन-पिरसन की मूल प्रमेयिका। अनमिनत त्रुटि, परीक्षणों की सामंजस्यता और दक्षता। एकदम क्षेत्र, स्थानीय अनुमूलतम गुणधर्म सहित परीक्षण। 'ए' व 'ए'। 'बी' 'सी' तथा 'डी' किस्म के संशय अंतराल। पूर्णता और एकरूपता वाले सिद्धांतों में संबंध। परीक्षण-विन्यास का संभावित अनुपात सिद्धांत और उसके कुछ प्रयोग।

(iii) समष्टि-रहित परीक्षण

क्रम समक : लघु प्रति चयन और दीर्घ प्रतिचयन बंटन मुक्त विषयस्त अंतराल। निम्नलिखित के लिए बंटन मुक्त क्षेत्र :—

(i) आसंजन सोष्ठ्य का वर्गीय परीक्षण, कालमोगोरोब-सिम्नोद परीक्षण

(ii) दो जनसंख्याओं की तुलना : चाल परीक्षण, डिक्सन का परीक्षण, विकावसन का परीक्षण, माध्यिका परीक्षण, लक्षण परीक्षण, पिन्गर-पिटमेन का परीक्षण।

(iii) स्वातंत्र्य : आसंगता, का वर्ग स्पीयरमेन और कोडल का कोटि-सह संबंध गुणांक।

असमष्टीय परीक्षणों के बृहत् प्रतिचयन गुणधर्म। द्विशलीय न्यास (यस्टेटिस्क्टस) और उनके सीमान्त बंटन।

(स) निर्णय कलन :

सांख्यिकीय योजना और उससे संबंधित चयन के सिद्धांत। सांख्यिकीय योजना के रूप में सांख्यिकीय समस्याओं का निरूपण, निर्णय फलन, यादृच्छिक और अर्थाच्छिक निणय के नियम। मिनिमेक्स, वार्ड के न्यूनतम खोद निर्णय निगम। वर्ग-त्रुटि हानि फलन में ग्राह्य और मिमिमेक्स प्राक्कलन। परीक्षार्थी के अल्पिष्ठ पूर्ण वर्ग।

पर्याप्त का सिद्धांत और प्रसरण का सिद्धांत। हंट-स्टीम प्रमेय। मिनिमेक्स अप्रसरण निर्णय नियम।

ग-बहु-चर विश्लेषण

बहु-चर सामान्य बंटन, माध्य सदिश और सह-प्रसरण आव्यूह का प्राक्कलन, प्रतिचयन माध्य-सदिश और अज्ञात आव्यूह का प्राक्कलन, प्रतिचयन माध्य-सदिश और अज्ञात आव्यूह के साथ माध्य-सदिश से संबंधित अनिमित का बंटन, 'टी' के अनुकुलतम गुणधर्म। सामान्य सह संबंध में एकधा और कनेकधा समाश्रयण गणक, बेहरेन-फिशर का निर्णय।

विशाट बंटन, विशाट वर्धा गुणधर्म, प्रसरण का सामान्यीकृत विश्लेषण; विहित चर और विहित सह संबंध, अनेक सह-प्रसरण आव्यूहों की समानता।

19. परीक्षाओं के नमूने :—

परीक्षण के सिद्धान्त :—यादृच्छकरण, अभ्यावृत्ति और त्रुटि नियंत्रण त्रुटि नियंत्रण। के उपाय, परीक्षण इकाइयों के आकार प्रकार और बनावट का चयन, परीक्षण इकाइयों का समूहन।

प्रसरण विश्लेषण की मूल मान्यताएं। अप-संयोज्यता, प्रसरण विषमांग और अपसामान्यता का प्रभाव। रूपान्तरण। शब्द और मिश्रित माडल। सहवर्ती चरों का उपयोग। सह-प्रसरण विश्लेषण।

अपूर्ण खंड नमूनों का निर्माण और विश्लेषण (अंतर्खंडीय जानकारी सहित या रहित), गवाक्ष-नमूने, आंशिक रूप से संतुलित अपूर्ण खंड नमूने, कुछ दिशाओं में विषमांगता दूर करने के लिए हाइपर ग्रेसिओ-लेटिन स्केयर और अन्य नमूने।

गुणनफलों के नमूनों का निर्माण और उनका विश्लेषण, समानांतर श्रेणी में गुणनफलों के परीक्षण में भ्रांति, पूर्ण और आंशिक, संतुलित भ्रांति। मुख्य प्रभावों की भ्रांति, विघटित क्षेत्र अपाटित क्षेत्र तथा अन्य नमूने। गुणनफल अभ्यावृद्धि। गुणात्मक और संख्यात्मक गुणन-खंडों का परीक्षण।

लुप्त या मिश्रित उपजों के परीक्षण के लिए विश्लेषण की विधियों अलंकोणीय आंकड़ों का विश्लेषण। परीक्षण वर्गों के परिणामों का संयोजन अनुक्रिया वक्र और अनुक्रिया का प्रमाणीकरण।

20. शुद्ध गणित-1

सहज चरों के कार्य डीडकाइंड—विधि से परिमेय संख्याओं में से सहज संख्याओं के निर्माण की प्रणाली/अनुक्रम और फलन की सीमाएं और प्रतिबंध, अनुक्रम के क्रमिक और साम्य-रूप परिवर्तन, अनंत श्रेणी और अनंत गुणनफल।

मीटर अवकाश: खुले और बंद कुलंक, सतत फलन और सम-रूपता, अभिसरण और पूर्णत, पूर्ण मीटर अवकाशों में समावेशी और बंद कुलंकों का प्रमेय । मीटर अवकाशों में समावेशी और बंद कुलंकों का प्रमेय । मीटर अवकाशों और यूकिडीय अवकाश । समरूप सातत्व और अरजेला प्रमेय । मीटर अवकाशों में संबद्ध कुलंक ।

एक अथवा अनेक यथार्थ पदों के फलन की अवकलनीयता । मध्य मूल प्रयोग, एक अथवा अनेक पदों के फलन में टेलर कृत विस्तार । लैंगरेंज गुणकों सहित फलों का चरम मूल्य । अस्पष्ट और प्रतिलोभ फलन प्रमेय । फलनीय आश्रितता और जेकोबीयन ।

रोमान अनुकलन, अनुकल कलनों के माध्य मूल—प्रमेय, अनुकलन गणित । अनुचित अनुकल । अनुकलों का अभिसरण । बहुत अनुकल, ग्रीन और स्टोक्स के प्रमेय ।

माप सिद्धान्त :—लेबिसग्यू माप, मापयोग्य कुलक और उनके गुणधर्म । मापयोग्य फलन । परिमित माप के कुलकों पर परिसीमित फलनों का लेबिसग्यू अनुकल । अनुण फलन का अनुकल । सामान्य लेबिसग्यू अनुकल । माप में अभिसरण । फातऊ की प्रमेयिका । एक दिष्ट, प्रभावी और परिसीमित में अभिसरण प्रमेय । विटाली व्याप्ति-प्रमेय । परिसीमित चरों का प्रसरण । निरपेक्ष सतत फलन । अनुकल कलन का आधारभूत प्रमेय । स्ट्रीलजेस-अनुकलन ।

जटिल पदों का फलन :—वैश्लेषिक फलन । कोशी-रीमन समीक जटिल फलनों का समाकलन । कोशी का भूलभूत प्रमेय और समाकलन सूत्र । मेरेरा प्रमेय । टेलर और लारेन्ट-विस्तार । शून्य और ध्रुव विचित्रताएं । अविशिष्ट प्रमेय और उसके उपयोग । तर्कसिद्धांत रोशी प्रमेय । अधिकतम मापांक सिद्धान्त और स्वार्ज प्रमेयिका ।

द्विघातीय रूपान्तरण । अनुकोण निरूपण ।

दूहरे आवर्ती फलन । वायरस्ट्रास फलन । जकोबी के एस० एन०, सी० एन०, और डी० एन० फलन । दीर्घवृत्तीय अनुकल ।

21. शुद्ध गणित II

आधुनिक बीजगणित—आब्यूहों और सारणिकों सहित :]

समूह और अर्द्ध समूह । समरूपता । रूपान्तरण समूह, केले प्रमेय, चक्रीय समूह । क्रमचय, सम और विषय क्रमचय । सहकुलक समूहों का विघटन । लेगरेज प्रमेय, अचल उपसमूह और गुणांक समूह । समरूपता और स्वरूपता संयुग्मी तत्व । सामान्य श्रेणियां, मिश्रित श्रेणियां और जोर्डेन होल्डर प्रमेय ।

बलय :—अनुकल प्रान्त, माग बलय, क्षेत्र । आब्यूह बलय । चतुष्टय । उप-बलय ।

आदर्श :—महिष्ठ, प्रधान और मुख्य आदर्श । अद्वितीय गुणनखंड प्रान्त । अन्तर्गबलय पूर्ण संख्याओं का आदर्श और अंतर बलय । फारमेट प्रमेय । बलयों की समरूपता ।

क्षेत्र विस्तार—बीजगणितीय और बीजातीत क्षेत्र विस्तार । गलाइस सिद्धान्त के अवयव और द्वारा समीकरणों के हल में उसका उपयोग ।

सदिश अवकाश क्षेत्र । उप-अवकाश और उनका बीजगणित । एक घातीय द्वैतत्वय, आधार, विस्तार । गुणक-अवकाश । सम-रूपता और सदिश अवकाश ।

एक घातीय समीकरण पद्धति । बाब्यूह पद । आब्यूहों के तुल्य संबंध प्रारम्भिक आब्यूह, श्रेणी तुल्यांक, तुल्यांक समरूपता ।

सदिश अवकाशों पर एक घातीय रूपान्तरण, उनकी कोटि और शून्यता । द्वैत अवकाश और द्वैत आधार । एकघातीय, द्विघातीय और चतुष्टय रूप । कोटि और चिन्ह । चतुष्टय रूप का विहित रूप का विहित रूप में लघुकरण और दो चतुष्टय रूपों का युगपन लघुकरण ।

सारणिक फलन, उसका अस्तित्व और अद्वितीयता । सारणिक विस्तार की लाप्लास विधि । दो सारणिकों का गुणनफल । बीनेट-कोशी सूत्र लक्षण और अल्पिष्ठ बहुपद, प्रधमोत्पन्न मान और प्रथमाल्फ सदिश । केले-हैमिल्टन प्रमेय । विकर्त्ता प्रमेय ।

म-विमितीय ज्यामिती :—म-विमितीय ज्यामिति के जवयव । दसार्ग का प्रमेय । एकघातीय अवकाशों के स्वातंत्र्य की मात्रा । द्वैतता । समानान्तर रेखाएं, दीर्घवृत्तीय, अतिपरवलयीय यूक्लीडियन और प्रक्षपीय ज्यामितियां । सपाट धरातल (एम-1) के समानान्तर रेखा । म-परिस्परिका लंबकोण रेखाएं । सपाट अवकाशों के बीच का अन्तर और कोण ।

उत्तल कुलक और उसल शंकु । उत्तल आवरण-अतिसमतलों के पृथक करने के प्रमेय । तल से प्रतिबंधित बंद उत्तल कुलांक का प्रमेय, जिनके प्रत्येक आलंबी अति-समतलों में चरमबिन्दु होते हैं । परम बिन्दुओं का उत्तल आवरण । उत्तल बहुतलककु । क्षेत्रों के एकघातीय रूपान्तरण ।

अवकल ज्यामिति : अवकाश, वक्र, वेष्टन । उद्देश्य आधार । वक्र से संबंधित उद्देश्य । आधारगत वक्र घातीय निर्देशांक । प्रथम और द्वितीय आधारभूत रूप । सामान्य खंड की वक्रता । वक्र-कृति की रेखाएं । संयुग्म विधियां । अन्ततस्पर्शी रेखाएं । गोस और काडाजी के समीकरण । धरातल पर दो बिन्दुओं के बीच की सबसे छोटी रेखा और दो बिन्दुओं के बीच की सबसे छोटी समानान्तर रेखा रेखित आधार ।

22. शुद्ध गणित II

संख्यात्मक विश्लेषण और लवकल समीरण । परिमित अवकल । अन्तर्वेशन । बहिवेशन । प्रतिलोप अन्तर्वेशन । संख्यात्मक अवकल और संख्यात्मक अनुकल । प्रथम श्रेणी के अवकल समीकरणों की उपपत्ति । एकघातीय अवकल समीकरणों के सामान्य गुणधर्म । स्थिर गुणांकों के साथ एकघातीय अवकल समीकरण ।

सामान्य अवकलन समीकरणों की उपपत्ति । उपपत्ति शुरू करने और उपपत्ति जारी रखने की विधियां । सम्मिलित एक घातीय समीकरण और उनकी उपपत्ति बहुपद समीकरणों के मूल श्लघन विधि द्वारा सामान्य निर्मयों की उपपत्ति नोमोग्राम ।

अवकलन समीकरण : डीबाई । डीएनस-एफ (एन्स, बाई) की उपपत्ति का अस्तित्व प्रमेय ।

प्रथम कोटि के एकघातीय और अघातीय असमीकरण । स्थिर गुणांकों के साथ एकघातीय समीकरण । समरूप एकघातीय समीकरण ।

दूसरी कोटि के एक घातीय समीकरण श्रेणित । अनु-कलों की फाबिनस विधि । लीजेन्डबेसन और हरमिट समीकरणों की उपपत्ति । लीजेन्ड्रे और हरमिट बहुपदों और हरमिट फलनों प्रारम्भिक गुणधर्म । सम्मिलित एकघातीय समीकरणों की विधियाँ । तीन पदों के साथ पूर्ण एवं कल समीकरण ।

आंशिक अवकल समीकरण : पहली और दूसरी कोटि के आंशिक अवकल समीकरण, लेगेंज, चारपिट और भोगे की विधियाँ । स्थिर गुणांकों के साथ एक घातीय आंशिक अवकल समीकरण । पदों के प्रथमकरण द्वारा लाप्लास तरंग और विचरण समीकरण की उपपत्ति ।

विचरणों का फलन : यूलर समीकरण के न्यूनतम व्युत्पत्ति की अनिवार्य शर्तें हैमिल्टन का सिद्धान्त । हैमिल्टनवादी । समपारि-मापी निर्मेय । पद और बिन्दु निर्मेय । अनुकल फलनों का लघुतक । बोलजा । निर्मेय । बहुत अनुकल निर्मेय । विचरणों के कलन की प्रत्यक्ष विधियाँ । द्वितीय विचरण और लघुतक के लिए लीजेन्ड्रे की अनिवार्य शर्तें ।

हरोत्मक विश्लेषण : फेरियर श्रेणियों द्वारा फलन-प्रदर्शन । डीरिक्ले । समावल । रोमन-नैविसस्य प्रमेय । रोमन का स्थानीकरण प्रमेय । फोरियर श्रेणियों (जोर्डन, डिनी एण्ड डे० ला वल्ली प्यासों) के अभिकरण के लिए यथेष्ट शर्तें । सरियर अनुकल स प्रतिचयन प्रमेय । घात वर्णक्रम । स्वसहसंबंध और अनुप्रस्थ सहसंबंध ।

23. प्रयुक्त गणित

स्थैतिकी—असमतलीय वलों में दृढ़ पिंड के साथ की सदिश प्रति-पादन । केन्द्रीय अक्ष । आप्रासी कार्य के सिद्धान्त । स्थिरता । केन्द्रीय-वलों की ज्या, सादा और समतली वक्रों पर ज्या का साम्य । लचक ज्या । दण्ड, डिस्क और वलय के विभव और आकर्षण ।

गति-विज्ञान—न्यूटन के गति नियम । लेबलाम्बर्ट का सिद्धान्त । रेखिक गति आवेगी बल और संघट्टन । सवेग और ऊर्जा का सिद्धान्त स्वातुल्य और निरुद्धता की मात्राएं । सामान्यीकृत निर्देशांक । समय-स्वतंत्र प्रणाली का लेगेंज समीकरण । यूलर के गतिकीय और ज्यामितीय समीकरण । हैमिल्टन का सिद्धान्त । हैमिल्टन का समीकरण । बहु-पिंड का परिचय ।

द्रव-गतिविज्ञान :—यूलर और लेगेंज के गति समीकरण । स्रोत रेखाएं । आवर्तिता और संचरण तथा आदर्श द्रवों में उनकी स्थिरता ।

बरनोली का प्रमेय और उसका प्रयोग । सिलिण्डरों और बलयों के चुतुर्दिक विभव प्रभाव ब्लेशियस का प्रमेय और उसका प्रयोग द्रवगतिकीय निर्मेयों की उपपत्ति की प्रतिबंध विधियाँ और अनुकोण रूपान्तरण । आर्वत्त-गति के सामान्य गुणधर्म, अद्वितीयता प्रमेय साद्रे द्रव । नैवियर-स्टोक्स के समीकरण । समानान्तर दीवारों और सीधे पाइपों में प्रवाह : ओसीन और स्टावस के सन्निकटन बल्य पूर्व मंद गति ।

विद्युत और चुम्बकत्व : बलोम नियम । चार्जेज । चालक और धारित्र । विद्युत पारक । स्थिर करंटों । करंटों के चुम्बकीय प्रभाव

प्रेरित करंट और क्षेत्र । मेक्सवेल समीकरण । दो माध्यमों के अन्तः पृष्ठ की विद्युत चुम्बकीय दशाएं । विद्युत चुम्बकीय विभव, भार और ऊर्जा । पोयटिंग का प्रमेय : जूल ऊष्मा । प्रत्यावर्ती करंट समगुणधर्मी विद्युतपारक में विद्युत-चुम्बकीय तरंगें । विद्युत चुम्बकीय तरंगों का परावर्तन और वर्तन । चालित माध्यम तरंग ।

ऊष्मागतिकी : ऊष्मा, ताप और एन्ट्रोपी की परिभाषा की संकल्पना । ऊष्मागतिकी के प्रथम और द्वितीय नियम । विशिष्ट ऊष्मा । अवस्था परिवर्तन । बादप दबाव । ऊष्मा चालन । विकिरण । प्लैंक का नियम । स्टीफन का नियम । ऊष्मागतिकी के फलन और विभव । विषम प्रणालियाँ और गिडव का अवस्था नियम ।

सांख्यिकीय यांत्रिकी : आकृति अवकाश की ज्यामिति और प्रगतिकी । मेक्सवेल बोल्ट्जमेन, ओस-आइंस्टीन और फर्मी—डिरैस के आंकड़े ।

(खंड-ख)

मौखिक परीक्षा

उम्मीदवारों का साक्षात्कार सुयोग्य और निष्पक्ष विद्वानों के बोर्ड द्वारा किया जायगा, जिसमें प्रख्यात शिक्षा शास्त्री भी होंगे । बोर्ड के सामने उम्मीदवार का सर्वांगीण जीवन-वृत्त होगा । साक्षात्कार का उद्देश्य यह है कि जिस सेवा या जिन सेवाओं के लिए उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित हुआ है, उसके उनके लिए व्यक्तित्व की दृष्टि से वह उपयुक्त है अथवा नहीं । साक्षात्कार उम्मीदवार के सामान्य और विशिष्ट ज्ञान और योग्यता की जांच करने के लिए लिखित परीक्षा को सम्पूर्ण करने के उद्देश्य से लिया जाता है । उम्मीदवारों से आशा की जाएगी कि वे केवल अपने विद्याभ्यास के विशेष विषयों में ही सूक्ष्म-वृद्ध के साथ रुचि न लेते हों, अपितु उन घटनाओं में भी रुचि लेते हों, जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं तथा आधुनिक विचारधाराओं में और उन नई खोजों में भी रुचि लें, जिनके प्रति एक सुशिक्षित व्यक्ति में जिज्ञासा उत्पन्न होती है ।

साक्षात्कार जटिल परिपृच्छा की प्रक्रिया नहीं है अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजन-युक्त-वार्तालाप की प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों और समस्याओं को समझने की शक्ति का उद्घाटन करना है । बोर्ड द्वारा उम्मीदवारों की मानसिक सतर्कता आलोचनात्मक, ग्रहण-शक्ति संतुलित निर्णय की शक्ति और मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक ईमानदारी, नेतृत्व की पहल और क्षमता के मूल्यांकन पर विशेष बल दिया जाएगा ।

मौखिक परीक्षा

सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का एक बोर्ड उम्मीदवार का इन्टरव्यू लेगा । इस बोर्ड के सामने उम्मीदवार के फेरियर का वृत्त होगा । वह इन्टरव्यू इस उद्देश्य से होगा कि बोर्ड यह जान सके कि जिस सेवा या सेवाओं के लिये उम्मीदवार ने आवेदन-पत्र दिया, उसके/उनके लिये वह उपयुक्त है या नहीं । इन्टरव्यू लिखित परीक्षा के अलावा उम्मीदवारों के सामान्य और विशेष ज्ञान तथा योग्यताओं की

जांच करने के प्रयोजन से किया जायेगा। उम्मीदवार से आशा की जाती है कि वह केवल अपने विभाध्ययन के विशेष विषयों में ही समझ-बूझ के साथ रुचि न लें, परन्तु वह उन घटनाओं में भी जो उसके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं, तथा आधुनिक विचार-धाराओं में और उन नई खोजों में भी रुचि लें जो एक सुशिक्षित युवक में विनासा उत्पन्न करती हैं।

इन्टरव्यू में पूरी तरह से प्रति परीक्षा की प्रणाली नहीं अपनाई जाती। उसमें स्वाभाविक वार्तालाप के माध्यम से उम्मीदवार के मानसिक गुणों का, और समस्याओं के ग्रहण करने की शक्ति का उद्घाटन करने का प्रयत्न किया जाता है। परन्तु वह वार्तालाप एक विशेष दिशा में और एक विशेष प्रयोजन से किया जाता है। उम्मीदवार की वैद्विक रुचि, आलोचनात्मक ग्रहणशक्ति, सन्तुलित निर्णय की शक्ति, मानसिक सतर्कता, सामाजिक संगठन की योग्यता, चारित्रिक सत्यनिष्ठा, सूनापात्र क्षमता और नेतृत्व की क्षमता की ओर ब्रीड विशेष ध्यान देगा।

परिशिष्ट- 3

इस परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है, उनका संक्षिप्त व्यौरा :—

1. जो उम्मीदवार दोनों में से किसी भी सेवा के लिये सफल होंगे, उनकी नियुक्ति उस सेवा के ग्रेड-I में परख पर की जायेगी जिसकी अवधि दो वर्ष होगी और इस अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। सफल उम्मीदवारों की परख की अवधि में भारत सरकार के निर्णयानुसार निर्धारित प्रशिक्षण पाठ्यक्रम और अनुदेश तथा परीक्षा पास करनी होगी।

2. यदि सरकार की राय में किसी परखाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो तो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

3. परख अवधि या उसकी बढ़ाई हुई अवधि की समाप्ति पर यदि सरकार की राय में उम्मीदवार स्थाई नियुक्ति के लिये योग्य नहीं है, तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है।

4. यदि सरकार की राय में उम्मीदवार ने संतोषजनक रूप से अपनी परख अवधि समाप्त कर ली है, और यदि वह स्थायी नियुक्ति के लिये उपयुक्त समझा जाये तो उससे स्थायी पदों में मौलिक रिक्तियाँ उपलब्ध होने पर पक्का कर दिया जायेगा।

5. भारतीय आर्थिक सेवा और भारतीय सांख्यिकीय सेवा के निर्धारित वेतन मान निम्नलिखित हैं :—

ग्रेड 1. निदेशक (डायरेक्टर) रु० 1300-60-1600-100-1800।

ग्रेड-2. संयुक्त निदेशक (ज्वाइंट डायरेक्टर)---रु० 1100-50-1400।

ग्रेड-3. उपनिदेशक (डिप्टी डायरेक्टर)---रु० 700-40-1100-50/8-1250।

ग्रेड-4. सहायक निदेशक (असिस्टेंट डायरेक्टर) रु० 400-400-450-30-600-35-670-कु० ऐ०-35-950।

6. सेवा के उच्च पदों में पदोन्नति, प्रत्येक ग्रेड में पदोन्नति के लिये निर्धारित कोटे के अनुसार उम्मीदवारों की प्रवरणता का ध्यान में रखते हुए, योग्यता के आधार पर की जायेगी। ये कोटा ग्रेड-3 के लिये 75 प्रतिशत, ग्रेड-2 के लिये 50 प्रतिशत और ग्रेड-1 के लिए 75 प्रतिशत है।

7. भारतीय अर्थ सेवा/भारतीय सांख्यिकीय सेवा के अधिकारी को केन्द्रीय सरकार के अन्तर्गत भारत में कहीं भी या भारत के बाहर कार्य करने के लिये नियुक्त किया जा सकता है, अथवा इनको निश्चित अवधि के लिये प्रतिनियुक्ति पर भेजा जा सकता है।

8. दोनों सेवाओं के अधिकारियों की छुट्टी पेंशन और ावा की शर्तें उसी प्रकार होंगी जो भारत सरकार के मूल नियम (फंडामेंटल रूल्स) और सिविल सेवा विनियम (सिविल सर्विस रेगुलेशनस) में दी गई हैं और जिनमें सरकार द्वारा समय-समय पर संशोधन हो सकता है।

9. समय-समय पर संशोधित सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियम (जनरल प्राविडेंट फण्ड-सेंट्रल सर्विसेज रूल्स) के अन्तर्गत इस निधि में अभिदान कर सकेंगे।

उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिये दिये जा रहे हैं ताकि वे इस बात का पता लगा सकें कि उनका शारीरिक स्वास्थ्य अपेक्षित स्तर का है या नहीं। ये विनियम मैडिकल-परीक्षकों के मार्गदर्शन के लिये भी हैं और जो उम्मीदवार इन विनियमों में नियम की गई न्यूनतम आवश्यकताओं को पूरा नहीं करता, उसको मैडिकल परीक्षक स्वस्थ घोषित नहीं कर सकते। किन्तु जब मैडिकल बोर्ड की यह राय है कि उम्मीदवार इन विनियमों में निर्धारित स्तर के अनुसार स्वस्थ नहीं हैं, तो भी मैडिकल बोर्ड की यह अनुमति है कि वह भारत सरकार के विशेषकर लिखे हुए कारणों से सिफारिश कर सकता है कि उसको सरकार को छानी बिना नौकरी में लिया जा सकता है।

परन्तु यह साफ समझ लेना चाहिये कि भारत सरकार अपने निर्णय से मैडिकल बोर्ड की रिपोर्ट पर विचार करने के बाद किसी उम्मीदवार को स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार रखती है।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिसे नियुक्ति के बाद दक्षतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. भारतीय (एंग्लो-इंडियन-समेत) जाति के उम्मीदवारों के आयु कद और छाती के घेर से परस्पर संबंध के बारे में मैडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्ग दर्शन के रूप में जो भी परस्पर संबंध के आंकड़े सब से अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कद और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिये और छाती का एक्सरे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को योग्य अथवा अयोग्य घोषित करेगा।

3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि से नापा जायेगा :

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप दण्ड (स्टेड्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जायेगा कि उसके पांच आपस में जुड़े रहें और उसका वजन सिवाए एडियों के, पांखों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। यह बिना अकड़ सीधा खड़ा होगा और उसकी एडियाँ, पिडलियाँ, नितंब और कंधे माप-दण्ड के साथ लगे होंगे। उसकी ठोड़ी नीची रखी जायेगी ताकि सिर का स्तर (बटेक्स आफ दि हेड लेवल) हारिजेंटल बार (आड़ी छड़) के नीचे आ जाये। कद सेंटीमीटरों और आधे सेंटीमीटरों में नापा जायेगा।

4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है:—

उसे इस भाँति सीधा खड़ा किया जायेगा कि उसके पांच जुड़े हों और उसकी भुजाएँ सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जायेगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफल (शोल्डरब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फीरियर-एंगल्स) से लगा रहे और यह फीते की छाती के गिर्द ले जाने पर उसी आड समतल (हारिजेंटल प्लेकन) में रहे। फिर भुजाओं को नीचे किया जायेगा और इन्हें शरीर के साथ ढीला लटका रहने दिया जायेगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जायेगा कि कंधे ऊपर या पीछे की ओर न किये जाएँ जिससे कि फीता न हिले। अब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिए कहा जायेगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गोर से नोट किया जायेगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जायेगा, 84-89, 86-93 आदि। नाप को रिकार्ड करते समय एक सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रेक्शन) को नोट नहीं करना चाहिए।

नोट : अंतिम निर्णय होने से पहले उम्मीदवार की उंचाई और छाती दो बार नापनी चाहिये।

5. उम्मीदवार का वजन भी लिया जायेगा और उसका वजन किलोग्रामों में रिकार्ड किया जायेगा। आधे किलोग्राम से कम फ्रेक्शन को नोट नहीं करना चाहिए।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जाएगी। प्रत्येक का परिणाम रिकार्ड किया जायेगा।

(ख) चश्मे के बिना नजर (नेकेड आई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में मेडिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा उसे रिकार्ड किया जायेगा क्योंकि इससे आँख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जायेगी।

(ग) चश्मे के साथ और चश्मे के बिना दूर और नजदीक की नजर की निम्नलिखित मानक निर्धारित किया जाता है:—

दूर की नजर	नजदीक की नजर
अच्छी आँख खराब आँख	अच्छी आँख खराब आँख
(संशोधित दृष्टि)	संशोधित दृष्टि)
6/9 6/9	जे० I जे० II
अथवा	
6/9 6/12	

(घ) आयोगिता के प्रत्येक मामले में, फंडस परीक्षा की जानी चाहिए और उसका परिणाम रिकार्ड किए जाने चाहिए। व्याधिकृत दणा मौजूद होने पर जो कि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की दक्षता पर प्रभाव डाल सकती है, उसे आयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र:—सम्मुखन विधि (कन्फ्रंटेशन मैथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जाएगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असंतोष जनक या संदिग्ध हो तब दृष्टि-क्षेत्र को परिभाषी (परा मीटर) पर निर्धारित किया जाना चाहिए।

(च) रतौधी (नाइट ब्लाइन्डनेस) साधारणतया रतौधी दो प्रकार की होती है (क) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और रौटीना के व्यावहारिक रोग के कारण रेटिनीटस पिगमेंटोसा होता है। जिसका सामान्य कारण ऊपर बताई गई (1) की स्थिति में फंडस में प्रसामान्य होता है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देता है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाता है, ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस खराबी होती है और अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रोढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिए प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं।

उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अंधेरा अनुकूलन परीक्षा से स्थिति का पता चल जाएगा। उपर्युक्त (2) के लिए विशेष तथा जब फंडस खराब नहीं तो इल्क्ट्रो-रेटीनोग्राफी किए जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जांचों में (अंधेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है और इसलिए साधारण चिकित्सिक जांच के लिए ये दोनों संभव नहीं। तकनीकी चार्ता को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिए कि वे बताएं कि रतौधी के लिए इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं, यह इस बात पर निर्भर होगा कि पद से सम्बन्ध काम की आवश्यकता क्या है और जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनकी ड्यूटी किस तरह की होगी।

दृष्टि की पकड़ से भिन्न आँख की व्यवस्थाएं (आक्यूलर कंडीशन्स) :—

(i) आँख की बीमारी को या बढ़ती हुई वर्तन त्रुटि उस (प्रोग्रेसिव रिफ्रेक्टिव ऐरर) को, जिस के परिणामस्वरूप दृष्टि की पकड़ कम होने की संभावना हो, अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(ii) मोंगापन (स्किवेंट) : तकनीकी सेवाओं में जहाँ द्विनेत्री (बाइनाकुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की पकड़ निर्धारित स्तर की होने पर भी मोंगापन को अयोग्यता का कारण समझना चाहिए।

(iii) एक आंख वाले व्यक्ति यदि किसी व्यक्ति की एक आंख हो अथवा एक आंख की दृष्टि सामान्य हो और दूसरी आंख की दृष्टि एम्बील्योपिक अथवा अर्द्ध सामान्य हो तो आमतौर पर उसका प्रभाव यह होता है कि गहराई को देखने के लिए स्टैरियोस्कोपिक दृष्टि उसकी कमजोर होती है। अनेक सिविल पदों के लिए इसकी आवश्यकता नहीं होती, मैडीकल बोर्ड ऐसे व्यक्तियों की सिफारिश कर सकते हैं यदि उनकी सामान्य आंख में—

(i) ऐनक के साथ या ऐनक के बिना दूर की दृष्टि 6/6 और समीप की दृष्टि-जे-1 हो, परन्तु शर्त यह है कि किसी भी मेरीडियन में गलती दूर की दृष्टि के लिए 4 डायॉप्टीयर से अधिक न हो।

(ii) उसकी दृष्टि का क्षेत्र पूरा हो।

(iii) रंगों की सामान्य पहचान हो, जहाँ भी इसकी आवश्यकता हो, परन्तु शर्त यह है कि बोर्ड इस बात से सन्तुष्ट हो कि उम्मीदवार संबंधित पद के सभी कार्य करने में समर्थ हो।

(म) कोन्टेक्ट लेंस ()—उम्मीदवार की स्वास्थ्य परीक्षा के समय कोन्टेक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। आंख की जांच करते समय यह आवश्यक है कि दूर की नजर के लिए टाइप किए हुए अक्षर 15 पाद-वर्ती (फुन्ट केन्डलस) से प्रकाशित हों।

7. ब्लड प्रेशर

ब्लड प्रेशर के संबंध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नार्मल उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम चलाऊ विधि नीचे दी जाती है।

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों को औसत ब्लड प्रेशर लगभग 100-1 आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर की आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन का सामान्य नियम यह है कि 110 में आधी आयु सम्मिलित करें। यह तरीका बिल्कुल संतोषजनक दिखाई पड़ता है।

ध्यान दीजिए—सामान्य नियम के रूप में 140 से सिस्टोलिक प्रेशर को 90 के ऊपर के डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध समझ लेना चाहिए, और उम्मीदवार के योग्य या अयोग्य होने के सम्बन्ध में अपनी अंतिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि वह उम्मीदवार को अस्पताल में रखे। अस्पताल में रखने की रिपोर्ट से यह पता लगाना चाहिए कि धबराहट (एक्साइटमेंट) आदि के कारण ब्लड प्रेशर थोड़े समय रहने वाला है या उसका कारण कोई कायिक (आंगिक) बीमारी है। ऐसे सभी केसों में हृदय की एकसरे और विद्युत हुए लेखी (इलक्ट्रोकार्डियो ग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त यूरिया निकास (लायरेस) की जांच भी नेमी रूप से की जानी चाहिए। फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने पर या न होने के बारे में अंतिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमन : पारे वाली दाबमानी (मर्करी मनोमीटर) किस्म का आला (इंस्ट्रुमेंट) इस्तेमाल करना चाहिए। किसी किस्म व्यायाम या धबराहट के बाद पन्द्रह मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिए। रोगी बैठा या लेटा हो बगलें कि वह और विशेष कर उसकी भुजा पर से कंधे तक कपड़े उतार देने चाहिए। कफ

में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच को रबड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके निचले किनारे को कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिए। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैलाकर समान रूप से लपेटना चाहिए। ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मीड़ पर प्रचंड धमनी (ब्रकिअल आर्टरी) को दबा-दबा कर ढुंढा जाता है और तब उसके ऊपर बीचों बीच स्टेथेस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एच० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे धीरे हवा निकाली जाती है। हल्की क्रमिक ध्वनियां सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर दर्शाता है। जब और हवा निकाली जायेगी तो ध्वनियां तेज सुनाई पड़ेंगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियां हल्की दबी हुई सी लूपत प्राय हो जाएं, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड-प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिए क्योंकि कपल के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिए क्षीम कर होता है और इससे रीडिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद ही ऐसा किया जाय। (कभी कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियां सुनाई पड़ती हैं। दाब गिरने पर वे गायब हो जाती हैं और निम्नतर स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती हैं; इस 'साइलेंटगम' से रीडिंग में गलती हो सकती है)।

8. परीक्षक की उपस्थिति में किये गये मूल की परीक्षा की जानी चाहिए और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिए। अब मेडिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूल में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके दूसरे सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबीटीज) के ध्योतक चिह्नों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाए, अपेक्षित मेडिकल फिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाए तो वह उम्मीदवार की इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोज मेह अमधुमे ही (नान-डायबेटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसन के किसी ऐसे निर्दिष्ट विशेषज्ञ के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेस टेस्ट समेत जो भी बिल निकले या लेबोरेटरी परीक्षाएं जरूरी समझेगा करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की 'फिट' या 'अनफिट' की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अवसर पर उम्मीदवार के लिए बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। औषधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिए यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन अस्पताल में पूरी देख रेख में रखा जाए।

9. जो स्त्री उम्मीदवार जांचों के फलस्वरूप 18 सप्ताह या उससे अधिक अवधि की गर्भवती पाई जाए उसे तब तक के लिए अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित कर दिया जाए जब तक इसकी गर्भावस्था समाप्त न हो जाए। गर्भावस्था के समाप्त होने के 6 सप्ताह बाद यदि वह पंजीकृत चिकित्सक के स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत कर दे तो आरोग्य प्रमाण-पत्र के लिए उसकी फिर से जांच की जाए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेक्षण करना चाहिये :-

(क) उम्मीदवार को दांतों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो इसकी परीक्षा कान विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्यविद्या, आपरेशन या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता है बशर्ते कि कान की बीमारी बढ़ने वाली न हो।

(ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता है या नहीं।

(ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जरूरी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जायेगा)।

(घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैलती है या नहीं तथा उसका दिल और फेफड़े ठीक हैं या नहीं।

(ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।

(च) उसे रूचर (हार्निया या फटन) है या नहीं।

(छ) उसे हाइड्रोसील, बड़ी हुई बेरिंकोसील बेरिंकोज शिरा (वेन) या बवासीर है या नहीं।

(ज) उसकी शाखाओं, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और सभी संघियां भली भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।

(झ) उसे कोई चिर स्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।

(ञ) उसे कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।

(ट) उसमें किसी उग्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।

(ठ) कारगर टूट के निशान हैं या नहीं।

(ड) उसे कोई संचारी (कम्प्यूनिक्बल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों को किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिये जो साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो सभी मामलों (केसेज) में नेमी रूप से छाती की पेटेक्षण (सर्त्री-निंग) की जानी चाहिए, जहां आवश्यक समझा जाय, एक छाया-चित्र (स्काय ग्राम) लिया जाना चाहिए।

जब कोई दोष मिले तो उसे प्रमाण-पत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिए कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण ड्यूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. जहां तक मिलीजुली प्रतियोगिता परीक्षा के उम्मीदवारों को सम्बन्ध है, उनके लिए ऊपर पैरा II की नीचे की टिप्पणी में बताई गई अपील करने की कार्यविधि लागू नहीं होती। इस परीक्षा के उम्मीदवारों को अपील की शुल्क 50 रुपये भारत सरकार के इस सम्बन्ध में निर्धारित ढंग से जमा करना होता है। यह फीस केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगी जो अपीलीय स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड द्वारा आयोग घोषित किये जायेंगे।* शेष दूसरों के

मामलों में यह जम्ब कर ली जायेगी। यदि उम्मीदवार चाहे तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गए निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिए अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और उसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की जाने वाली यात्राओं के लिए कोई यात्रा-भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायेगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य-परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य-परीक्षा के प्रबन्ध के लिए मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिए निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिए अपनाए जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा-काल (यदि हो) के लिए उचित गुंजाइश रखनी चाहिए।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जायेगा जिसके बारे में यथा स्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपार्टिंग अथॉरिटी) को, यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई बीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इनफर्मिटी) नहीं जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिए कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही संबद्ध है जितना कि वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरंतर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थायी नियुक्ति के उम्मीदवारों के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय-पूर्व पेंशन या अदायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट किया जाये कि यहां प्रश्न केवल निरंतर-कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिए जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरंतर कारगर सेवा में बाधक पाया गया है।

बोर्ड में साधारणतया तीन सदस्य होंगे (i) एक चिकित्सक (ii) एक शल्य चिकित्सक और (iii) एक नेत्र-चिकित्सक। ये सभी यथा सम्भव साध्य समान स्तर के होने चाहिए। महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिए किसी महिला चिकित्सक (लेडी डाक्टर) को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जायेगा।

भारतीय आर्थिक सेवा (इंडियन इकानेमिक सर्विस) भारतीय सांख्यिकीय सेवा (इंडियन स्टैटिस्टिकल सर्विस) के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। इस प्रकार के किसी उम्मीदवार के बारे में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिपोर्ट करनी चाहिए कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिए योग्य है या नहीं।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्ट को गोपनीय रखना चाहिए।

ऐसे मामलों में जबकि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिए अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताये जा सकते हैं किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहाँ डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिए उम्मीदवार की अयोग्य बनाने वाली छोटी-मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहाँ डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिए। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाय जो एक दूसरे डाक्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिए कहने में संबंधित पदाधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थायी रूप से अयोग्य करार दिया जाये तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छः महीने से कम नहीं होनी चाहिए। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा होती है ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिए अस्थायी तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिए उसकी योग्यता के संबंध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य है ऐसा निर्णय अंतिम रूप से दिया जाना चाहिए।

(क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा :—

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टेटमेंट देना चाहिए और उसे साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिए। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिए।

1. अपना पूरा नाम लिखें :—

(साफ अक्षरों में)

2. अपनी आयु और जन्म स्थान बताएं :—

2(क) क्या आप गोरखा, गढ़वाली असमी, नागालैण्ड आदिम जाति आदि से सम्बन्धित हैं जिनका औसत कद दूसरों से छोटा होता है। 'हां' या 'नहीं' में उत्तर दीजिए और यदि उत्तर 'हां' में है तो उस जाति का नाम बतलाइये।

3(क) क्या आपको कभी चेचक, एक एक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रंथियां (ग्लैंड्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना, थूक में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी मूर्छा के दोरे, रूमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

अथवा

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ता हो और और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आप को चेचक आदि का अंतिम टीका कब लगा था?

5. क्या आप को अधिक कार्य या दूसरे कारण से किसी किसम की अवीरता (नर्वसनेस) हुई है।

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्यौरा दें।

यदि पिता जीवित हो तो यदि पिता की मृत्यु हो चुकी हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य मृत्यु के समय पिता की आयु और की अवस्था मृत्यु का कारण

यदि माता जीवित हो तो यदि माता की मृत्यु हो चुकी हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की मृत्यु के समय उसकी आयु और की अवस्था मृत्यु का कारण

आपके कितने भाई जीवित हैं, आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो उनकी आयु और स्वास्थ्य चुकी है, मृत्यु के समय उनकी आयु और की अवस्था और मृत्यु का कारण

आपकी कितनी बहनें आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो जीवित हैं, उनकी आयु और हो चुकी है, मृत्यु के समय उनकी स्वास्थ्य की अवस्था आयु और मृत्यु का कारण।

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर 'हां' हो तो बताइये कि किस सेवा/सेवाओं के लिए आपकी परीक्षा की गई थी?

9. परीक्षा लेने वाला प्राधिकारी कौन था?

10. कब और कहाँ मेडिकल बोर्ड हुआ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो।

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर.....
मेरे भागने हस्ताक्षर किये।

बोर्ड के चेयरमैन के हस्ताक्षर.....

नोट:—उपर्युक्त कथन की यथार्थता के लिए उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छुपाने से वह नियुक्ति खां बैठने की जोखिम लेगा और यदि नियुक्त हो भी जाये तो आर्थिक निवृत्ति भत्ता (सुपरएन्युएशन अवॉर्णस) या उपदान (ग्रेज्युटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख)की शारीरिक परीक्षा की।

मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

सामान्य प्रकार :

अच्छा

निम्न

साधारण

घोषणा: पताल.....औसत.....मोटा.....
 कद (जूते उतार कर).....वजन.....
 अत्युत्तम वजन.....कब था?.....
 वजन में कोई हाल ही में हुआ परिवर्तन.....
 तापमान.....

छाती का घेर —

- (1) पूरा सांस खींचने पर.....
- (2) पूरा सांस निकालने पर.....
- (3) कलर विजन का दोष.....
- (4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन).....
- (5) दृष्टि की पकड़ (विजुअल एक्विटी).....
- (6) फंडस की जांच.....

चश्मे की पावर

दृष्टि की पकड़	चश्मे के बिना	चश्मे के गोले	चश्मे के सिलि० अक्ष
दूर की नजर	क्ष० ने०	बा० ने०	
पास की नजर	क्ष० ने०	बा० ने०	

दूर की नजर क्ष० ने०

बा० ने०

पास की नजर क्ष० ने०

बा० ने०

4. कान : निरीक्षण.....सुनना :
 दायां कान.....बायां कान.....
5. गंधियां.....थाह्राइड.....
6. दांतों की हालत.....
7. श्वसन तंत्र (रेस्पिरैटरी सिस्टम) क्या शारीरिक परीक्षा करने पर सांस के अंगों में किसी बिलक्षणता का पुरा व्योरा है ।

8. परिमंचय-रण (सक्युलेरटी सिस्टम)

(क) हृदय : कोई अंगिक क्षति (आर्गनिक लोजन)

गति (रेट)

खड़े होने पर :

25 बार कुदाए जाने के बाद.....

कुदाये जाने के 2 मिनट बाद.....

(ख) ब्लड प्रेशर.....सिस्टोलिक.....डायस्थालिक

9. उदर (पेट) : घेर.....दाब वेकदना (टेडरनेस)

हार्निया.....

(क) दबा कर मालूम पड़ना, जिगर.....

तिल्ली.....गुदे.....

ट्येसर.....

(ख) अवासीर के सस्से.....फिरकुला.

10. तंत्रि तंत्र (नर्वस सिस्टम) तंत्रिक या मानसिक अश्वततला का संकेत.....

11. चाल तंत्र (लोकामोटर सिस्टम)
 कोई बिलक्षणता.....

12. जनन-मूल तंत्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम)
 हाइड्रोसील बेरिकोसील आदि का कोई संकेत ।
 मूल परीक्षा

(क) कैसा दिखाई पड़ता है ।

(ख) स्पेसिफिक ग्रेविटी (अपेक्षित गुरुत्व)

(ग) हल्ब्युमेन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट (सेल्स)

13. छाती का पटेशन (स्क्रेनिंग) एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्ट

14. क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह उसे सेवा को दक्षतापूर्वक निभाने के लिए अयोग्य हो सकता है जिसके लिये वह उम्मीदवार है ।

15. (I) क्या वह भारतीय आर्थिक/भारतीय सांख्यिकीय सेवा में दक्षतापूर्वक और निरंतर कार्य करने के लिए सब तरह से योग्य पाया गया है ।

(II) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिय योग्य है ।

नोट—बोर्ड को अपना जांच परिणाम निम्नलिखित तीन वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिए ।

(I) योग्य (फिट)

(II) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण.....

(III) अस्थायी रूप से अयोग्य, जिसका कारण.....

स्थान.....

अध्यक्ष (प्रेसिडेंट).....

तारीख.....

सदस्य.....

सदस्य.....

इस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 15 जून 1971

सं० को० II-3(9)/71—भारत सरकार ने यह विनिश्चय किया है कि उस तकनीकी समिति के कार्यकाल को छह मास की और अतिरिक्त कालावधि के लिए अर्थात् 18 नवम्बर, 1971 तक विस्तारित किया जाए, जिसकी स्थापना भूतपूर्व पेट्रोलियम और रसायन तथा खान और धातु मंत्रालय के संकल्प सं० को० IX-2(41)/69-को० II, दिनांक 19 मई, 1970 के द्वारा कोयला प्रखालनशालाओं को संक्रिया का व्यापक रीति से अध्ययन करने के लिए छह मास की अवधि के लिए की गई थी और तत्पश्चात् भूतपूर्व पेट्रोलियम और रसायन तथा अलौह धातु मंत्रालय की अधिसूचना सं० को० II-3(9)/71, दिनांक 30 मार्च, 1971 के द्वारा छह मास की अतिरिक्त कालावधि अर्थात् 18 मई, 1971 तक विस्तारित किया गया था ।

शरण बिहारी लाल, संयुक्त सचिव

औद्योगिक विकास मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 14 जून 1971

संकल्प

सं० 33(7)/71-एल० कन० इण्ड०—वातानुकूलन और प्रशीतन उद्योग की वृद्धि और विकास की आयोजना के लिए आवश्यक विशेष अभ्युपायों का परीक्षण करने और भारत सरकार को सलाह देने के उद्देश्य से और इस क्षेत्र में निर्माताओं की विभिन्न समस्याओं पर विचार करने के लिए भारत सरकार ने इस उद्योग के लिए नामिका पुनर्गठित करने का निर्णय किया है। नामिका की संरचना निम्न प्रकार से होगी :—

1 श्री बी० पी० एस० मेनन अध्यक्ष

औद्योगिक सलाहकार,
तकनीकी विकास का महानिदेशालय,
नई दिल्ली।

2 श्री डी० बी० मलिक, सदस्य-सचिव

विकास अधिकारी,
तकनीकी विकास का महानिदेशा-
लय,
नई दिल्ली।

3 श्री एस० राघवैया, सदस्य

निदेशक,
विकास आयुक्त,
लघु उद्योग का कार्यालय,
नई दिल्ली।

4 श्री एन० एन० अभवाल, सदस्य

संयुक्त निदेशक,
योजना आयोग,
नई दिल्ली।

5 श्री सुरेन्द्र एम० मेहता, सदस्य

निदेशक,
एयर कंट्रोल एण्ड कैमिकल् इंजि०
कं० लि०,
रघुवंशी मिल्स कम्पाउंड,
11-12, हौन्स रोड,
बम्बई-13।

6 श्री राम डी० मलानी, सदस्य

कार्यकारी निदेशक,
ब्ल्यू स्टार लिमिटेड,
जमशेदजी टाटा रोड,
बम्बई-20।

7 श्री पी० डी० गुने, सदस्य

मुख्य कार्यकारी (संचालन),
मे० किलोस्कर ब्रादर्स लि०,
किलोस्कर बाड़ी,
जिला सांगली,
महाराष्ट्र।

8 श्री जे० सी० कपूर, सदस्य

निदेशक,
मे० डनफोस (इं०) लिमिटेड,
बी०-20/21,
इंडस्ट्रियल एरिया साइट नं० 3,
मेरठ रोड,
पो० बा० नं० 6,
गाजियाबाद।

9 श्री एम० सी० गुप्ता, सदस्य

मे० श्रीराम रिफ्रीजरेशन,
इंडस्ट्रीज लिमिटेड,
बालानगर टाउनशिप,
हैदराबाद-37।

10 श्री मनमोहन सिंह, सदस्य

प्रबन्ध निदेशक,
मे० फ्रिड इंडिया लिमिटेड,
जीवन बिहार,
3-पार्लियामेंट स्ट्रीट
पो० बा० नं० 118,
नई दिल्ली।

11 श्री जे० देसाई, सदस्य

प्रबन्ध निदेशक,
मे० कल्विनेटर आफ इण्डिया लि०,
28, न्यू इंडस्ट्रियल टाउन
फरीदाबाद।

12 श्री बी० पी० पुंज, सदस्य

मे० फेडर्स लायड कारपोरेशन
प्रा० लि०,
पुंज हाउस,
एम०-13, कनाट सर्कस,
नई दिल्ली।

13 श्री ओ० पी० भातिशा, सदस्य

उप-प्रबन्ध निदेशक,
मे० कटलर हैमर इंडिया लि०,
20/4, मथुरा रोड,
फरीदाबाद-II।

14 श्री बी० एस० दुआ, सदस्य

मे० अमेरिकन रिफ्रीजरेटर कं० लि०,
12-डी०, पार्क स्ट्रीट,
कलकत्ता-16।

15 श्री एच० एल० स्पेन्सर, सदस्य

प्रबन्ध निदेशक,
मे० एस० एफ० इंडिया लिमिटेड,
पो० बा० 411,
कलकत्ता-1।

16 श्री सुख० बालाभुषामनियन, सदस्य
मे० वोल्तास लिमिटेड,
19, ग्राहम रोड,
बम्बई-1।

17 श्री गजिन्द्र सिंह, सदस्य
मे० ओरियन्टल रिफ्रीजेशन एण्ड
इजीनियरिंग क० प्राइवेट लि०,
लक्ष्मी विल्डिंग,
प्रथम फ्लोर,
आसफ अली रोड,
पो० बा० न० 563
नई दिल्ली-1।

18 श्री जी० के० कबरा, सदस्य
चीफ इजीनियर,
मे० हैदराबाद अल्लिसे मिटल
वर्क्स लि०,
सतनगर,
हैदराबाद-18।

19 श्री अमरपी० सूर, सदस्य
मे० सूर इंडस्ट्रीज प्रा० लि०,
163, लोवर सरकुलर रोड,
कलकत्ता।

20 श्री रमेश आनन्द, सदस्य
मे० चन्द्र इंडस्ट्रीज,
जी० टी० रोड,
जलधर।

21 उप-निदेशक, सदस्य
निरीक्षण,
सीमा शुल्क और केन्द्रीय आबकारी,
वित्त मंत्रालय,
राजस्व और बीमा विभाग,
नई दिल्ली

22 खाद्य तथा कृषि मंत्रालय (खाद्य स्वास्थ्य
विभाग) का एक प्रतिनिधि।

23 श्री एम० बी० पाटनकर, सदस्य
निदेशक,
(मेक० इजी०) भारतीय मानक
संस्था
मूलक भवन,
बहादुर शाह जफर मार्ग,
नई दिल्ली।

24 सेंट्रल मैकेनिकल इजीनियरिंग रिमर्च सदस्य
इन्स्टीट्यूट का एक प्रतिनिधि।

2 नामिका का कार्यकाल दो साल के लिए होगा।

आवेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प की प्रति सभी सम्बन्धित
को भेजी जाए और आम सूचना के लिए इसे भारत के राजपत्र
में प्रकाशित किया जाए।

आर० के० तनवार, संयुक्त सचिव

सीमा शुल्क विकास बोर्ड

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 21 मई 1971

स० एफ० 4 (19)-बी० आर० डी० बी०/प्रोजेक्ट/64-
पत्र स० एफ० 4 (19)-बी० आर० डी० बी०/प्रोजेक्ट/64,
दिनांक 14 अक्टूबर 1970 के अन्तर्गत प्रकाशित संकल्प में
आशिकी आशोधन करते हुए तत्काल से श्री एच० सी० महोत्रा,
चीफ इजीनियर, आई० पी० डब्ल्यू० डी०, हिमाचल प्रदेश
सरकार, शिमला, के स्थान पर श्री एच० जी० वर्मा, चीफ
इजीनियर, पी० डब्ल्यू० डी०, उत्तर प्रदेश सरकार, लखनऊ,
को समिति के एक सदस्य के रूप में मनोनीत किया जाता
है।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि संकल्प में उपर्युक्त आशोधन को
भारत सरकार के राजपत्र के भाग-1 खण्ड-1 में प्रकाशित किया
जाए।

एस० के० छिब्वर, सचिव

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय

(शिक्षा विभाग)

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 10 जून 1971।

स० 9 15/70-आयोजना-II/सी० आर०—भारत सरकार
भी भावालोष को, डा० डी० आर० गोडगिल के दुःखद देहान्त
के फलस्वरूप रिक्त हुए स्थान पर परिषद के पद की अवधि
(1969-72) के असमाप्त भाग के लिए भारतीय सामाजिक
विज्ञान अनुसन्धान परिषद्, नई दिल्ली के सदस्य के रूप में सहर्ष
नियुक्ति करते हैं।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की प्रतिलिपि सभी
राज्य सरकार और सघ शासित क्षेत्रों के प्रशासकों, भारत सरकार
के सभी मंत्रालयों, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसन्धान परि-
षद्, नई दिल्ली को प्रेषित की जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि संकल्प भारत के राजपत्र
में सूचनार्थ प्रकाशित किया जाए।

स० 9-34-71-पी० आर० I-भारतीय सामाजिक
विज्ञान अनुसन्धान परिषद् के नियमों के नियम 3 में अन्तर्विष्ट

शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार, टाटा सामाजिक विज्ञान संस्थान, बम्बई के निदेशक डा० एम० एम० गौरे को स्वर्गीय डा० डी० आर० गडगिल की नियुक्ति की अवधि के अ समाप्त भाग के लिए अर्थात् 11 मई, 1971 तक भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद के अध्यक्ष के रूप में महर्षि नियुक्त करने ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प की एक प्रति सभी राज्य सरकारों और मध्य शामिल प्रशासनों, भारत सरकार के सभी मंत्रालयों, भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली को प्रेषित की जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि सकल्प का भारत के राजपत्र में सूचनार्थ प्रकाशन किया जाए ।

जे० पी० नाईक, मन्त्रालय

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1971

स० 71/आ० ई०/161/9—महर्षि सम्बन्धित की आम जानकारी के लिए एतद्वारा अधिसूचित किया जाता है कि उत्तर रेलवे द्वारा, पनकी (यू० पी० एस० ई० वी० सब स्टेशन) से फफुद रेलवे स्टेशन (किलोमीटर 1100.42) तक डाली गई 132 किलोवोल्ट की डबल सर्किट संचारण लाइन में, जो कि रेल पथ के समानान्तर चलती है और समीप के गांवों के पास से होकर निकलती है, 21-6-1971 से 132 किलोवोल्ट ए० सी० 50 गायकिल प्रति मैकण्ड की बिजली संचारित कर दी जाएगी । उक्त तारीख से ऊपरी कर्षण लाइन को हर समय बिजली युक्त माना जाएगा और कोई भी अनधिकृत व्यक्ति न तो उस ऊपरी लाइन के पास जाएगा और न उसके आसपास काम करेगा ।

वेद प्रकाश गाहनी सचिव
रेलवे बोर्ड

सिचाई और विद्युत मंत्रालय

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 4 जून 1971

स० भा० नि० 2/(3)(8)/68—इस मंत्रालय के सकल्प स० वि० का० पाच 502 (37)/68, दिनांक 21 मितम्बर, 1970, जिसका नाम से इस मंत्रालय के सकल्प स० वि० का० पाच-502(37)/68 दिनांक 28 नवम्बर, 1970 और भा० नि० 2(12)/70, दिनांक 26 फरवरी, 1971 द्वारा मणोधन कर दिया गया था के पैरा-1 में क्रम० स० 11 के अन्तर्गत वर्तमान इन्दराज के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाए —

‘11 राज्य सत्री

सदस्य

बाड नियन्त्रण,

असम ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प की एक प्रति असम राज्य सरकार/भारत सरकार के सम्बन्ध मंत्रालय/प्रधान मंत्री मन्त्रिमण्डल/राष्ट्रपति के निजी आर सैनिक सचिव/भारत के नियंत्रक तथा महा लेखा/याचक/योजना आयोग को सूचनार्थ भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प को भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए और राज्य सरकार से अनुमोदित किया जाए कि वह इसे राज्य के राजपत्र में सामान्य सूचनार्थ प्रकाशित कर दे ।

बी० एम० बमल, सचिव

सकल्प

नई दिल्ली दिनांक - - जून 1971

स० वि० का० दो० 37(19)/70—सिचाई आयोग की स्थापना के सम्बन्ध में इस मंत्रालय के सकल्प सख्या वि० का० दो०-28(52)/67 दिनांक 1 अप्रैल, 1969 के पैरा 1 में निर्दिष्ट वर्तमान इन्दराज “डा० एस० आर० मेन अतिरिक्त सचिव, योजना आयोग” के स्थान पर निम्नलिखित होगा —

“श्री एल० जे० जन्मन”

आदेश

आदेश दिया जाता है कि उपर्युक्त सकल्प को भारत सरकार के सभी मंत्रालयों/विभागों तथा राज्य सरकारों/संघीय क्षेत्र के प्रशासनों को भेज दिया जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस सकल्प को भारत के राजपत्र के भाग-1 खण्ड-1 में प्रकाशित कर दिया जाए ।

एन० मो० सक्सेना, संयुक्त सचिव

संकल्प

नई दिल्ली, दिनांक 17 जून 1971

स० ई० एल०-11 34(37)/71—हिमाचल राज्य विद्युत् बोर्ड के गठन हो जाने के बाद यह आवश्यक हो गया है कि उक्त बोर्ड को उत्तरी क्षेत्रीय विद्युत् बोर्ड में सम्बद्ध कर दिया जाए । यह निर्णय लिया गया है कि मुख्य इंजीनियर, हिमाचल प्रदेश की जगह अध्यक्ष, हिमाचल राज्य विद्युत् बोर्ड को सदस्य बनाया जाए । उत्तरी क्षेत्रीय विद्युत् बोर्ड के गठन के सम्बन्ध में इस मंत्रालय के तारीख 13 फरवरी 1964 के सकल्प स० ई० एल०-II-35(3)/63 के पैरा 2 के अनुसार, जिसे इस मंत्रालय के दिनांक 5 अगस्त, 1966 के सकल्प स० ई० एल०-II-34(27)/66 और दिनांक 13 मितम्बर, 1967, 12 जून, 1968 और 20 सितम्बर, 1968 और 11 दिसम्बर, 1968, के सकल्प स० ई० एल०-II-34(45)/66 द्वारा मणोधन किया गया है, इस बोर्ड का पुनर्गठन इस प्रकार होगा —

1. राज्य मंत्री, प्रभारी, निर्माण-कार्य, सिंचाई और विद्युत् जम्मू व कश्मीर या उनके प्रतिनिधि ।
2. अध्यक्ष, पंजाब राज्य विद्युत् बोर्ड ।
3. अध्यक्ष, राजस्थान राज्य विद्युत् बोर्ड ।
4. अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत् बोर्ड ।
5. अध्यक्ष, दिल्ली विद्युत् प्रदाय समिति ।
6. अध्यक्ष, हरियाणा राज्य विद्युत् बोर्ड ।
7. अध्यक्ष, भाखड़ा प्रबंधक बोर्ड ।
8. अध्यक्ष, हिमाचल राज्य विद्युत् बोर्ड ।
9. मुख्य इंजीनियर, प्रभारी, विद्युत् निर्माण कार्य, खंडीगढ़
10. केन्द्रीय विद्युत् प्राधिकरण का एक प्रतिनिधि ।
11. सदस्य-सचिव ।

पंजाब, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू व कश्मीर, राजस्थान, उत्तर प्रदेश और भाखड़ा प्रबंधक बोर्ड के सदस्यों में से प्रत्येक बारी बारी से एक वर्ष के लिए अध्यक्ष रहेंगे ।

आदेश

आदेश दिया जाता है कि ऊपर के संकल्प की सूचना जम्मू व कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, और दिल्ली और खंडीगढ़ के संघीय राज्य क्षेत्रों, भाखड़ा प्रबंधक बोर्ड और भारत सरकार के मंत्रालयों, प्रधानमंत्री सचिवालय, राष्ट्रपति के सचिव, योजना आयोग और भारत के नियंत्रक और महालेखापरीक्षक को भेज दी जाए ।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए ।

बी० पी० पटेल, सचिव

PRESIDENT'S SECRETARIAT

New Delhi, the 26th January 1971

No. 31-Pres./71.—The President is pleased to approve the award of the KIRTI CHAKRA for acts of conspicuous gallantry to :—

1. 2949472 Naik JAGBIR SINGH,

Rajput.

(Posthumous)

(Effective date of award—15th March, 1970)

Naik Jagbir Singh was on annual leave at his village Aurandh in district Mainpuri in Uttar Pradesh. On the night of 15th/16th March, 1970, at about 2300 hours, a gang of 15 to 16 armed dacoits raided the house of one of his neighbours. On hearing gun shots, Naik Jagbir Singh, who possessed a 12 bore gun, promptly organised a party from among the villagers and chalked out a plan to capture the dacoits. Three parties were formed to carry out this task; the main group was led by Naik Jagbir Singh himself. A pitched gun battle took place between the rescue party led by the NCO and the dacoits. Naik Jagbir Singh charged the escaping dacoits and caught hold of one of them. On seeing that one of their members had been captured, the rest of the gang took to their heels but one of them fired at Naik Jagbir Singh from point blank range as a result of which he died.

In this action, Naik Jagbir Singh displayed gallantry of a very high order.

2. Shri VILA PRALIE ANGAMI, SC. (Posthumous)

(Effective date of award—13th May 1970)

On the 13th May 1970, Shri Vila Pralie Angami, a former village Guard, assisted in the capture and interrogation of two persons from a village in Kohima district, suspected of illegal activities. Subsequently, he accompanied a column of the security forces looking for illegal weapons. In the course of the search, in an encounter, four hostiles were killed and three rifles and a large quantity of ammunition were captured. On the 25th June, 1970, he again assisted in the capture and interrogation of two persons from another village, who were suspected of illegal activities. After interrogation, he accompanied a party of the security forces in search of a camp where some illegally held weapons were believed to have been stored. In the encounter, four hostiles were killed and three rifles and a large quantity of ammunition were captured. Again on the 29th June, 1970, he accompanied a column of security forces to a hide out. During search, some weapons and ammunition were captured and a hostile was wounded. Shri Vila Pralie Angami was shot and mortally wounded by a hostile on the 2nd September 1970, at Kohima. He expired on 3rd September, 1970.

Throughout, Shri Vila Pralie Angami displayed gallantry of a very high order.

No. 32-Pres./71.—The President is pleased to approve the award of the SHAURYA CHAKRA for acts of gallantry to :—

1. Shri CHELIAH RAMAMOORTHY, AEE (C), GO-583

(Effective date of award—16th August 1966)

Shri Cheliah Ramamoorthy, Assistant Executive Engineer was posted to Mizo Hills in 1964. He was assigned the task of reconnaissance, survey and trace-cut of a new alignment on a stretch of the Aijal-Lungleh Road. He carried out this task with drive and determination. In March 1966, hostilities broke out in the district. The Border Roads personnel deployed in the area suffered a number of casualties. The labour employed on the road construction work deserted their work and the road operations almost came to a standstill. The operational importance of this road required that it was kept open for traffic. As Assistant Executive Engineer in-charge of the sector, he made contacts with the villages for getting the required labour force and by his tact, drive, initiative and at a great risk to his personal safety, he managed to recommence the work. On 16th August 1966, when two masons and a few pioneers and labour were working on a culvert, some armed hostiles came to the site to scare away the men at work in order to disrupt the work in progress. One mason was shot dead by them and the other men fled away in panic. On hearing the shots, Shri Ramamoorthy, even though unarmed and unprotected, proceeded to the site. He reorganised the men, recommenced work and personally remained at that point till confidence was restored.

In this action, Shri Cheliah Ramamoorthy displayed gallantry of a high order.

2. Shri BHOGIRAM BORA, Circle Organiser, SSB, Directorate General of Security.

(Effective date of award—14th March 1969)

On the 14th March, 1969, Shri Bhogiram Bora, who was travelling on duty, was waiting at Rangiya Railway Station to catch a train to North Lakhimpur. Suddenly, one passenger ran amuck and began stabbing other passenger. After he had stabbed about 21 persons, he rushed towards some women and stabbed two of them. In panic, people ran in different directions or got into railway compartments. However, a number of women passengers who could not run away or take shelter in railway compartments, fell victim to assailant. Shri Bora approached the assailant from behind, while he was about to stab a woman passenger. He caught hold of the assailant's right hand in which he was holding a dagger and grappled with him. Shri Bora held the assailant firmly and after a protracted struggle, succeeded in pinning him to the ground. The assailant was then disarmed by a villager. By this act of gallantry, Shri Bhogiram Bora saved not only a woman passenger who was in imminent danger of being stabbed by the assailant, but also many others at great risk to his own life.

In this action, Shri Bhogiram Bora displayed gallantry of a high order.

3. 6355031 Havildar Clerk RUDRA NARAIN DUBEY, Army Service Corps.

(Effective date of award—4th March 1970)

Havildar Clerk Rudra Narain Dubey was on annual leave at his native village Parsahwa in Uttar Pradesh. On the night of 4th/5th March, 1970, a gang of dacoits raided the house of his neighbour, Shri Sukhdco Dubey. Unmindful of his personal safety, Havildar Dubey went to the rescue of his neighbour and challenged the dacoits. Although in the course of resistance, he received multiple bullet injuries in both legs, he succeeded in preventing the dacoits from committing the dacoity. By his timely action and initiative, he saved the life and property of his neighbour.

In this action, Havildar Clerk Rudra Narain Dubey displayed gallantry of a high order.

4. Shri RANGASWAMY SUBHARAYA RANGASWAMY, Executive Engineer, GO-339.

(Effective date of award—20th July 1970)

On the 20th/21st July 1970, floods of an unprecedented magnitude, occurred in the Alakananda river. The swollen waters of river Alakananda and its tributaries had washed away many bridges and had caused considerable damage to Rishikesh-Joshimath-Mana and Joshimath-Malari-Sumna road. The task of repairing this important road was assigned to Shri Rangaswamy. The surging waters of river Alakananda had caused a breach of 150 metres in the road near Chamoli. After several attempts to fill up the breach had failed because of the force of rushing waters, Shri Rangaswamy decided to attempt the diversion of the flow of the river Alakananda. With ropes tied around their waists, the men led by this officer completed the task. After causing a breach in the Gohna lake, Virhi Ganga had deposited a lot of silt under the bridge and was flowing away from it. Realising the magnitude of the work involved, this officer ordered the establishment of an aerial ropeway and a foot bridge for his men and stores to be ferried across. Unmindful of the hazards, Shri Rangaswamy led his men step by step from one task to the other successfully completing until the mission was finally accomplished. Again, on hearing about the disappearance of a length of 700 feet of road as a result of landslide caused by floods on 12th/13th August 1970, he proceeded to the site after walking a distance of 30 Kilometers during night. This road block aggravated the problem of logistics. Realising the gravity of the situation, he ordered the opening of the existing bridle track for light vehicular traffic. Simultaneously, the plan of building a new road through the active slide was put into operation.

Throughout, Shri Rangaswamy Subharaya Rangaswamy displayed gallantry of a high order.

5. Shri SURENDRA SINGH NEGI, Sub-Overseer, G/100128

(Effective date of award—20th July 1970)

On 20th/21st July 1970, the unprecedented floods in river Alakananda completely disrupted the lines of communication on Rishikesh-Joshimath-Mana and Joshimath-Malari roads. The first major road breach occurred at a distance of 228 Kilometres from Rishikesh. As a part of the operation to establish a road link across the breach, it was necessary to take a dozer across the breach through the river bed and the active slide. This hazardous task was assigned to Shri Surendra Singh Negi. After taking necessary precautions with regard to the safety of his men and the dozer, he asked the dozer operator to proceed into the breach. The dozer got bogged down and it could not move. Shri Negi then led a party of 10 men with crowbars into knee deep water in order to extricate the dozer. No sooner did he complete the job and the dozer started moving across the breach, a warning was sounded by the look-out men about the approach of the slide from a height of nearly 100 ft. directly above the dozer site. Before the men with the dozer could reach the place of safety, they were hit by the falling debris. Several men including Shri Negi and the operator were injured. Despite injuries, Shri Negi remained at his post and in utter disregard of his personal safety, continued to render assistance to those injured till he himself fell unconscious.

In this action, Shri Surendra Singh Negi displayed gallantry of a high order.

6. Shri BHAGWAN SINGH, OEM, G/59320

(Effective date of award—20th July 1970)

As a result of unprecedented floods on the 20th/21st July 1970 and the 12th/13th August 1970 in Garhwal Hills, a huge landslide occurred at KM 147 on Rishikesh-Joshimath road along 700 foot of the road. The landslide remained active and it appeared impossible to tackle it as stones and debris continued to fall. Shri Bhagwan Singh volunteered to clear the slide with his dozer. Taking calculated risks he, in the midst of shooting stones, cut a new road bit by bit in order to establish the link. Even after full day's work, he declined to be relieved by another operator and asked permission to complete the task. After nearly 10 days of working under extremely hazardous conditions and without any regard to his personal safety, he succeeded in establishing the link.

In this action, Shri Bhagwan Singh displayed gallantry of a high order.

7. Shri GURDIAL SINGH, OEM, G/25743

(Effective date of award—20th July 1970)

The unprecedented rain and heavy floods on 20th and 21st July 1970 in river Alakananda and its tributaries caused considerable damage to Rishikesh-Joshimath-Badrinath and Joshimath-Malari roads. Left bank of Reni bridge on river Rishiganga on Joshimath-Malari road was completely cut off and the river bed was heavily silted to the extent of 60 to 70 feet, thereby diverting the flow of the river to the left bank. As diversion of the river through Reni bridge could be carried out only by working from the left bank, where no machine was readily available, taking at least one dozer across Rishiganga was of utmost importance. Shri Gurdial Singh volunteered to take the dozer across the flooded river. Throughout the night of 25th July 1970, he kept on digging channels and when the mouth of channels was thrown open, water rushed into the channels and at one stage the dozer got stuck in the middle of the stream. Shri Gurdial Singh with a rope tied to his waist, succeeded in manoeuvring the dozer to safety. Again on 26th July 1970 at about 1300 hours, when the dozer was working between two rushing streams, Shri Gurdial Singh stuck to his machine in the face of imminent danger to his own life. He manoeuvred the machine and taking calculated risks, succeeded in crossing over the left bank at 1500 hours.

In this action, Shri Gurdial Singh displayed gallantry of a high order.

8. Shri SADHU RAM NARANG, CO Gde. III, GO-833

(Effective date of award—20th July 1970)

Due to unprecedented floods on 20th/21st July 1970 in Garhwal Hills, considerable damage was caused to life and property and there was total disruption of road communications with most of the bridges blown off and portions of road completely destroyed. For speedy restoration of communications on the main axis, all resources had to be shifted from Malari-Sumna Sector to Rishikesh-Joshimath-Badrinath Sector. Shri Sadhu Ram Narang was given the task of de-inducting his Pioneer Company from Malari-Sumna Sector for deployment in Rishikesh-Joshimath-Badrinath sector. The Officer organised the move on an operational basis and inspired his men by his personal example, hard work, devotion to duty and leadership. With ropes tied around their waist, he himself led his men, section by section, through the flooded stream, inspiring and guiding them at every stage. The officer stuck to his post until every man of his unit had crossed over to the other side to safety. He then moved his unit in a similar manner on man pack basis across numerous deep gorges and road blocks and successfully completed his mission in less than week's time.

In this action, Shri Sadhu Ram Narang displayed gallantry of a high order.

9. Shri PREM SINGH, Pioneer, G/72548

(Effective date of award—21st July 1970)

On the afternoon of the 20th July 1970, unprecedented floods occurred in Birahi-Belakuchi-Joshimath area. All channels of communications including wireless were disrupted; the road was damaged and all the main bridges were blown off. It was not possible to send information about this disaster except through a messenger. At 1330 hours on 21st July 1970, Shri Prem Singh was detailed to carry this important message to the Task Force Headquarters at

Marwari. Shri Prem Singh covered this distance by walking, day and night, taking risks in utter disregard of his personal safety. As most of the bridges had been washed away and there were over a hundred large and active land-slides, he had to cross flooded nullahs, steep slushy slopes and deep gorges. Had it not been for his determination and bold action the message would not have reached its destination.

In this action, Shri Prem Singh displayed gallantry of a high order.

P. N. KRISHNA MANI, Jt. Secy. to the President

LOK SABHA SECRETARIAT

(Estimates Committee Branch-II)

New Delhi, the 19th June 1971

No. 31 ECC/71.—The following Members of the Lok Sabha have been elected to serve on the Committee on Estimates for the term ending on the 30th April, 1972 :—

1. Shri Maganti Ankineedu
2. Shri Asghar Husain
3. Shri Aziz Imam
4. Shri Hemendra Singh Banera
5. Shri Narendra Singh Bisht
6. Shri A. Durairasu
7. Shri Krishna Chandra Halder
8. Shri A. K. M. Ishaque
9. Shri Tha Kiruttinan
10. Shri Liladhar Kotoki
11. Shri K. Lakkappa
12. Shri G. S. Mishra
13. Shri Piloo Mody
14. Shri Mohan Swaroop
15. Shri D. K. Panda
16. Shri S. B. Patil
17. Shri T. A. Patil
18. Shri Shibban Lal Saksena
19. Dr. H. P. Sharma
20. Shri Ram Ratan Sharma
21. Shri Shiv Kumar Shastri
22. Shri Somchand Solanki
23. Shri C. M. Stephen
24. Shri Komareddi Suryanarayana
25. Shri Venkatrao Tarodekar
26. Shri K. N. Tewari
27. Shri Krishnarao Thakur
28. Shri N. Tombi Singh
29. Shri Nanjibhai Ravjibhai Vekaria
30. Shri N. P. Yadav

M. S. SUNDARESAN, Dy. Secy

CABINET SECRETARIAT

(Department of Personnel)

New Delhi, the 3rd July, 1971

RULES

No. 32/7/71-ESTT(E).—The rules for a competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in January 1972 for the purpose of filling vacancies in Grade IV of the following Services are published for general information :—

- (i) The Indian Economic Service, and
- (ii) The Indian Statistical Service.

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission. Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950, the Constitution (Scheduled Castes) (Part C States) Order, 1951, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950, and the Constitution (Scheduled Tribes) (Part C States) Order, 1951, as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956 read with the

Bombay Reorganisation Act, 1960 and the Punjab Reorganisation Act, 1966; the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1963, the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968 and the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix II to these rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. A candidate must be either :—

- (a) a citizen of India, or
- (b) a subject of Sikkim, or
- (c) a subject of Nepal, or
- (d) a subject of Bhutan, or

(e) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962, with the intention of permanently settling in India, or

(f) a person of Indian origin who has migrated from Pakistan, Burma, Ceylon and East African countries of Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) with the intention of permanently settling in India.

Provided that a candidate belonging to categories (c), (d), (e) and (f) above shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination and he may also provisionally be appointed subject to the necessary certificate being given to him by the Government.

5. (a) A candidate for admission to this examination must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on 1st January, 1972 i.e., he must have been born not earlier than 1946 and not later than 1st January, 1951.

(b) The upper age limit prescribed above will be relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* displaced person from East Pakistan and has migrated to India on or after 1st January, 1964;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Pondicherry and has received education through the medium of French at some stage;
- (v) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Ceylon and has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a resident of the Union Territory of Goa, Daman and Diu;
- (viii) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya.

Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar);

- (ix) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (x) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963;
- (xi) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof; and
- (xii) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

6. (a) A candidate for the Indian Economic Service must have obtained a degree with Economics or Statistics as a subject from any of the Universities enumerated in Appendix I.

(b) A candidate for the Indian Statistical Service must have obtained a degree with Statistics or Mathematics or Economics as a subject from any of the Universities enumerated in Appendix I or possess any of the qualifications mentioned in Appendix I-A.

Note I.—A candidate who has appeared at an examination the passing of which would render him eligible to appear at this examination but has not been informed of the result may apply for admission to the examination. A candidate who intends to appear at such a qualifying examination may also apply provided the qualifying examination is completed before the commencement of this examination. Such candidates will be admitted to the examination, if otherwise eligible, but the admission would be deemed to be provisional and subject to cancellation if they do not produce proof of having passed the examination, as soon as possible, and in any case not later than two months after the commencement of this examination.

Note II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate, who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

Note III.—A candidate who is otherwise qualified but who has taken a degree from a foreign university which is not included in Appendix I, may also apply to the Commission and may be admitted to the examination at the discretion of the Commission.

7. Candidates must pay the fee prescribed in Annexure I to the Commission's Notice.

8. A candidate already in Government Service, whether in a permanent or a temporary capacity, must obtain prior permission of the Head of the Department to appear for the Examination.

9. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

10. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

11. Any attempt on the part of a candidate to obtain support for his candidature by any means may disqualify him for admission.

12. A candidate who is or has been declared by the Commission guilty of impersonation or of submitting fabricated documents or documents which have been tampered with or of making statements which are incorrect or false or of suppressing material information or otherwise resorting to any other irregular or improper means for obtaining admission to the examination or of using or attempting to use unfair means the examination hall or of misbehaviour in the examination

hall, may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution.—

(a) be debarred permanently or for a specified period:—

(i) by the Commission, from admission to any examination or appearance at any interview held by the Commission for selection of candidates; and

by the Central Government from employment under them;

(b) be liable to disciplinary action under the appropriate rules, if he is already in service under Government.

13. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for viva voce.

After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes can not be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the Services, irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

15. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

16. In the case of the candidates competing for both the Services, due consideration will be given to the order of preference expressed by a candidate at the time of his application.

17. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry, as may be considered necessary, that the candidate is suitable in all respects for appointment to the Service.

18. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such physical examination as Government or the appointing authority, as the case may be may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for viva voce by the Commission may be required to undergo physical examination.

Note.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standards required are given in Appendix IV to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

19. No person

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person

shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

20. Brief particulars relating to the Services to which recruitment is being made through this examination are stated in Appendix III.

K. V. MAHALINGAM

Under Secy.

APPENDIX I

List of Universities approved by the Government of India
(vide Rule 6)

INDIAN UNIVERSITIES

Any University incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational institutes established by an Act of Parliament or declared to be deemed as Universities under Section 3 of the University Grants Commission Act 1956.

UNIVERSITIES IN BURMA

The University of Rangoon.

The University of Mandalay

ENGLISH AND WELSH UNIVERSITIES

The Universities of Birmingham, Bristol, Cambridge, Durham, Leeds, Liverpool, London, Manchester, Oxford, Reading, Sheffield and Wales.

SCOTTISH UNIVERSITIES

Universities of Aberdeen, Edinburgh, Glasgow and St. Andrews.

IRISH UNIVERSITIES

The Universities of Dublin (Trinity College).

The National University of Ireland.

The Queen's University, Belfast.

UNIVERSITIES IN PAKISTAN

The University of Punjab.

The Dacca University.

The University of Sind.

The Raishahi University.

UNIVERSITY IN NEPAL

The Tribhuvan University, Kathmandu.

APPENDIX I-A

List of qualifications recognised for admission to the examination for the Indian Statistical Service only [vide Rule 6(b)].

- (i) Statistician Diploma of the Indian Statistical Institute, Calcutta.
- (ii) Professional Statisticians Certificate of the Institute of Agricultural Research Statistics, ICAR, Delhi

APPENDIX II

SECTION I

Plan of the Examination

The competitive examination for the Indian Economic Service and the Indian Statistical Service comprises:—

(I) Written Examination in—

- (i) compulsory subjects as set out in Sub-Sections (A) (a) and (B) (a) respectively of Section II below, carrying a maximum of 700 marks.
- (ii) A selection from the optional subjects set out in Sub-Sections (A) (b) and (B) (b) respectively of Section II below. Subject to the provisions of those Sub-Sections, candidates may take optional subjects up to a total of 400 marks for each Service.

(II) *Viva-voce* (vide Part B of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying a maximum of 250 marks.

SECTION II

Examination Subjects

(A) The Indian Economic Service

(a) Compulsory subjects (vide Sub-Section (I) (i) of Section I above.)

Maximum Marks

(1) General English	150
(2) General Knowledge	150
(3) Economics I	200
(4) Economics II	200

(b) Optional subjects (vide Sub-Section (I) (ii) of Section I above).

Maximum Marks

(1) Comparative Economic Development ..	200
(2) Money and Public Finance	200
(3) Rural Economics and Co-operation ..	200
(4) International Economics	200
(5) Statistics I	200
(6) Statistics II	200
(7) Mathematical Economics and Econometrics.	200
(8) Sample Surveys	200
(9) Industrial Economics	200
(10) Theory and Practice of Trade	200
(11) Business Finance and Accounts ..	200
(12) Business Management and Commercial Law.	200

Provided that no candidate shall be allowed to offer both "International Economics" (4) and "Theory and Practice of Trade" (10).

*In this subjects there will be separate papers on each of the following five branches, viz., (i) Industrial Statistics, (ii) Economic Statistics, (iii) Educational Statistics, (iv) Genetical Statistics and (v) Demography and Vital Statistics, of which a candidate is required to choose any two. Each paper will carry a maximum of 100 marks.

(B) The Indian Statistical Service.

(a) Compulsory Subjects (vide Sub-Section (I) (i) of Section I above).

Maximum Marks

(1) General English	150
(2) General Knowledge	150
(3) Statistics I	200
* (4) Statistics II	200

(b) Optional subjects (vide Sub-Section (i) (ii) of Section I above).

Maximum Marks

(1) Advanced Probability and Stochastic Processes.	200
(2) Statistical Inference	200
(3) Design of Experiments	200
(4) Sample Surveys	200
(5) Economics I	200
(6) Economics II	200
(7) Mathematical Economics and Econometrics	200
(8) Comparative Economic Development ..	200
(9) Pure Mathematics I	200
(10) Pure Mathematics II	200
(11) Pure Mathematics III	200
(12) Applied Mathematics	200

*In this subject there will be separate papers on each of the following five branches, viz., (1) Industrial Statistics (including Statistical Quality Control), (ii) Economic Statistics, (iii) Educational Statistics, (iv) Genetical Statistics and (v) Demography and Vital Statistics, of which a candidate is required to choose any two. Each paper will carry a maximum of 100 marks.

Note.—The standard and syllabi of the subjects mentioned in this Section are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

SECTION III

General

1. ALL QUESTION PAPERS MUST BE ANSWERED IN ENGLISH.

2. There will be one paper of three hours duration in each of the subjects referred to in Section II above, except in the subject Statistics II. In Statistics II, there will be five papers, each of 1½ hours' duration vide Note under this subject at item 6 of Part A of the Schedule to this Appendix.

3. Candidates must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. For the Indian Economic Service, the papers in the optional subjects and in the following compulsory subjects, viz. General English and General Knowledge, of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in the following compulsory subjects, viz., Economics I and Economics II.

For the Indian Statistical Service, the papers in the optional subjects and in the following compulsory subjects viz., General English and General Knowledge, of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in the following compulsory subjects, viz., Statistics I and Statistics II.

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. Candidates are expected to be familiar with the metric system of weights and measures. In the question papers, wherever necessary, questions involving the use of metric system of weights and measures may be set.

SCHEDULE

PART A

The standard of papers in English and General Knowledge will be such as may be expected of a graduate of an Indian University.

The standard of papers in the other subjects will be that of the Master's degree examination of an Indian University in the relevant discipline. The candidates will be expected, to illustrate theory by facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems in the field(s) of Economics/Statistics.

1. General English.—

Candidates will be required to write an essay in English. Other questions will be designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Passages will usually be set for summary or précis.

2. General Knowledge.—

The paper will consist of two parts :

In the first part candidates will be required to answer questions designed to test their knowledge of current events and of such matters of every day observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any scientific subject. Questions may also be set on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study.

In the second part candidates will be required to answer questions designed to test their ability to deal with facts and figures and to make logical deductions therefrom, their capacity to perceive implications, and their ability to distinguish between the important and the less important.

3. Economics I.—

Scope and methodology.

Equilibrium analysis,

Theory of consumers' demand. Indifference curve analysis, Revealed preference approach. Consumer's surplus.

Theory of production. Factors of production. Production functions. Laws of returns. Equilibrium of the firm and the industry.

Pricing under various forms of market organisation. Pricing in a socialist economy. Pricing in a mixed economy.

Public utilities; economic characteristics of public utilities; price determination in public utilities; regulation of public utilities.

Theory of distribution. Pricing of factors of production. Theories of rent, wages, interest and profit. Macrodistribution theory. Share of wages in national income. Profits and economic progress. Inequalities in income distribution.

Theory of employment and output—the classical and neo-classical approaches. Keynesian theory of employment. Post-Keynesian developments.

Economic fluctuations. Theories of business cycle. Fiscal and monetary policies for control of business cycles.

Welfare economics; scope of welfare economics; classical and neo-classical approaches; New welfare economics and the compensation principles; optimum conditions; policy implications.

4. Economics II.—

Concept of economic growth and its measurement.

Social accounts; national income accounts; flow of funds; accounts; input-output accounting.

Social institutions and economic growth. Characteristics and problems of developing economies.

Population growth and economic development.

Theories of growth. Growth models.

Planning—Concept and methods. Planning under Capitalist and Socialist forms of economic organisation. Planning in a mixed economy. Perspective planning. Regional planning. Investment criteria and choice of techniques; Cost-benefit analysis. Planning models.

Planning in India. Evolution of Planning. Five Year Plans. Objectives and techniques. Problems of resource mobilization, administration and public co-operation. Role of monetary and fiscal policies; price policy, controls and market mechanism. Trade policy and Balance of payments. Role of public enterprises.

5. Statistics I.—

Different types of numerical approximations; finite differences, standard interpolation formulae and their accuracies; inverse interpolation. Numerical methods of differentiation and integration.

Definition of probability. Classical approach, axiomatic approach. Sample space. Laws of total and compound probability. Conditional probability. Independent events. Bayes's formula. Random variables: probability distributions; Mathematical expectation. Moment generating functions and characteristic functions. Inversion theorem, Tchebychev's inequality. Conditional distributions. Laws of large numbers and central limit theorems.

Standard distributions: Binomial, Poisson, Normal Rectangular, Exponential, Negative binomial, Hypergeometric, Cauchy, Laplace, Beta and Gamma distributions. Bivariate and Multivariate normal distributions.

Large and small sample theory: Asymptotic sampling distributions and large sample tests. Standard sampling distributions such as t , F , and tests of significance based on them. Association and analysis of contingency tables.

Analysis of variance. Theory of linear estimation. Two-way classification with interaction. Analysis of covariance. Basic principles of design of experiments. Layout and analysis of common designs such as randomised blocks, Latin square Factorial experiments and confounding Missing plot techniques.

Sampling techniques : Simple random sampling with and without replacement. Stratified sampling. Ratio and regression estimates. Cluster sampling, multistage sampling and systematic sampling. Non-sampling errors.

Estimation : Basic concepts. Characteristics of a good estimate. Point and interval estimates. Maximum likelihood estimates and their properties.

Tests of hypotheses. Statistical hypotheses : Simple and composite. Concept of a statistical test. Two kinds of error. Power function. Likelihood ratio tests. Confidence interval estimation. Optimum confidence bounds.

Common non-parametric tests such as sign test, median test and run test. Wald's sequential probability ratio test for testing a simple hypothesis against a simple alternative. OC & ASN functions and their approximations.

6. Statistics II.—

NOTE :—In this subject, there will be separate papers on each of the following five branches, viz. (i) Industrial statistics (including Statistical Quality Control),

- (ii) Economic Statistics, (iii) Educational Statistics, (iv) Genetical Statistics, and (v) Demography and Vital Statistics.

Candidates offering this subject, whether as a compulsory or as an optional subject, are required to choose any two of the above papers, which they must indicate in their applications. No change in the selection of papers once made will be allowed.

- (i) *Industrial Statistics (including Statistical Quality Control).*

Theoretical basis of quality control in industry, Tolerance limits. Different kinds of control charts—X, R charts, P and c charts, group control charts.

Acceptance sampling. Single, double, multiple and sequential sampling plans. OC and ASN functions. Sampling by attributes and by variables. Use of Dodge-Romig and other tables.

Design of industrial experimentation. Use of regression techniques and analysis of variance techniques in industry.

Applications of Operational research techniques including linear programming in industry.

- (ii) *Economic Statistics*

Index numbers of prices and quantities. Different types of index numbers e.g. index numbers of wholesale prices and cost of living index numbers. Theory of index numbers.

Income distributions. Pareto and other curves. Concentration curves and their uses.

National Income. Different sectors of national income. Methods of estimating national income. Inter-sectoral flows. Problems of regional income estimates. Inter-industry table. Applications of input-output analysis and linear programming.

Analysis and interpretation of economic time series. The four components of an economic time series. Multiplicative and additive models. Trends determination by curve fitting and by moving average method. Determination of constant and moving seasonal indices. Auto-correlation, periodogram analysis, tests of randomness.

Theory of consumption and demand, demand function, elasticities of demand, statistical analysis of demand with the help of time series and family budget data.

- (iii) *Educational Statistics (including Psychometry)*

Scaling of test items. Scores, standard scores, normal scores. T and C scales, stanine scale, percentile scale.

Mental tests. Reliability and validity of tests. Different methods for computing reliability. Index of reliability. Procedures for determining validity. Validation of a test battery. Speed versus power tests.

Factor Analysis. Item analysis. Use of correlation methods in aptitude tests.

Measurement of learning and forgetting. Learning models. Attitude and opinion measurement. Measurements of group behaviour.

- (iv) *Genetical Statistics*

Physical basis of heredity. Mendel's laws. Linkage. Analysis of segregation, detection and estimation of linkage.

Polygenic inheritance. Components of phenotypic variation. Estimation of heritability. Selection. Basis of selection. Progeny testing. Selection for combination of characters.

Population genetics. Gene frequency. Inbreeding. Random mating. Linkage disequilibrium.

Elements of human genetics. Study of blood groups, disease traits and aberrations

- (v) *Demography and Vital Statistics*

The life table; its construction and properties. Makeham's and Comperz curves. Derivation of annual and central rates of mortality. National life tables. U.N. model life tables. Abridged life tables. Stable population. Stationary population.

Crude fertility rates, specific fertility rates, gross and net reproduction rates; family size; crude mortality rate, infant mortality rates; Mortality by cause of death; Standardised rates.

Internal and international migration; net migration; backward and forward survivorship ratio methods.

Demographic transition; Social and economic determinants of population.

Population projections. Mathematical and Component methods. Logistic curve fitting.

7. Comparative Economic Development

A comparative and historical study of modern economic development under different social systems with special reference to India, Japan, France, U.K., USA and USSR. The candidates will be expected to make a critical appraisal of the historical evolution and operational features of the various types of economies, e.g., market-oriented free enterprise economy, centrally planned economy and their variations, particularly from the point of view of the lessons that they have for developing economies.

8. Money and Public Finance

Nature and functions of money. Value of money, Money, output and prices. The multiplier and the process of income generation. Trade cycles and price movements. Inflation.

Objectives and mechanism of monetary policy. Bank rate and open market operations. Central Bank techniques; general and selective credit controls. Monetary policy in a developing economy : Money and capital markets in developed and developing economies. Organisation of the Indian money market.

Public finance : nature, scope, importance and objectives.

Theory of taxation : effects and incidence of taxation. Taxable capacity and double taxation. Effects and importance of public expenditure. Fiscal policy for full employment and economic development. Deficit financing. Revenue from public enterprises.

Theory of public debt. Internal and foreign loans; debt management.

Theory of federal finance.

9. Rural Economics and Co-operation

Role of agriculture in economic development.

Agricultural production and resource use, production functions, returns to scale; cost and supply curves; factor combination and selection of techniques under uncertainty. Crop planning.

Factor markets : Land market, land value and rent, Labour market, wages and employment, unemployment and under-employment, Capital market, savings and capital formation.

Commodity demands: demand for food,

International trade in agricultural commodities—prices, tariffs, commodity agreements. International programmes for agricultural development.

Problems of Indian rural economy. Agricultural holdings, Land utilisation Cropping pattern. Problems of agricultural inputs, land tenure reforms. Community Development and Panchayati Raj. Agricultural Labour. Subsidiary occupations and rural industries. Rural indebtedness. Agricultural credit. Agricultural marketing and price spread. Commodity demands and demand for food. Price support and stabilisation. Taxation of agricultural land and income. Growth rate in Indian agriculture under planning.

Agriculture in Five Year Plans. Major programmes of agricultural development.

Co-operation: Principles, origin and development. Comparative study of co-operation in India and abroad. Structure, Organisation and working of various types of co-operative institutions in India. Role of these institutions in the rural economy. The State and the co-operative movement. Role of the Reserve Bank of India.

10. International Economics

International trade. Theories of international trade. Gains from trade. Terms of trade. Trade policy. International trade and economic development. Theory of tariffs. Quantitative trade restrictions. Customs unions. Free trade areas. European Common Market.

Balance of payments. Disequilibrium in balance payments. Mechanism of adjustments. Foreign trade multiplier. Exchange rates. Import and exchange controls. Trade agreements. Key currency standard. External and internal balance.

International institutions. International liquidity and I.M.F. International monetary reforms. Secular trends in terms of trade of developing countries. Export instability and stabilisation of commodity prices. G.A.T.T. Movements of international capital, private and public. International aid for economic growth. I.B.R.D. and its affiliates. Asian Development Bank.

11. Mathematical Economics and Econometrics

Role of mathematics & statistics in economics: Measurement in economics. Role of mathematics in economics. Statistical methods and techniques of inference in measuring economic relationships.

Demand analysis: General theory and measurement of demand; dynamic and static demand functions. Interrelated demand and supply functions under conditions of planning methods of estimation of demand and supply relationships. Demand projections and short term outlook for prices and demand.

Production functions: Concept of production and transformation functions; methods of fitting production functions; mathematical methods of production planning and control.

Linear programming: Activity analysis; linear programming and its applications. Input-output analysis; elements of game theory—their application in economic planning.

Mathematical models of Keynesian and classical economics: Concept of multiplier; acceleration principle. Equilibrium analysis; equilibrium of the consumer, stability conditions, effect on demand of increases in income and prices, complements and substitutes. Market demand; equilibrium of exchange, equilibrium of the firm. Equilibrium of production and exchange in the economy, generalized law of demand and supply.

Concept of structure and model: Different concepts of structure—distinction between structure and model. Estimation of parameters in single equation and simultaneous equation models.

Planning models: Different types of growth models, capital output ratios and their use in economic planning. Planning models. Long term projections and perspective; short term economic forecasting.

12. Sample Surveys

Place of sampling in census and survey work. Concept of frame and sampling unit.

Sampling techniques: Random sampling, stratified sampling, choice of strata, multistage sampling, cluster sampling, systematic sampling, double sampling, variable sampling fraction sampling with probability proportional to size, multi-phase sampling, inverse sampling.

Estimation procedures: Estimates of population total and mean; bias in estimates; standard error of estimates. Ratio, regression and product estimates.

Optimum designs: Cost and variance functions. Use of pilot surveys. Optimum size and structure of sampling units. Optimum allocation in stratified, multiphase and multistage designs. Optimum replacement fraction in repetitive surveys.

Non-sampling errors and their control, theory of non-response, inter-penetrating samples.

Design and organisation of pilot and large scale sample surveys. Operational procedures for drawing samples use of random sampling numbers; various methods of drawing pps samples. Procedures for collection and tabulation of data. Analysis of survey data and preparation of reports.

13. Industrial Economics

Industry. Structure of competitive industry. Theory of the size of an industrial unit. Theory of industrial location. Regional development of industry. Industrial integration. Combination and monopoly.

Problems of industrial production. Productivity—concept and measurement. Techniques of raising productivity. Cost structure and pricing policies.

Structure of Indian industry—size, location, integration and regional balance.

Problems of Indian Industry—finance; inputs; utilisation of capacity. Industrial policy. Private and public sectors. Industrial licensing. Foreign capital and technical collaboration.

Problems of public enterprises—organisation, management, control and accountability.

Problems of small scale industries and Industrial Estates. Labour and economic development. Labour productivity and incentives. Industrial relations in India. Organisation and structure of trade unions. Trade Unions and the State. Settlement of industrial disputes. Minimum and fair wages. State regulation of wages and working conditions. Labour welfare.

14. Theory and Practice of Trade

Marketing. The concept of marketing; characteristics of a market. Marketing functions; marketing process, concentration and dispersion, buying, selling, transportation, storage, grading and finance. Customer behaviour and decision. Marketing information and research. Channels of distribution. Marketing cost and efficiency. Sales forecasting and planning. Sales promotion; advertising and salesmanship. State regulated marketing.

Marketing in India. Marketing of agricultural produce and manufactured products. Organised markets in India—Stock exchanges and produce exchanges, their functions and processes. State policy; governmental marketing organisations and state trading.

Foreign trade. Characteristics of an international market. Special problems of foreign trade as distinct from domestic trade; transport; finance and insurance; risks in respect of credit, exchange fluctuations and transfer of payments. Documents used in foreign trade. Organisation and structure of export and import houses. Techniques of import and export control.

Chief feature of India's foreign trade—Commodity composition, value and direction. Operation of export and import controls during the last ten years. Licensing procedures and criteria. Foreign trade finance. Export Risks Guarantee System. Methods of export promotion adopted in recent years. India's trade agreement. Functions of the State Trading Corporation.

15. Business Finance and Accounts

Financial needs of modern industry. Sources of industrial finance in India. Indian capital market. Institutional financing. Foreign capital; sources interest rates and terms of repayment.

Budgeting capital requirements of a firm. Optimal capital structure. Sources and use of funds in a firm; Self-financing. Depreciation policy. Reserves and dividends. Taxation and financial policy.

Capital budgeting. Preparation, analysis and interpretation of financial statements. Valuation of goodwill and shares. Preparation of schemes of reconstruction, amalgamation and absorption; recording the effect in books of account.

Preparation of costing statements, treatment and control of overheads. Principles of budgetary control. Standard costing. Reconciliation of financial and cost accounts.

16. Business Management and Commercial Law

The management process and managerial functions. Formulation of policy and goals of enterprise. Leadership and morale; control and decision-making. Authority relationships, delegation of authority, levels of authority and responsibility, span of control. The role of the supervisor. Problems of communication and motivation.

Production and inventory control. Quality control. Time and motion study. Plant layout and work measurement.

Managerial problems in marketing operations. Selection and control of channels of distribution; product line, pricing and sales promotion policy. Demand analysis and advertising.

Personnel management. Problems of selection, placement, promotion, transfer and retirement. Job-evaluation and merit rating. Union-management relations.

Legal framework of business activities in India.

Law relating to contracts and companies.

17. Advanced Probability and Stochastic Processes

(a) *Advanced Probability*.—Probability as measure; random variables; decomposition of distribution functions; expectation of a random variable; the conditional probability and conditional expectations; convergence of sequences and some of independent random variables; Kolmogorov's inequality; strong and weak laws of large numbers; Convergence in distribution; Theorems of convergence and continuity; Characteristic functions; Uniqueness theorem; inversion formula; central limit theorems; Problem of moments.

(b) Stochastic Processes

Definition and classification of stochastic processes.

Stochastic processes as a family of real-valued random variables indexed by an ordered set (discrete or an interval of the real time). The class of finite-dimensional distribution functions and statement of Kolmogorov's Consistency theorem.

Various types of dependence among the random variables: independence, independent increments, martingales, Markov dependence, wide and strict sense stationarity.

Markov Processes

Strictly stationary Markov process with discrete parameter and with finite and denumerable state spaces (also called Markov chains); transition probability matrices; classification of states and classes of states.

Markov process with continuous parameter and discrete state space: Kolmogorov forward and backward equations: Simple time-dependent stochastic processes regarding population growth; Poisson process; Pure birth process; Birth and death process (complete solution in the case of linear processes of the two latter types).

Wide sense stationary process with discrete parameter

Covariance function; spectral representation of the covariance function and of the process; examples of correlation functions of stationary processes; linear prediction of stationary processes; examples in the case of a general rational spectral density.

18. Statistical Inference

NOTE: Candidates will be required to answer questions from Sections 'A' and 'B' or Sections 'A' & 'C'.

A (i) Estimation

Different methods of estimation: method of maximum likelihood, method of minimum chi-square,

method of moments, method of least squares; asymptotic properties of maximum likelihood estimators. Cramer-Rao inequality and its generalization to the multiparametric case. Bhattacharya bounds. Sufficient Statistics: Factorization theorem, Pitman Koopman-Darmois form of distributions, minimal set of sufficient statistics. Rao-Blackwell theorem. Complete family of probability distributions, complete statistics. Lehmann-Scheffe' theorem on minimum variance estimation.

(ii) Testing of hypotheses

Neyman-Pearson theory of testing of hypotheses. Randomized and non-randomized tests.

Most powerful and uniformly most powerful tests. Neyman-Pearson fundamental lemma. Unbiasedness, consistency and efficiency of tests. Similar regions, tests with locally optimum properties. Type, A, A1, B, C, and D critical regions. Relationship between the notions of completeness and similarity. Likelihood-ratio principle of test construction and some of its applications. Bartlett's test for homogeneity of variances.

(iii) Non-parametric tests

Order statistics: Small sample and large sample distribution theory, distribution-free confidence intervals for quantiles. Distribution-free tests for

(i) goodness of fit: chi-square test, Kolmogorov-Smirnov test.

(ii) Comparison of two populations: Run test, Dixon's test, Wilcoxon's test, Median test, Sign test, Fisher-Pitman test.

(iii) independence: contingency, chi-square, Spearman's and Kendall's rank correlation coefficients.

Large sample properties of non-parametric tests. U-statistics and their limiting distributions.

B. Decision Functions

Statistical game and principles of choice associated with it. Formulation of statistical problems as a statistical game, decision functions, randomized and non-randomized decision rules. Minimax, Bayes and minimum regret decision rules. Admissible and minimax tests. Admissible and minimax estimates under square error loss function. Minimal complete class of tests.

Principle of sufficiency and principle of invariance. Hunt-Stein theorem. Minimax invariant decision rules.

C. Multivariate Analysis

Multivariate Normal Distribution Estimation of mean vector and covariance matrix; Distribution of Sample mean vector and inference relating to mean vector with unknown matrix; Hotelling's Tests based on T^2 ; Power functions of T^2 and F ; Optimum properties of T^2 . Partial and multiple regression coefficients in normal correlation; Behren's—Fisher problem; Wishart distribution; Reproductive property of Wishart; Generalised analysis of variance; Mahalanobis's D^2 Discriminant functions; Principal component analysis; Canonical variates and canonical correlation; equality of several covariance matrices.

19. Design of Experiments

Principles of experimentation: randomisation, replication and error control. Techniques for error control; choice of size, shape and structure of experimental units, grouping of experimental units.

Basic assumptions of analysis of variance. Effects of non-additivity, variance, heterogeneity and non-normality. Transformation. Pure and mixed models. Use of concomitant variables. Covariance analysis.

Construction and analysis of incomplete block designs, (with and without recovery of inter block information), lattice designs, partially balanced incomplete block designs, Hyper-Graco-Latin Squares and other designs for elimination of heterogeneity in several directions.

Construction of factorial designs and their analysis: confounding in symmetrical factorial experiments: total and partial; balanced confounding. Confounding of main effects: split plot, strip-plot and other designs. Fractional replication. Experiments with qualitative and quantitative factors.

Techniques for analysis for experiments with missing or mixed up yields. Analysis of non-orthogonal data. Combination of results of groups of experiments. Response curves and standardisation of response.

20. Pure Mathematics I

Functions of a real variable: Construction of system of real numbers from rational numbers by Dedekind's method. Bounds and limits of sequences and functions. Convergence point-wise and uniform, of sequences, infinite series and infinite products.

Metric spaces: open and closed sets, continuous functions and homomorphism; convergence and completeness, theorem on nested closed sets in complete metric spaces. Compactness for metric spaces and euclidean spaces. Uniform continuity and Arzela's theorem. Connected sets in metric spaces.

Differentiability of functions, of one and several real variables. Mean value theorems. Taylor expansion of functions of one and more variables. Extreme values of functions including method of Lagrange multipliers. Implicit and inverse function theorems. Functional dependence and Jacobian.

Riemann integration, mean value theorems of integral calculus. Improper integrals. Convergence of integral. Differentiation and integration under the integral sign. Line and surface integrals. Multiple integrals, Green's and Stokes theorems.

Measure Theory: Lebesgue measure, measurable sets and their properties. Measurable functions. Lebesgue integral of bounded functions over sets of finite measure. The integral of a non-negative function. The general Lebesgue integral. Convergence in measure, Fatou's lemma, Monotone, dominated and bounded convergence theorems. Vitali covering theorem. Functions of bounded variation. Absolutely continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus, Stieltjes-integral.

Functions of a Complex Variable: Analytic functions. Cauchy-Riemann equations. Integration of complex functions. Cauchy's fundamental theorem and integral formulae. Morera's theorem. Taylor and Laurent expansions. Zeros and poles. Singularities. The Residue Theorem and its applications. Argument principle. Rouché's theorem. Maximum modulus principle and Schwarz lemma.

Bilinear transformations, Conformal representation.

Doubly periodic functions. Weierstrass's functions, Jacobi's $S_n C_n$ and D_n functions, Elliptic integrals.

21. Pure Mathematics II

Modern Algebra including Matrices and Determinants: Semi groups and groups: Isomorphism. Transformation group, Cayley's theorem. Cyclic groups. Permutations; even and odd permutations. Coset decomposition of groups, Lagrange's theorem. Invariant subgroups and factor groups. Homomorphism and automorphism. Conjugate elements. Normal series, composition series and Jordan—Holder theorem.

Rings: Integral domain. Division rings. Fields. Matrix rings. Quaternions. Sub rings, Ideals: maximal, prime and principal ideals. Unique factorization domains. Difference rings. Ideals and difference rings of integers. Formal's theorem Homomorphism of rings.

Field extensions-algebraic and transcendental field extensions. Elements of Galois theory and its applications to solution of equations by radicals.

Vector spaces over a field. Sub spaces and their algebra. Linear independence basis dimension. Factor spaces. Isomorphism of vector spaces.

System of linear equations. Rank of a matrix. Equivalence relations on matrices, elementary matrices, row equivalences, equivalence, similarity.

Linear transformations on vector spaces, their rank and nullity. Dual spaces and dual basis. Linear, bilinear and quadratic forms. Rank and signature. Reduction of a quadratic form to cononical form and simultaneous reduction of two quadratic forms.

Determinant functions, its existence and uniqueness. Laplace's method of expanding a determinant. Product of two determinants. Binet-Cauchy formula. Characteristics and minimal polynomials, eigen values and eigen vectors. Cayley-Hamilton theorem. Diagonalization theorems.

n-dimensional geometry.—Elements of the geometry of n-dimension. Desargues' theorem. Degrees of freedom of linear spaces. Duality, Parallel lines: Elliptic hyperbolic, euclidean and projective geometries. Line normal to (n-1) Flat. System of n-mutually orthogonal lines. Distances and angles between flat spaces.

Convex sets and convex cones. Convex hull. Theorems on separating hyperplanes. Theorem that a closed convex set which is bounded from below has extreme points in every supporting hyperplane. Convex hull of extreme points. Convex polyhedral cones. Linear transformations of regions.

Differential geometry.—Curves in space, Envelopes, Developable surfaces. Developables associated with a curve. Curvilinear coordinates on a surface. First and second fundamental forms. Curvature of normal section. Lines of curvature. Conjugate systems. Asymptotic lines. The equations of Gauss and of Codazzi. Geodesics and Geodesic parallels. Ruled surfaces.

22. Pure Mathematics III

Numerical Analysis and Difference Equations.—Finite differences. Interpolation. Extrapolation. Inverse interpolation. Numerical differentiation and numerical integration. Solution of difference equations of the first order. General properties of the linear difference equation. Linear difference equations with constant coefficients.

Solution of ordinary differential equations. Methods of starting the solution and continuing the solution. Simultaneous linear equations and their solution. Roots of polynomial equations. Solution of simple problems by relaxation method. Nomograms.

Differential Equations.—Existence theorem for the solution of $dy/dx=f(x,y)$.

First order linear and non-linear equations. Linear equations with constant coefficients. Homogeneous linear equations. Second order linear equations. Frobenius method of integration in series. Solutions of Legendre, Bessel and Hermite equations. Elementary properties of Legendre and Hermite polynomials and Bessel functions. Systems of simultaneous linear equations. Total differential equations with three variables.

Partial differential equations: partial differential equations of first and second order Lagrange's, Charpit's and Monge's method. Linear partial differential equations with constant coefficients. Solutions of Laplace's wave and diffusion equations by separation of variables.

Calculus of Variations: Necessary conditions for a minimum. Derivation of the Euler-equations. Hamilton's principle. Hamiltonian. Isoperimetric problems. Variable and point problems. Minima of functions of integrals. Bolza's problems. Multiple integral problem. Direct method in calculus of variations. Second variation and Legendre's necessary condition for a minimum.

Harmonic Analysis: The representation of a function by Fourier series. Dirichlet integral. Riemann Lebesgue Theorem. Riemann's localization theorem. Sufficient conditions for the convergence of Fourier series (Jordan, Dini & de la Vallée Poussin). Fourier integrals. Sampling theorem. Power spectrum. Auto-correlation and cross-correlation.

23. Applied Mathematics

Statics: Vector treatment of equilibrium of a rigid body under forces not necessarily coplanar. Central axis. Principles of virtual work. Stability. Strings under central forces, equilibrium of strings on rough and smooth plane curves. Elastic strings. Attractions and potentials of a rod, disc and sphere.

Dynamics: Newton's laws of motion. D'Alembert's principle. Rectilinear motion. Motion in two dimensions. Motion in a resisting medium. Planetary motion. Impulsive forces and impacts. Principle of momentum and energy. Degrees of freedom and constraints. Generalised coordinates. Lagrange's equations for holonomic system. Euler's dynamical and geometrical equations. Hamilton's principle. Hamilton's equations. Introduction to many-body problem.

Hydrodynamics : Eulerian and Lagrangian equations of motion. Estream lines. Borticity and circulation and their constancy in ideal fluid.

Bernoulli's theorem and its application. Potential flow around cylinders and spheres. Blasius theorem and its application. Techniques of images and conformal transformation for solution of hydrodynamical problems. Simple properties of vortex motion, uniqueness theorem. Viscous fluid. Napier-Stokes equations. Flow between parallel walls and straight pipes. Oseen and Stokes approximations. Slow motion past a sphere.

Electricity and magnetism : Coulombo Law. Charges. Conductors and condensers. Dielectrics. Steady currents. Magnetic effects of currents. Induced currents and fields. Maxwell equations. Electromagnetic conditions at an interface between two media. Electromagnetic potentials, stresses and energy. Poynting's theorem. Joule heat. Alternating currents. Electromagnetic waves in an isotropic dielectric. Reflection and refraction of electromagnetic waves. Waves in conducting media.

Thermodynamics : Concepts of quantity of heat, temperature and entropy. First and second laws of thermodynamics. Specific heats. Change of phase. Vapour pressure. Conduction of heat. Radiation. Planck's law. Stefan's law. Thermodynamic functions and potentials. Heterogenous systems and Gibbs's phase rule.

Statistical Mechanics : Geometry and kinematics of the phase space. Maxwell-Boltzmann, Bose Einstein and Fermi-Dirac statistics.

PART B

Viva Voce.—The candidate will be interviewed by a Board of competent and unbiased observers who will have before them a record of his career. The object of the interview is to assess his suitability for the Service or Services for which he has competed. The interview is intended to supplement the written examination for testing the general and specialized knowledge and abilities of the candidate. The candidate will be expected to have taken an intelligent interest not only in his subjects of academic study but also in events which are happening around him both within and without his own state or country, as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

The technique of the interview is not that of a strict cross examination, but of a natural, though directed and purposive conversation, intended to reveal the candidate's mental qualities and his grasp of problems. The Board will pay special attention to assessing the intellectual curiosity, critical Powers of assimilation, balance of judgment and alertness of mind; the ability for social cohesion; integrity of character, initiative and capacity for leadership.

APPENDIX III

Brief particulars relating to the two Services to which recruitment is being made through this examination :

1. Candidates selected for appointment to either of the two Services will be appointed to Grade IV of the Service on probation for a period of two years which may be extended if necessary. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such courses of training and instruction and to pass such examination and tests as the Government may determine.

2. If in the opinion of Government the work or conduct of the officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

3. On the expiry of the period of probation or of any extension, if the Government are of opinion that a candidate is not fit for permanent appointment, Government may discharge him.

4. On completion of the period of probation to the satisfaction of Government, the candidate shall if considered fit for permanent appointment be confirmed in his appointment subject to the availability of substantive vacancies in permanent posts.

5. Prescribed scales of pay for both the Indian Statistical Service and the Indian Economic Service are as follows :

Grade I—Director Rs. 1300—60—1600—100—1800.

Grade II—Joint Director Rs. 1100—50—1400.

Grade III—Deputy Director—700—40—1100—50/2—1250.

Grade IV—Assistant Director Rs. 400—400—450—30—600—35—670—EB—35—950.

6. Promotions to the higher grades of the Service will be made on the basis of merit with due regard to seniority in accordance with the quota of vacancies set aside for promotion for each grade viz., 75% for Grade III, 50% for Grade II and 75% for Grade I.

An officer belonging to the Indian Statistical Service/ Indian Economic Service will be liable to serve anywhere in India or abroad under the Central Government and may be required to serve in any post on deputation for a specified period.

7. Conditions of service and leave and pension for officers of the two Services are the same as those described in the Fundamental Rules and Civil Service Regulations of Government of India respectively subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

8. Conditions of Provident Fund are the same as laid down in the General Provident Fund (Central Services) Rules subject to such modifications as may be made by Government from time to time.

APPENDIX IV

REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and in order to enable them to ascertain the probability of their coming up to the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners and a candidate who does not satisfy the minimum requirement prescribed in the regulations, cannot be declared fit by the medical examiners. However, while holding that a candidate is not fit according to the norms laid down in these regulations, it would be permissible for a Medical Board to recommend to the Government of India for reasons specifically recorded in writing that he may be admitted to service without disadvantage to Government.]

2. It should, however, be clearly understood that the Government of India reserve to themselves, absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board.]

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

2. In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth, the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other side of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels, calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

4. The candidate's chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together, and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the interior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side, and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration

several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres 84—89, 86—93 etc. In recording the measurements fractions of less than a centimetre should not be noted.

N.B.—The height and chest of the candidate should be measured twice before coming to final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in kilograms; fractions of half of a kilogram should not be noted.

6. (a) The candidate's eyesight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall, however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses.

Distant vision		Near vision	
Better eye	Worse eye	Better eye	Worse eye
(Corrected vision)		(Corrected vision)	
6/9	6/9		
or			
6/9	6/12	J. I	J. II

(d) In every case of myopia, fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he should be declared unfit.

(e) *Field of vision.*—The field of vision shall be tested by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness.*—Broadly there are two types of night blindness; (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic Disease of Retina—a common cause being Retinitis pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and ill nourished persons and improves by large doses of Vit. A. In (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult, and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category. For both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For (2) specially when fundus is not involved electro-Retinography is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time consuming and require specialized set up and equipment, and thus are not possible as a routine test in a medical check-up. Because of these technical considerations, it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employee.

(g) *Ocular conditions other than visual acuity.*—(i) Any organic disease or a progressive refractive error which is likely to result in lowering the visual acuity should be considered a disqualification.

(ii) *Squint.*—For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification, if the visual acuity is of the prescribed standard.

(iii) *One eye:* If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has subnormal vision, the usual effect is that the person

lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has

(i) 6/6 distant vision and J1 near vision with or without glasses, provided the error in any meridian is not more than 4 diopters for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required.

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

(h) *Contact Lenses.*—During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test, the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

7. Blood Pressure

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure.

A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows:—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

N.B.—As a general rule any systolic pressure over 140 and diastolic over 90 should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc., or whether it is due to any organic disease. In all such cases X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the Medical Board only.

Method of taking Blood Pressure

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 m.m. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sounds will be heard to increase in intensity. The level of the column at which the well-heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level; they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine passed in the presence of the examiner, should be examined and the result recorded. Where a Medical Board finds sugar present in a candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If, except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate "fit subject to the glycosuria being non-diabetic" and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examination

clinical and laboratory he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board, upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit". The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for a fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :

- (a) that the candidates hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be got examined by the ear specialist. Provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he has no progressive disease in the ear;
- (b) that his speech is without impediment;
- (c) that his teeth, are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient; and that his heart and lungs are sound;
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, a severe degree of varicocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no congenital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution;
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Screening of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs which may not be apparent by ordinary physical examination, where it is considered necessary, a skiagram should be taken.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidates filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like, enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates; otherwise, requests for second medical examination by an Appellate Medical Board will not be entertained. The Medical Examination by the Appellate Medical Boards would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Boards would be taken by the Cabinet Sectt. (Dep'tt. of Personnel) on receipt of appeals accompanied by the prescribed fee.

Medical Board's Report

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any, of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority, as the case may be that he has no disease, constitutional affection, or bodily infirmity unfitting him, or likely to unfit him for that service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuous effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service, and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which in only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective service.

The Board should normally consist of three members, (i) a physician (ii) a Surgeon and (iii) an Ophthalmologist, all of whom should as far as practicable, be of equal status. A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Economic Service/ Indian Statistical Service are liable for field service in or out of India. In case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise for field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In cases where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service, the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a candidate being informed of the Board's opinion to this effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared 'Temporarily Unfit' the period specified for re-examination should not ordinarily exceed six months at the maximum. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidates statement and declaration

The candidate must make the statement required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full
(in block letters)
2. State your age and birth
place
2. (a) Do you belong to races
such as Gorakhas,
Garwalis, Assamese,
Nagaland Tribals etc.
whose average height is
distinctly lower? Answer
'Yes' or 'No' and if the
answer is 'Yes', state the
name of the race.

- 3 (a) Have you ever had small pox, intermittent or any other fever, enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma, heart disease, lung disease, fainting attacks, rheumatism, appendicitis,

Or

- (b) Any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?
4. When were you last vaccinated ?
5. Have you suffered from and form of nervousness due to over-work or any other cause ?
6. Furnish the following particulars concerning your family :

Father's age, if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death
---	--	--	--

Mother's age, if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at and cause of death
---	--	---	---

7. Have you been examined by a Medical Board before ?
8. If answer to the above is, yes, please state what Service/Services, you were examined for ?
9. Who was the examining authority ?
10. When and where was the Medical Board held ?
11. Result of the Medical Board's examination.

I declare that all the above answers are to the best of belief true and correct.

Candidate's Signature.....
signed in my presence.

Signature of the Chairman
of the Board.

NOTE.—The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to Superannuation Allowance or Gratuity.

Report of the Medical Board on (name of candidate)

Physical Examination

1. General development : Good.....fair.....
Poor.....
- Nutrition : Thin.....Average.....Obese.....
- Height (Without shoes).....Weight.....
- Best Weight.....When ?.....any recent change in weight ?
- Temperature.....
- Girth of Chest :
- (1) (After full inspiration).....
- (2) (After full expiration).....
2. Skin : Any obvious disease.....
3. Eyes :
- (1) Any disease
- (2) Night blindness.....
- (3) Defect in colour vision.....
- (4) Field of vision.....
- (5) Visual acuity.....
- (6) Fundus Examination

Acuity of vision	Naked eye	With glasses	Strength of glass Sph. Cyl. axis
Distant vision ..	R.E. L.E.		
Near vision ..	R.E. L.E.		

4. Ears : Inspection.....Hearing : Right Ear.....
Left Ear
5. GlandsThyroid
6. Condition of teeth
7. Respiratory System : Does physical examination reveal anything abnormal in the respiratory organs ?.....
If yes, explain fully.....
8. Circulatory System :
- (a) Heart : Any organic lesions ?Rate
Standing
- After hopping 25 times.....
2 minutes after hopping.....
- (b) Blood Pressure : SystolicDiastolic.....
9. Abdomen : Girth.....Tenderness.....Hernia.....
- (a) Palpable : Liver.....Spleen.....
Kidneys.....Tumours
- (b) Haemorrhoids.....Fistula
10. Nervous System : Indication of nervous or mental disabilities.....
11. Loco-Motor System : Any abnormality.....
12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele, varicocele etc.

Urine Analysis

- (a) Physical appearance
- (b) Sp. Gr.
- (c) Albumen
- (d) Sugar
- (e) Casts
- (f) Cells

13. Report of Screening /X-Ray Examination of Chest.

14. Is there anything in the health of the candidate likely to render him unfit for the efficient discharge of his duties in the service for which he is a candidate ?

15. (i) Has he been found qualified in all respects for the efficient and continuous discharge of his duties in the Indian Economic Service & Indian Statistical Service ?

(ii) Is the candidate fit for FIELD SERVICE.

NOTE.—The Board should record their findings under one of the following three categories :

(i) Fit

(ii) Unfit on account of

(iii) Temporarily unfit on account of

Place

Date

Chairman
Member

Member

MINISTRY OF STEEL & MINES

(Department of Mines)

New Delhi, the 15th June 1971

No. CII-3(9)/71.—The Government of India have decided that the tenure of the technical committee to study the operation of coal washeries in a comprehensive manner, which was set up *vide* the late Ministry of Petroleum & Chemicals and Mines & Metals Resolution No. CIX-2(41)/69-CII, dated the 19th May, 1970 for a term of six months and extended thereafter for a period of six months *i.e.* upto the 18th May, 1971, *vide* the erstwhile Ministry of Petroleum & Chemicals and Nonferrous Metals Notification No. CIII-3(9)/71, dated the 30th March, 1971, be extended further for another period of six months *i.e.* upto the 18th November, 1971.

S. B. LAL, Jt. Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT AND INTERNAL TRADE

New Delhi, the 14th June 1971

RESOLUTION

No. 33(7)/71-L.Con.Ind.—The Government of India have decided to reconstitute the Panel for the Air-conditioning and Refrigeration Industry with the object of examining and advising the Government of India on special measures necessary for planning the growth and development of this Industry as also for considering the various problems faced by the manufacturers in this field. The composition of the Panel will be as follows :—

Chairman

1. Shri V. P. S. Menon, Industrial Adviser, D.G.T.D., New Delhi.

Member-Secretary

2. Shri D. B. Malik, Development Officer, D.G.T.D., New Delhi.

Members

3. Shri S. Raghaviah, Director, Office of the DS(SSI), New Delhi.
4. Shri N. N. Agarwala, Joint Director, Planning Commission, New Delhi.

5. Shri Surendra M. Mehta, Director, Air Control & Chemical Engineering Co. Ltd., Regbuvanshi Mills Compound, 11-12, Haines Road, Bombay-13.

6. Shri Ram D. Malani, Executive Director, Blue Star Limited, Jamshedji Tata Road, Bombay-20.

7. Shri P. D. Gune, Chief Executive (Operations), M/s. Kirloskar Brothers Ltd., Kirloskarvadi, District Sangli, Maharashtra.

8. Shri J. C. Kapur, Director, M/s. Danfoss (India) Limited, B-20/21, Industrial Area, Site No. 3, Meerut Road, P.B. No. 6, Ghaziabad.

9. Shri M. C. Gupta, M/s. Shriram Refrigeration Industries Ltd., Balanagar Township, Hyderabad-37.

10. Shri Manmohan Singh, Managing Director, M/s. Frick India Limited, Jeevan Vihar, 3-Parliament Street, Post Box 118, New Delhi-1.

11. Shri J. Desai, Managing Director, M/s. Kalvinator of India Ltd., 28, New Industrial Town, Faridabad.

12. Shri V. P. Punj, M/s. Pedders Lloyd Corporation Pvt. Ltd., Punj House, M-13, Connaught Circus, New Delhi-1.

13. Shri O. P. Bhartia, Deputy Managing Director, M/s. Cutler-Hammer India Ltd., 20/4, Mathura Road, Faridabad-11.

14. Shri B. S. Dua, M/s. American Refrigerator Co. Ltd., 12-D, Park Street, Calcutta-16.

15. Shri H. L. Sponner, Managing Director, M/s. S.F. India Limited, Post Box 411, Calcutta-1.

16. Shri N. Balasubramanian, M/s. Voltas Limited, 19, Graham Road, Bombay-1.

17. Shri Gajindra Singh, M/s. Oriental Refrigeration & Engineering Co. Private Ltd., Lakshmi Building, 1st Floor, Asaf Ali Road, P.O. Box No. 563, New Delhi-1.

18. Shri G. K. Kabra, Chief Engineer, M/s. Hyderabad Allwyn Metal Works Ltd., Sanatnagar, Hyderabad-18.

19. Shri Amer P. Sur, M/s. Sur Industries Pvt. Ltd., 163, Lower Circular Road, Calcutta.

20. Shri Ramesh Anand, M/s. Chandra Industries, G. T. Road, Jullundur.

21. Deputy Director of Inspection, Customs and Central Excise, Ministry of Finance, Department of Revenue & Insurance, New Delhi.

22. One Representative of Ministry of Food & Agriculture (Department of Food), New Delhi.

23. Shri M. V. Patankar, Director (Mech. Engg.), Indian Standards Institution, Manak Bhavan, Bahadurshah Zafar Marg, New Delhi.

24. One representative of Central Mechanical Engineering Research Institute, Durgapur.

2. The terms of the Panel will be for a period of two years.

ORDER

ORDERED that copy of the Resolution be communicated to all concerned and that it be published in the Gazette of India for general information.

R. K. TALWAR, Jt. Secy.

BORDER ROADS DEVELOPMENT BOARD

New Delhi, the 21st May 1971

RESOLUTION

No. F-4(19)/BRDB/Proj./64.—In partial modification of the Resolution published under No. F-4(19)/BRDB/Proj./64, dated the 14th October 1970, Shri H. G. Verma, Chief Engineer, P.W.D., Uttar Pradesh Government, Lucknow, is nominated as a member of the Committee with immediate effect in place of Shri H. C. Malhotra, Chief Engineer I, P.W.D., Himachal Pradesh Government, Simla.

ORDER

ORDERED that the above modification to the resolution be published in the Gazette of India, Part I Section 1.

S. K. CHHIBBER, Secy.
Border Roads Development Board

MINISTRY OF EDUCATION & SOCIAL WELFARE
Department of Education

New Delhi, the 10th June 1971

RESOLUTION

No. 9-15/70-Plg.II/PR-1.—The Government of India is pleased to appoint Shri Bhabatosh Datta as Member of the Indian Council of Social Science Research, New Delhi, in the vacancy caused by the sad demise of Dr. D. R. Gadgil, for the unexpired portion of the term of office of the Council (1969-72).

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments and Administrations of Union Territories, all Ministries of the Government of India, Indian Council of Social Science Research, New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

RESOLUTION

No. 9-34/71-PR-1.—In exercise of the powers contained in Rule 3 of the Rules of the Indian Council of Social Science Research, Government of India is pleased to appoint Dr. M. S. Gore, Director, Tata Institute of Social Sciences, Bombay as the Chairman of the Indian Council of Social Science Research for the unexpired portion of the term of appointment of the late Dr. D. R. Gadgil, i.e. till 11th May, 1974.

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to all State Governments and Administrations of Unions, all Ministries of the Government of India, Indian Council of Social Sciences Research, New Delhi.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for information.

J. P. NAIK, Adviser

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 17th June 1971

No. 71/RE/161/9.—It is hereby notified for the general information of all concerned that the 132 kV double circuit transmission line constructed by Northern Railway starting from Panki (UPSEB Sub-station) to Phaphund (Railway Station) (Km. 1100.42) running parallel to the railway track and by the vicinity of the nearby villages will be energised, on 132 kV AC 50 Cycle per second from 21-6-1971. On and from the same date the overhead transmission line shall be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead line.

V. P. SAWHNEY, Secy.

MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER

RESOLUTION

New Delhi, the 15th June 1971

No. F.C.502(37)/68.—In para 1 of this Ministry's Resolution No. DW.V.502(37)/68, dated the 21st September, 1970 as subsequently amended vide this Ministry's Resolutions No. DW.V.502(37)/68, dated 28th November, 1970 and F.C.2(12)/70, dated the 26th February, 1971, the following may be substituted for the existing entry at S. No. 11 :—

"11. Minister of State, Flood Control, Assam—Member".

ORDER

ORDERED that a copy of the Resolution be communicated to the State Government of Assam/concerned Ministries of Government of India/Prime Minister's Secretariat/Private & Military Secretary to the President/Comptroller and Auditor General of India/Planning Commission for information.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India and that the State Governments be requested to publish it in the State Gazette for general information.

B. S. BANSAL, Jt. Secy.

New Delhi, the 17th June 1971

RESOLUTION

No. DW.II-37(19)/70.—For the existing entry "Dr. S. R. Sen, Additional Secretary, Planning Commission" appearing in paragraph 1 of this Ministry Resolution No. DW.II-28(52)/67, dated the 1st April, 1969, setting up the Irrigation Commission, the following shall be substituted :—

"Shri L. J. Johnson"

ORDER

ORDERED that the above Resolution be communicated to all Ministries/Departments of the Government of India and all State Governments/Administrations of Union Territories.

ORDERED that the Resolution be published in the Gazette of India, Part I, Section I.

N. C. SAKSENA, Jt. Secy.

New Delhi, the 17th June 1971

RESOLUTION

No. EL.II.34(37)/71.—With the formation of the Himachal State Electricity Board, it has become necessary to associate the aforesaid Board within the Northern Regional Electricity Board. It has been decided that Chairman, Himachal State Electricity Board should be made a Member in place of the Chief Engineer, Himachal Pradesh. In pursuance thereof, para 2 of this Ministry's Resolution No. EL.II.35(3)/63, dated the 13th February, 1964 relating to the composition of Northern Regional Electricity Board as amended by this Ministry's Resolution No. EL.II.34(27)/66, dated 5th August, 1966 and No. EL.II.34(45)/66, dated the 13th September, 1967, 12th June 1968 and 20th September, 1968 and dated the 11th December, 1968 shall be reconstituted as follows :—

- (i) Minister of State Incharge of Works, Irrigation and Power, Jammu & Kashmir or his representative.
- (ii) The Chairman, Punjab State Electricity Board.
- (iii) The Chairman, Rajasthan State Electricity Board.
- (iv) The Chairman, Uttar Pradesh State Electricity Board.
- (v) The Chairman, Delhi Electric Supply Committee.
- (vi) The Chairman, Haryana State Electricity Board.
- (vii) The Chairman, Bhakra Management Board.
- (viii) The Chairman, Himachal State Electricity Board.
- (ix) The Chief Engineer Incharge of Electricity Works, Chandigarh.
- (x) A representative of the Central Electricity Authority.
- (xi) The Member-Secretary.

The Members from Punjab, Delhi, Haryana, Himachal Pradesh, Jammu & Kashmir, Rajasthan, Uttar Pradesh and Bhakra Management Board shall be the Chairman for a period of one year each by rotation.

ORDER

ORDERED that the above Resolution be communicated to the Government of Jammu and Kashmir, Punjab, Rajasthan, Uttar Pradesh, Haryana, Himachal Pradesh and Union Territory of Delhi and Chandigarh and the Bhakra Management Board, the Ministries of the Government of India, the Prime Minister's Secretariat, the Secretary to the President, the Planning Commission and the Comptroller and Auditor General of India.

ORDERED also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

B. P. PATEL, Secy.

